125 वर्ष का सुहाना सफर

1900 to 2025...

4th January 2026

CELEBRATING anniversary 125th

दिल्ली भार्गव सभा (पंजीकृत)

Your Favourite Tea And Coffee Blends
By Tea-taster, Parit Bhargava

ANDEES®
SEARCH OF BEST INDIA TEA

HERBAL ELIXIR
Herbal Blends

EXPLORE MORE
FROM ANDEES HEAL

KASHMIRI KAHWA | CITRUS BLAST
THROAT REMEDY | BLISS
MINT MIX | BLUE PEA MINT
MORINGA MINT TULSI

HEAL
Ayurvedic Solutions

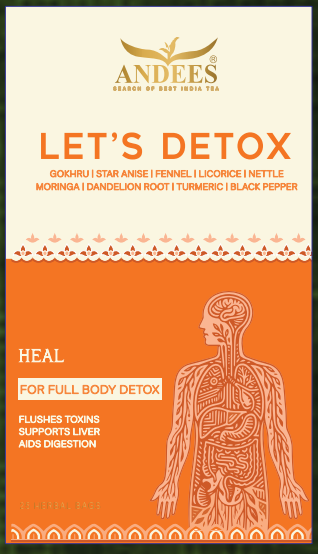

EXPLORE MORE
FROM HERBAL ELIXIR

HAIR & SKIN ELIXIR | WEIGHTLOSS
FOCUS | GOOD NIGHT SLEEP
KAMASUTRA | FEMALE HEALTH
MY MUSCLES | BREATHE EASY
LETS DETOX

INSTANT PREMIX
Tea & Coffee

EXPLORE MORE
FROM INSTANT PREMIX

ELAICHI TEA | GINGER TEA
HAZELNUT COFFEE | CAPPUCINO
KESAR MASALA | LEMON TEA
TOMATO SOUP | MASALA TEA

ANAND BHARGAVA : 9810316524
PARIT BHARGAVA (CHAIWALE) : 9582329697

COLORANT®

Quality is Colorant

OEKO TEX® ECO PASSPORT

ZDHC Level 3 Approved REACTIVE DYES

COLRON® Reactive Dyes

COLORANT LIMITED
Plot No. 116, Phase II, G.I.D.C. Vatva, Ahmedabad 382 445, Gujarat, INDIA
Phone: +91 79 4030 7233 / 4583 • Email: mktg@colorantindia.com

www.colorantindia.com

GRACURE PHARMACEUTICALS LTD.

251-254, 2nd Floor, DLF Tower,Block-IV, 15 Shivaji Marg,New Delhi: 110015, India
Phone : +91-11-47770900, E-mail : info@gracure.com, Website : www.gracure.com

- EU GMP Cerification (Unit-1)
- Certified for Tablets, Capsules, Liquid Syrups Ointments & Dry Syrups
- Believes in "Quality On Time & In Full"

With Best wishes from :

A.S. Bhargava
Mg. Director

Parag Bhargava
Director

Sheere Bhargava
Vice President

पुण्य स्मृति में....

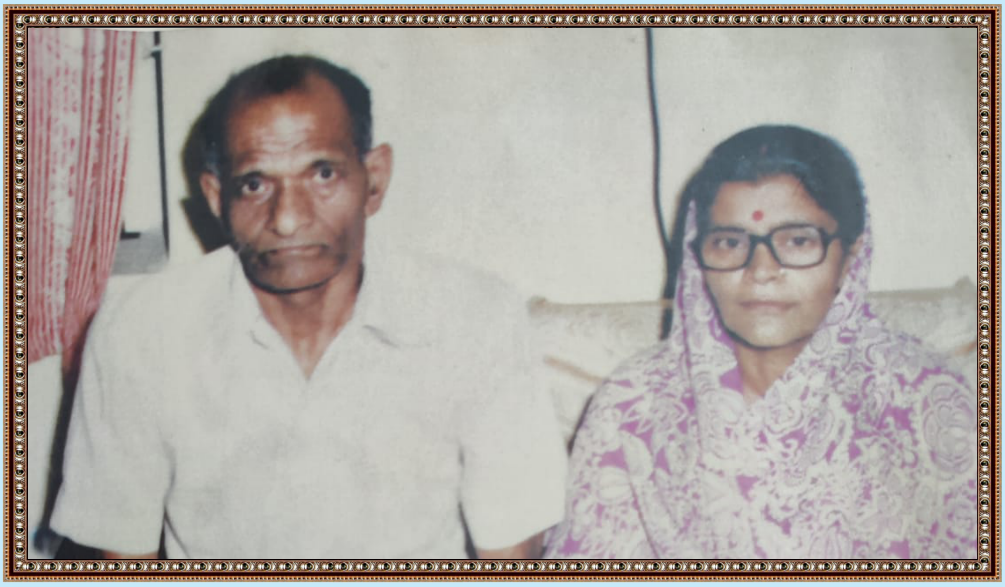

स्व० श्री ओंकार नाथ भार्गव स्व० श्रीमती उमा देवी भार्गव

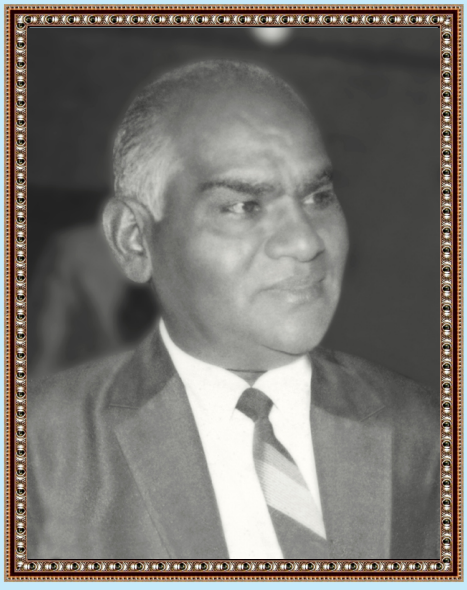

स्व० श्री रमाशंकर भार्गव

स्व० श्रीमती सुशीला भार्गव

श्रीमती नीरा भार्गव - श्री सुरेश भार्गव

180, सिद्धार्थ एनक्लेव, नई दिल्ली - 110014

मो॰ 9811066272, 9811127126

GASKET & MATERIALS PRIVATE LIMITED

Your One-Stop Shop for Industrial Sealing Solutions

We at Gasket & Materials bring over five decades of expertise in automotive and industrial sealing solutions. We serve diverse sectors with high-performance, customized sealing systems built on quality, reliability, and innovation. Our commitment to safety, sustainability, and global standards ensures dependable solutions for every application.

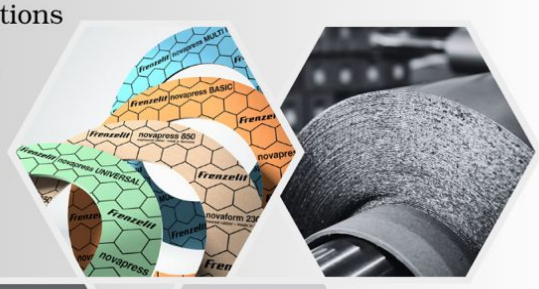

Product Categories

1. **CNAF & CAF Gasket Sheets**
2. **Expanded Graphite Materials**
3. **Expanded Graphite Rings**
4. **PTFE Products**
5. **Gland Packings**
6. **Industrial Gaskets**
7. **Spiral Wound Gaskets**
8. **Rubber Sheets**

WWW.GASKETMATERIALS.IN
INFO@GASKETMATERIALS.IN
+91-9810158418; +91-9910158418
A-55/1 GT KARNAL ROAD INDL. AREA, DELHI - 110033, INDIA

दिल्ली भार्गव सभा (पंजीकृत)

125 वर्ष का सुहाना सफर

संयोजक एवं संपादक

संजीव भार्गव

वी–182/3, अरविन्द नगर, धौण्ड़ा

दिल्ली – 110053 मों. 9136229066

कम्पोजिंग : भृगु प्रिंटर्स

वी–182/3 अरविन्द नगर धौण्ड़ा दिल्ली 110053

मुद्रण : प्रिंट प्रो

59, पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया दिल्ली 110092

दिल्ली भार्गव सभा (पंजीकृत)

कार्यकारिणी समिति 2025 – 27

प्रधान – श्री आनन्द भार्गव
मुख्य सचिव – श्री दीपक भार्गव, रोहिणी
कोषाध्यक्ष – श्री नरेन्द्र भार्गव, मयूर विहार

सरक्षंक

श्री सुरेश भार्गव
श्री देवेन्द्र कुमार भार्गव

उप प्रधान (क्षेत्र अनुसार)

श्रीमती अलका भार्गव
श्री अरविन्द भार्गव
श्री अजय भार्गव
श्री वरुण भार्गव

सचिव (क्षेत्र अनुसार)

श्री नन्द किशोर भार्गव
श्री राजुल भार्गव
श्रीमती गुंजन भार्गव
श्रीमती आरती भार्गव
श्री दीपक भार्गव, पांड़व नगर

पूर्व प्रधान

श्री ओम प्रकाश भार्गव
श्री कमलेश्वर प्रसाद भार्गव
श्री बाल कृष्ण भार्गव
श्री कन्हैया लाल भार्गव
श्री योगेश भार्गव
श्री संजीव भार्गव
श्री राजेश भार्गव
श्रीमती नीरा भार्गव

वार्ड़ कार्यकारिणी सदस्य

1 श्री अमित भार्गव
2 श्री नरेन्द्र भार्गव, सत्संग भवन
3 श्री नितिन भार्गव
4 श्री विपिन भार्गव
5 श्री जितेन्द्र भार्गव, शास्त्री पार्क
7 श्रीमती नीता भार्गव
9 श्री संदीप भार्गव
10 श्री राकेश भार्गव
11 श्री मधुर भार्गव
12 श्रीमती मीना भार्गव
13 श्री राजीव भार्गव, ग्रेटर कैलाश
14 श्री पुरुषोतम दत भार्गव
17 श्री प्रखर भार्गव
18 श्री अनुज भार्गव
19 श्री हेम भार्गव
20 श्री कपिल भार्गव
21 श्री मोहित भार्गव, प्रशान्त विहार
22 श्री संजीव भार्गव, रोहिणी
23 श्री चेतन भार्गव
24 श्री ललित भार्गव
25 डा. सुभाष चन्द्र भार्गव
26 श्री पंकज भार्गव
27 श्री सौरभ भार्गव
28 श्री हीतेन्द्र भार्गव
29 श्री कपिल भार्गव पटपड़गंज
30 श्रीमती गरिमा भार्गव

महिला सभा के प्रतिनिधि

1 श्रीमती संगीता भार्गव
2 श्रीमती ऋचा भार्गव

युवा संध के प्रतिनिधि

1 श्री पारित भार्गव

प्रधान द्वारा मनोनीत सदस्य

1 श्री आशीष भार्गव
2 श्रीमती मनी भार्गव
3 श्री मोहित भार्गव, पुष्पांजली
4 श्री सुधाकर भार्गव

विषय सूची

नाम	पृष्ठ सं.	नाम	पृष्ठ सं.
ईश वंदना	6	श्री बाल कृष्ण	56
संदेश	7–20	श्री सुधीर	57
संयोजक की कलम से	21	श्री विष्णु कुमार	57
प्रधान की लेखनी से	23	श्री कन्हैया लाल	58
दिल्ली भार्गव सभा – एक दर्पण	24	श्री देवेन्द्र	58
अतीत के झरोकों से दिल्ली भार्गव सभा	25–37	श्री शशी भूषण	59
सेठ फूल चन्द	41	श्री सुरेन्द्र नाथ	59
पं. हेम चन्द	42	श्री योगेश	60
श्री राज राजेश्वर नाथ	42	श्रीमती नीरा	61
पं. हरि कृष्ण एडवोकेट	43	श्री संजीव	62
पं. निरंजन लाल	43	श्री राजेश कुमार	63
श्री जयंती प्रसाद	44	श्री आनन्द	64
पं. सुन्दर लाल	44	श्री जगत नारायण	65
पं. दीना नाथ दिनेश	45	मास्टर रामजी लाल	65
श्री भगवती प्रसाद	46	श्री मोती लाल	66
डॉ. पृथ्वी नाथ	46	श्री बिशेश्वर नाथ	66
श्री गोपी नाथ (कमला नगर)	47	श्री नवीन चन्द्र	67
श्री प्रकाश दत्त एडवोकेट	47	श्री कृष्ण कुमार AIR	68
श्री हरि कृष्ण (आइस मशीनरी मार्ट)	48	श्री पुरुषोतम दत्त	68
पं. श्रीराम	48	श्री कृष्ण प्रसाद ''रतन''	69
श्री जितेन्द्र नाथ	49	श्री विनीत	70
श्री मुरारी लाल	49	श्री दीपक (कृष्णा नगर)	70
पं. मनोहर लाल	50	श्री अजय	71
पं. किशोरी लाल	50	श्री दीपक (रोहिणी)	71
श्री राधव नाथ	51	न्यायमूर्ति श्री शंकर प्रसाद	72
श्री रवि शंकर	51	डॉ. सुभाष भार्गव	72
श्री योगेश्वर सहाय	52	श्री विजय नारायण भार्गव	73
श्री सत्य नारायण	52	श्री मनमोहन कुमार भार्गव	73
डॉ. नरेश चन्द्र	53	श्री सुरेश भार्गव	74
श्री ओम प्रकाश (शाहदरा)	53	सेठ फतेह चंद	75
श्री कमलेश्वर प्रसाद	54	श्री बेनी प्रसाद	75
श्री ओम प्रकाश ''ओमी''	55	राय साहब गंगा सरन दास	75

नाम	पृष्ठ सं.
डॉ. मोती लाल	76
श्री रामेश्वर दयाल	76
श्री राधारमन	77
श्री केदार नाथ	77
पं. रोशन लाल	77
श्री नगेंद्र प्रकाश (मिडलैंड)	78
श्री हरिहर नाथ जी	78
प्रो. दयानंद	79
श्री अनिल भार्गव	79
श्री अमरेश्वर सहाय (ग्रेक्योर)	80
श्री उमेश भार्गव (ऑक्सफोर्ड अपार्टमेंट)	80
श्री अशोक भार्गव (एक्स एल)	81
श्री नरेंद्र (मयूर विहार)	81
श्री राकेश भार्गव (कूपर)	82
श्री गोपाल कृष्ण	82
श्री नरेंद्र भार्गव (सत्संग भवन)	83
श्री किशन कुमार (सीताराम बाजार)	84
श्री हरि कांत	84
दिल्ली भार्गव सभा बर्तन भंड़ार	185
भार्गव समाचार दर्शिका	86–87
भार्गव महिला सभा का इतिहास	89–90
श्रीमती द्रौपदी देवी	91
श्रीमती प्रकाशवती	91
श्रीमती बसंती	91
श्रीमती सरला (जोरबाग)	92
श्रीमती प्रेमकुमारी	92
श्रीमती सावित्री	93
श्रीमती राजकुमारी (सहगल कॉलोनी)	93
श्रीमती रत्ना	93
श्रीमती शान्ती	94
श्रीमती सरला (नई सड़क)	94
श्रीमती सरला (दरियागंज)	94
श्रीमती ज्ञानवती	95
श्रीमती अनु	95
श्रीमती कुमुद	95
श्रीमती मिथलेश	96
श्रीमती बीना	96
श्रीमती राजकुमारी (नरवाना)	97
श्रीमती नीलम	97
श्रीमती प्रतिमा	98
श्रीमती नीरा	98
श्रीमती मीरा	98
श्रीमती मीना	99
श्रीमती मनी	99
श्रीमती रश्मि	100
श्रीमती अंजू	100
श्रीमती आरती	101
श्रीमती संगीता	101
भार्गव युवा संध	102
श्री स्वतंत्र कुमार	103
श्री उमेश	103
श्री अरविंद	104
श्री राजीव	104
श्री मोहित	105
श्रीमती रितु	106
श्री दिवाकर	106
श्रीमती ऋचा	107
श्रीमती गरिमा	107
श्री निखिल	108
श्री हितेन्द्र	108
दिल्ली भार्गव सभा समाज कल्याण समिति नियम व निधियाँ, पुरस्कार हेतु निधियाँ, मेड़िकल हेतु निधियाँ	109–114
कार्पस निधियाँ	115–119

ईश वन्दना

प्रभो प्राणेश मलहारी, तुम्हीं आनन्द सागर हो।
प्रकाशक देव सविता, विश्व नाटक नाट्य नागर हो।।
तुम्हारे श्रेष्ठ व्यापक तेज का हो ध्यान नित हमको।
विमलवर बुद्धि दो स्वामी असत सत ज्ञान हित हमको।।

वह शक्ति हमें दो दयानिधे,
कर्त्तव्य मार्ग पर डटे जावें।

पर–सेवा पर–उपकार में हम,
जगजीवन सफल बना जावें।।

हम दीन दुखी निबलों विकलों के,
सेवक बन सन्ताप हरें।

जो हों अटके भूले भटके,
उनको तारें खुद तर जावें।।

छल दम्भ द्वेष पाखंड झूठ,
अन्याय से निसदिन दूर रहें।

जीवन हो शुद्ध सरल अपना,
शचि प्रेम सुधा रस बरसावें।।

निज आन बान मर्यादा का,
प्रभु ध्यान रहें अभिमान रहे।

जिस देश जाति में जन्म लिया,
बलिदान उसी पर हो जावें।।

Perfact

OUR SERVICES

ENVIRONMENT LABORATORY

- Environment Baseline Data
- Air Quality Assesment - Ambient & Stack Emission
- Water Quality Assesment
- Soil Quality Assesment
- Noise Level Assesment
- Indoor Air Quality Assesments
- Work Zone Monitoring Assesments
- Metal Testing
- R&D Assignments
- Trace organics Detection

ENVIRONMENTAL CONSULTANCY

- EIA Report Preparation
- Environmental Clearances from MoEF&CC
- Designing, Operation & Maintenance of Pollution Control Devices (APCS, ETP & STP)
- Environmental Audit
- Consultancy for Compliances of Environmental Laws (CTE / CTO)
- NBWL / Forest / Ground Water Clearances
- Green Building Certification
- Advanced Oxidation Systems Solutions for Waste Water Treatment

MINING SERVICES

- Drone Survey
- Feasibility Studies
- Mining Plan
- Forest Clearance
- Wild Life Clearance and Conservation Plan
- Biodiversity Assessment
- CGWA Clearances
- Hydrogeological studies
- DGMS permissions
- Explosives licenses
- Risk Assessment and Management
- Due diligence

WASTE MANAGEMENT

- Process Development for Efficient Management
- Electrical & Electronics Waste Management
- Plastic Waste Management
- Project Management
- DPR Preparation
- Import / Export of Waste
- Import of Hazardous Substances

Perfact Group

Total Environment Solutions

HO : A-14, Shubham Enclave
Paschim Vihar, New Delhi-110063

+91-11-49281360

www.perfactgroup.com

info@perfactgroup.in

Accreditations

* QCI NABET ACCREDITED EIA CONSULTANTS
* ACCREDITED LABORATORY AS PER ISO/IEC 17025:2017

Other Locations :

Lucknow | Vadodara | Pune | Kolkata | Chennai

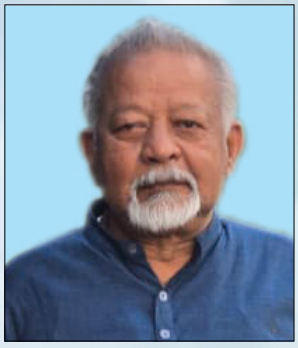

सुरेश कुमार भार्गव

180, सिद्धार्थ एन्कलेव

नई दिल्ली–110 014

मोबाईल : 09811127126

E-mail : kanuestates@hotmail.com

संरक्षक दिल्ली भार्गव सभा
प्रधान (2001–2005)
अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

12 दिसम्बर, 2025

संदेश

यह अत्यंत सौभाग्य की बात है दिल्ली भार्गव सभा अपनी स्थापना का 125 वां वार्षिक उत्सव मनाने जा रही है। बहुत ही कम ऐसी सभा हैं जिनको ऐसा सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इसका मूलतः कारण दिल्ली के भार्गव समाज के कुछ बंधुओं का विशेष योगदान। आज भी वो लोग सभा में निरंतर कार्य कर रहे हैं।

मुझे उम्मीद है जिस शौर्य और नैतिकता के साथ आज तक दिल्ली भार्गव सभा में लोगों ने योगदान दिया उसी तरह योगदान मिलता रहेगा और समाज में एक जुटता लाने का प्रयास रहेगा। सभा को जब कभी भी मेरी आवश्यकता होगी तो मैं हमेशा उनके साथ खड़ा मिलूगा।

आप सभी को 125 वें स्थापना वर्ष एवं नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएँ।

सुरेश कुमार भार्गव

पुण्य स्मृति में.....

स्व० श्री देवी सिंह

स्व० श्री हर भजन

स्व० श्री गंगाधर

स्व० श्री ब्रिज किशोर - स्व० श्रीमति देवकी रानी

श्री नन्दु किशोर - श्रीमति सुषमा

श्री गौरव - श्रीमति नीलम

कु हिमांगी -मा आर्यन

40, सी ब्लाक, गली नं० 1, मुकुन्दु विहार, करावल नगर, दिल्ली - 110 090

मो० 96502 91286

In Loving Memory of

Dr. Pradeep Kumar Bhargava

Smt. Anju Bhargava

C-101, Anupam Apartments, Delhi-110032

Mob. : 9810035992, 9810759448

कमलेश्वर प्रसाद भार्गव
ए –181, मीरा बाग, पश्चिम विहार
दिल्ली–110 087
मोबाईल : 09871003806
E-mail : kp_bhargava@perfactgroup.in

प्रधान (1994–95 एवं 99–01)
दिल्ली भार्गव सभा (रजि.)

15 दिसम्बर, 2025

संदेश

मेरे प्यारे संजीव,

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि दिल्ली भार्गव सभा ने अपने गौरवशाली अतीत के 125 साल पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली पुस्तिका '125 वर्ष का सुहाना सफर' के लिए मेरी शुभकामनाएं।

दिल्ली भार्गव सभा अखिल भारतीय भार्गव सभा के सबसे महत्वपूर्ण घटकों में से एक रहा है। सभा के सदस्यों ने बहुत सा धन और बिल्डिंग दान की है। सबसे महत्वपूर्ण दान में से एक स्वर्गीय श्रीराम भार्गव जी ने 174 जोर बाग, नई दिल्ली द्वारा दिया गया था, जिससे सालाना 1.50 करोड़ से अधिक की आय हो रही है।

दिल्ली ने अखिल भारतीय भार्गव सम्मेलन के लिये अनेक अध्यक्ष दिए। सम्मेलन भार्गवों की साधारण सभा थी जो भार्गवों के सामाजिक समस्याओं को सुधार सकती थी। प्रीवी काउन्सिल का यह निर्णय था कि भार्गव सभा केवल अपने सदस्यों पर ही अपने निर्णय लागू कर सकती है। सभी भार्गव और उसके सदस्य समुदाय के लिए गौरव ला रहे हैं। सभी को आशीर्वाद के साथ।

कमलेश्वर प्रसाद भार्गव

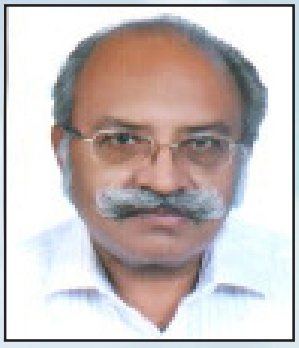

ओम प्रकाश भार्गव "ओमी"

फलैट नं. 202, 19, राजपुर रोड
सिविल लाइन्स, दिल्ली–110054
मोबाईल : 09350163975
E-mail : asco.ho@ascoindia.org

प्रधान (1995–96)
दिल्ली भार्गव सभा (रजि.)
प्रधान (2017–2019)
अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

15 दिसम्बर, 2025

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त खुशी हुई कि दिल्ली भार्गव सभा अपनी स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण कर रही है। 125 वर्ष निर्विरोध पूर्ण करना सभी सभाओं के लिए अपने आप में एक मिसाल है।

'125 वर्ष का सुहाना सफर' पुस्तिका के सफल प्रकाशन के लिये हार्दिक बधाई देता हूँ और स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों की पूर्ण सफलता की कामना करता हूँ।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि सभा आगे भी उन्नति के पथ पर अग्रसर होती रहेगी। नव वर्ष 2026 की शुभकामनाओं के साथ....

ओम प्रकाश भार्गव 'ओमी'

बाल कृष्ण भार्गव

193–डी.,डी.डी.ए.फ्ल्टेस, (एम. आई.जी.)
राजौरी गार्डन, दिल्ली
मो. 9891910968

प्रधान (1996–1997)
दिल्ली भार्गव सभा (रजि.)

12 दिसम्बर, 2025

संदेश

किसी भी सभा के लिए निर्विरोध निरंतर 125 वर्ष पूर्ण होना अत्यंत हर्ष व गौरव की बात होती है। यह आपस में भाईचारा, स्नेह व विश्वास का द्योतक है व सभा के पूर्व शुभ–चिन्तकों के बोए बीजों का फल है।

यह हर्ष का विषय है कि दिल्ली भार्गव सभा अपनी स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 4 जनवरी, 2026 को आर्य आडिटोरियम, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली में एक वृहत समारोह का आयोजन कर रही है। इस अवसर पर '125 वर्ष का सुहाना सफर' नामक पुस्तिका के प्रकाशन व समारोह की सफलता के लिए हमारी शुभकामनाएं व प्रभु से प्रार्थना ।

नव वर्ष 2026 की शुभकामनाओं सहित।

बाल कृष्ण भार्गव

सुधीर भार्गव

223, प्रेस्टिज सिल्वर क्रेस्ट,
कादुबीसनहल्ली,
करियम्मना अग्रहर रोड,
बेंगलुरु– 560 103
मोबाईल : 09910791398

प्रधान (1997–98)
दिल्ली भार्गव सभा (रजि.)

12 दिसम्बर, 2025

संदेश

दिल्ली भार्गव सभा के 125 वर्षो का सुहाना सफर पूरा करने पर समस्त भार्गव परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं।

दिल्ली भार्गव सभा के संस्थापक सदस्य, भूतपूर्व कार्यकारिणी और वर्तमान कार्यकारिणी सदस्यों की लगन, समर्पण और कड़ी मेहनत का नतीजा है कि हमारी सभा ने सफलता पूर्वक 125 वर्ष पूर्ण किए हैं और हमारी सभा को समाज में एक विशिष्ट स्थान दिलाया है। 125 वर्ष सिर्फ एक संख्या नहीं है बल्कि पीढ़ियों के समर्पण, ज्ञान और सेवा का प्रमाण है।

हमारी सभा के कार्यकारिणी सदस्यों ने भार्गव समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए जो कार्य किए हैं वो वास्तव में सराहनीय और प्रेरणा स्त्रोत हैं। हमारी सभा द्वारा हर वर्ष हमारे समाज के मेहनती छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाती है, विधवा फंड, मेडिकल सुविधाएं तथा आर्थिक मदद देकर समाज ने न केवल अपने लक्ष्यों को प्राप्त किया है बल्कि एक मजबूत और समर्पित समुदाय भी बनाया है।

आने वाले वर्षों में भी हमारी सभा प्रगति के पथ पर चलती रहे यही कामना है।

सुधीर भार्गव

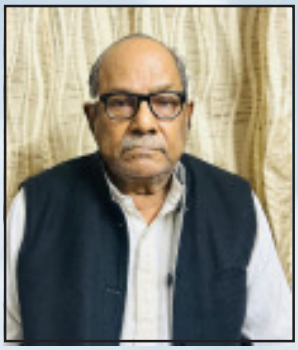

कन्हैया लाल भार्गव
सी –103, भगु अपार्टमेंट
द्वारका दिल्ली–110 075
मोबाईल : 09350163975

प्रधान (2001–03)
दिल्ली भार्गव सभा (रजि.)

12 दिसम्बर, 2025

संदेश

प्रिय संजीव

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि दिल्ली भार्गव सभा अपनी स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण कर रही है। किसी भी संस्था के लिए सौहार्द्रपूर्ण 125 वर्ष पूरे करना अपने आप में हर्ष की बात है।

इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली पुस्तिका '125 वर्ष का सुहाना सफर' के लिए मेरी शुभकामनाएं।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि सभा आगे भी उन्नति के पथ पर अग्रसर होती रहेगी। 125 वर्ष समारोह की सफलता की शुभकामनाओं के साथ....

कन्हैया लाल भार्गव

प्रधान (2003–07)
दिल्ली भार्गव सभा (रजि.)

देवेन्द्र कुमार भार्गव
73, चावड़ी बाजार
दिल्ली–110 006
मोबाईल : 09871222158

12 दिसम्बर, 2025

संदेश

प्रिय संजीव

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि दिल्ली भार्गव सभा अपनी स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण कर रही है। किसी भी संस्था के लिए 125 वर्ष पूरे करना अपने आप में यह दर्शाता है कि उस संस्था के कार्यकर्ता कितने समर्पित हैं।

इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली पुस्तिका '125 वर्ष का सुहाना सफर' जिसमें 125 वर्ष की सभा की झलक है, के लिए मेरी शुभकामनाएं।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि सभा आगे भी उन्नति के पथ पर अग्रसर होती रहेगी। 125 वर्ष समारोह की सफलता की शुभकामनाओं के साथ....

देवेन्द्र कुमार भार्गव

योगेश भार्गव

वी –182/3, अरविन्द नगर
धौण्ड़ा दिल्ली–110 053
मोबाईल : 09312243182
E-mail : bhargavasamachar@gmail.com

प्रधान (2009–2013)
दिल्ली भार्गव सभा (रजि.)

12 दिसम्बर, 2025

संदेश

प्रिय संजीव

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि दिल्ली भार्गव सभा अपनी स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण कर रही है। किसी भी संस्था के लिए सौहार्द्रपूर्ण 125 वर्ष पूरे करना अपने आप में एक चुनौती है।

इस अवसर पर दिल्ली भार्गव सभा '125 वर्ष का सुहाना सफर' नामक पुस्तिका का प्रकाशन कर रही है जिसमें सभा के 125 वर्ष का इतिहास एवं अन्य सामग्री है। इस पुस्तिका के प्रकाशन के लिए मेरी शुभ कामनाए।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि सभा आगे भी उन्नति के पथ पर अग्रसर होती रहेगी। 125 वर्ष समारोह की सफलता की शुभकामनाओं के साथ....

योगेश भार्गव

नीरा भार्गव

180, सिद्धार्थ एन्कलेव
नई दिल्ली–110 014
मोबाईल : 09811066272
E-mail : neerab24@gmail.com

प्रधान (2013–15 एवं 23–25)
दिल्ली भार्गव सभा (रजि.)

15 दिसम्बर, 2025

संदेश

नमस्ते आप सभी को!

दिल्ली भार्गव सभा के 125वें वर्ष के इस भव्य और ऐतिहासिक अवसर पर, मैं आप सभी को ढेरों बधाई और शुभकामनाएँ देती हूँ। यह हम सभी के लिए बेहद खुशी और जश्न का मौका है।

ऐसी गौरवशाली संस्था के साथ जुड़ा होना मेरे लिए गर्व की बात है। हमारी यह एकजुटता और प्रेम ही हमारी असली ताकत है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि हम इसी तरह उत्साह के साथ आने वाले कई ओर शानदार पड़ाव और मील के पत्थर साथ मिलकर पार करें

बहुत–बहुत बधाई!

नीरा भार्गव

संजीव भार्गव
वी –182/3, अरविन्द नगर
धौण्ड़ा दिल्ली–110 053
मोबाईल : 09136229066
E-mail : sanjevbhargav@gmail.com

प्रधान (2015–19)
दिल्ली भार्गव सभा (रजि.)

12 दिसम्बर, 2025

संदेश

किसी भी संस्था के लिए सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में 125 वर्ष पूरे करना अत्यंत हर्ष का विषय है। 1900 में आपस में प्रेम व भाईचारा बढ़ाने के उद्देश्य से एक नन्हें से पौधे के रूप में ''दिल्ली भार्गव व हितकारिणी सभा'' का गठन किया, जिसका नाम 1943 में दिल्ली भार्गव सभा हुआ, अपनी स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण कर रही है। दिल्ली भार्गव सभा ने 125 वर्षों के अन्दर उन्नति के पथ पर अग्रसर होते हुए समाज की कुरीतियों को दूर करने में अपनी सहभागिता दी है।

इस अवसर वर प्रकाशित '125 वर्ष का सुहाना सफर' नामक पुस्तिका में सभा के 125 वर्ष की पूरी झलक का प्रकाशन निसंदेह समाज के लोगों के लिए लाभप्रद होगा।

125 वर्ष के अवसर पर सभा द्वारा आयोजित समारोह की सफलता एवं नव वर्ष 2026 की शुभकामनाओं के साथ....

संजीव भार्गव

राजेश कुमार भार्गव
ई –162, प्रशान्त विहार
दिल्ली–110085
मोबाईल : 09810130726
E-mail : rkbhargavadelhi@hotmail.com

प्रधान (2019–23)
दिल्ली भार्गव सभा (रजि.)

12 दिसम्बर, 2025

संदेश

प्रिय संजीव

आपके निमत्रण पत्र द्वारा ज्ञात हुआ कि दिल्ली भार्गव सभा 4 जनवरी 2026 को संस्था के 125 वर्ष पूरे होने पर भव्य कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। इस विशेष उपलब्धि के लिए बधाई। यह संस्था सिर्फ संगठन नहीं बल्कि विरासत है जो हर किसी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली पुस्तिका के लिए मेरी शुभकामनाएं।

125 वर्ष का यह सुहाना सफर अनगिनत व्यक्तियों की मेहनत सपनों और संकल्प का परिणाम है। इस कार्यक्रम में शामिल होना मेरे लिए गौरव का क्षण होगा। भविष्य में ओर भी अधिक उपलब्धियां और सफलताओं के लिए शुभकामनाओं के साथ

राजेश कुमार भार्गव

अनिल भार्गव

निवास : म.न. 1855, सैक्टर–4
जिमिखाना रोड, रेवाड़ी–123401
मोबाइल : 09812061008
Email : everestmetals123@rediffmail-com

प्रधान (2025–2027)
अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

12 दिसम्बर, 2025

संदेश

दिल्ली भार्गव सभा के 125वें स्थापना वर्ष के इस ऐतिहासिक और गरिमामय अवसर पर मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ। एक सवा सदी की यह यात्रा समाज की एकता, संगठन और त्याग की अद्‌भुत मिसाल है।

इस विशेष अवसर पर प्रकाशित हो रही स्मारिका समाज की प्रेरणादायी परंपराओं, मूल्यों और सामूहिक शक्ति का प्रतीक है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह स्मारिका आने वाली पीढ़ियों को मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान करेगी।

ईश्वर से प्रार्थना है कि दिल्ली भार्गव समाज निरंतर प्रगति करता रहे, और हमारा समाज सदा संगठित, सशक्त और समृद्ध बना रहे।

आप सभी को 125 वें स्थापना वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।

अनिल भार्गव

संजय कुमार भार्गव

डी–90, विनोभा मार्ग, अजमेर रोड,
निर्माण नगर, जयपुर–302019
मोबाइल : 09983899905, 09414076842
Email : sanjay.acpl@gmail.com

प्रधान (2025–2027)
अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि दिल्ली भार्गव सभा इस वर्ष 2025 में अपनी स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। निश्चय ही यह दिल्ली भार्गव सभा की वर्तमान कार्यकारिणी समिति एवं दिल्ली के समस्त भार्गव परिवारों और हम सभी के लिए गौरव का अवसर है, मैं दिल्ली भार्गव सभा एवं समाज की उत्तरोत्तर प्रगति की कामना करता हूँ। मुझे उम्मीद है कि इस अवसर पर दिनांक 4–1–2026 को आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रम निर्धारित उद्देश्यों की पूर्ति में सफल होंगे और दिल्ली भार्गव सभा के युवा एवं उत्साही पदाधिकारी तथा कार्यकारिणी सदस्यगण स्थापना दिवस के अवसर पर प्रकाशित हो रही '125 वर्ष का सुहाना सफर' पुस्तिका को सामाजिक सूचना एवं संचार की उपयोगिता और उपयोग के साथ सरल, गुणवत्तापूर्ण एवं अद्यतन सामग्री के साथ प्रकाशित करेंगे।

'125 वर्ष का सुहाना सफर' पुस्तिका के सफल प्रकाशन के लिये प्रकाशन समिति के पदाधिकारियों एवं अन्य सहयोगियों को हार्दिक बधाई देता हूँ और स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों की पूर्ण सफलता की कामना करता हूँ।

आप सभी को मेरी ओर से नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएँ।

संजय कुमार भार्गव

मुख्य संयोजक की कलम से

आइए हम अतीत की ओर झांके। आज से 125 वर्ष पूर्व समाज की महान विभूतियां सर्व श्री राम शरण दास जी, राम गोपाल जी, राय साहब गंगा शरण दास जी, प. बेनी प्रसाद जी, हेम चंद जी, फूल चंद जी, फतेह चंद जी इत्यादि ने भविष्य को ध्यान में रखते हुए आपस में प्रेम और भाईचारा बढ़ाने के उद्देश्य से नन्हे से पौधे के रूप में 'दिल्ली भार्गव व हितकारिणी सभा' का गठन किया। कुछ हमारे महानुभाव के बारे में कोई प्रामाणिक जानकारी नहीं मिल पाई कि वे कब सभा के प्रधान या सचिव बने। उस समय दिल्ली में भार्गव बंधु अधिकतर केवल पुरानी दिल्ली में ही बसा करते थे। समय आगे बढ़ता गया और 1943 में अखिल भारतीय भार्गव सभा द्वारा सभी सभाओं में एकरूपता लाने के लिए सभा का नाम स्थानीय भार्गव सभा और कालान्तर में दिल्ली भार्गव सभा रखा गया। उसके बाद आज तक सभा ने कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा और सदैव उन्नति की ओर अग्रसर है।

आज आपके सम्मुख दिल्ली भार्गव सभा के '125 वर्ष का सुहाना सफर' नामक पुस्तिका का प्रकाशन करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है। इस पुस्तिका में हम 1900 से सभी प्रधान और सचिव का विवरण देना चाहते थे परन्तु काफी प्रयास के बाद भी हम केवल 1943 से पूर्व की जानकारी प्राप्त कर नहीं कर पाए। इसमें हमारा प्रयास रहा कि वर्तमान में उनके परिवार का कौन व्यक्ति है उसका मोबाइल नंबर को देने का प्रयास किया। हमने महिला सभा और युवा संघ के गठन तथा उनके प्रधान के बारे में भी इस पुस्तिका में प्रकाशित किया है। सभा में स्थापित विभिन्न कार्पस निधियों, पुरस्कार की निधियों, कल्याण निधि, बर्तन भंडार, समाचार दर्शिका का भी समावेश किया गया है। इस पुस्तिका को सभा के 125 वर्ष का दर्पण कहें तो भी यह अतिश्योक्ति नहीं कहा जा सकता है।

मैं दिल्ली भार्गव सभा का 28 वर्ष प्रधान सचिव एवं प्रधान तथा अखिल भारतीय भार्गव सभा का कार्यकारिणी सदस्य व 6 वर्ष सचिव रहते हुए सभी पूर्व प्रधान के सानिध्य में उनसे मार्गदर्शन लेता रहा, जिसके लिए उनको नमन। आज सभा 126 वें वर्ष में प्रवेश करने जा रही है जो हर्ष और गौरव की बात है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार समाज की उन महान विभूतियों को नमन करते हुए उनकी स्मृति को सदैव के लिए ताजा रखने के उद्देश्य से प्रकाशित यह पुस्तिका आपके हाथों में प्रस्तुत है। यदि इसमें कोई अधूरापन या कोई त्रुटि रह गई तो उसके लिए मै स्वयं क्षमा प्राथी हुं।

Air Ticket Booking

Passport Visa Assistance

Hotel Booking

Holiday Package

Group Package

Honeymoon Package

Travel with peace!

Ankit Bhargava
Founder & CEO
Mobile: 9810554904
New Delhi

Travelling Divas
Handles
all your Corporate
and Leisure Tourism
needs seamlessly!

Manjari Bhargava
Director - Sales
Mobile: 8383029044
New Delhi

Train Ticket Booking

Car Coach Rentals

Travel Ins. Policy

Travelling Divas

RZD-3/78, Street No-8, Mahaveer Enclave, New Delhi, (India) - 110045
9810554904, 8076873576 ☎ 011- 43108274
ankit@travellingdivasindia.com
ankitbhargava1@gmail.com
www.travellingdivasindia.com

प्रधान की लेखनी से

नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ, सर्वप्रथम मैं दिल्ली के समस्त भार्गव बंधुओं का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने मुझे दिल्ली भार्गव सभा का प्रधान चुना और सेवा का यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा। यह हम सभी के लिए अत्यंत गर्व और सौभाग्य का विषय है कि इस वर्ष दिल्ली भार्गव सभा अपनी स्थापना के 125 गौरवशाली वर्ष पूर्ण कर रही है।

दिल्ली भार्गव सभा की स्थापना आज से 125 वर्ष पूर्व की गई थी। उपलब्ध प्रमाणिक अभिलेखों के अनुसार वर्ष 1943 में सभा के प्रधान सेठ फूल चंद जी एवं सचिव श्री जगत नारायण जी थे। इससे पूर्व की विस्तृत प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है। इसके बाद अनेक समर्पित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने प्रधान पद को सुशोभित किया और उनके सतत् प्रयासों, दूरदर्शी नेतृत्व तथा सामूहिक सहयोग से सभा निरंतर प्रगति करती रही। समय के साथ विचारधाराएँ और सामाजिक आवश्यकताएँ परिवर्तित होती रहीं तथा उसी अनुरूप सभा के कार्यक्रमों में भी सकारात्मक परिवर्तन होते रहे।

सभा के 125 वर्ष पूर्ण होने के इस ऐतिहासिक अवसर पर "125 वर्ष का सुहाना सफर" नामक यह स्मारिका प्रकाशित की जा रही है, जिसमें सभा की गौरवशाली यात्रा, उसके इतिहास तथा अब तक के प्रधानों एवं सचिवों का संक्षिप्त विवरण संकलित किया गया है। यह स्मारिका न केवल अतीत की उपलब्धियों का दस्तावेज है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनेगी।

इस भव्य आयोजन एवं स्मारिका के प्रकाशन हेतु मैं अपनी संपूर्ण कार्यकारिणी, आयोजन समिति, महिला सभा दिल्ली तथा दिल्ली भार्गव युवा संघ का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। विशेष रूप से मैं मुख्य संयोजक श्री संजीव जी एवं श्रीमती नीरा जी, मुख्य वित्त संयोजक देवेन्द्र जी, कमलेश्वर प्रसाद जी और राजेश जी के सहयोग के लिए कृतज्ञ हूँ। साथ ही सभी विज्ञापनदाताओं एवं दानदाताओं का धन्यवाद करता हूँ, जिनके सहयोग से यह स्मारिका एवं आयोजन साकार हो पाया है।

अंत में, मैं कामना करता हूँ कि दिल्ली भार्गव सभा इसी प्रकार एकता, सेवा और संस्कारों के पथ पर अग्रसर रहती हुई समाज के उत्थान में निरंतर योगदान देती रहे।

दिल्ली भार्गव सभा – एक दर्पण

दिल्ली भार्गव सभा की स्थापना की 125वी वर्षगांठ पर सभी को हार्दिक बधाई। यह एक ऐसा मील का पत्थर है जो सभा की दृढ़ता एवं उत्कृष्टता को दर्शाता है। दिल्ली भार्गव सभा का गठन समाज में परस्पर सहयोग, प्रेम, स्नेह, सौहार्द की भावना को बढ़ाने, कमजोर व निराश्रित परिवारों की सहायता करने व समर्थ बनाने हेतु किया गया।

इस वर्ष सभा की स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सभा द्वारा शतरंज, क्रिकेट व बैडमिंटन प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताए हम हर वर्ष करने का प्रयास करेंगे। इस वर्ष अखिल भारतीय भार्गव सभा द्वारा सभा की उपलब्धियों पर द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया है।

वर्तमान में सभा द्वारा वरिष्ठ सदस्यों जिन्होंने अपने जीवन के 70 वर्ष पूर्ण किए हैं तथा उन युगलों का सम्मान किया जाता है जिन्होंने अपने वैवाहिक जीवन के 45 वर्ष पूर्ण किए हैं। इस वर्ष से विशेष रूप से उन सदस्यों का भी सम्मान किया जा रहा है जिन्होंने 90 वर्ष की आयु प्राप्त की है तथा उन युगलों का भी जिनके विवाह के 60 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। ऐसे वरिष्ठजनों का आशीर्वाद प्राप्त करना हम सभी के लिए परम सौभाग्य की बात है। इसके अतिरिक्त सभा द्वारा मेधावी छात्रों का सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नव–विवाहित दंपतियों का अभिनंदन तथा विविध सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ निरंतर आयोजित की जाती रही हैं।

दिल्ली भार्गव सभा ने 125 वर्षों से समाज में न केवल अपनी पहचान बढ़ाई है अपितु अपने उद्देश्यों को लेकर निरंतर आगे बढ़ती जा रही है जिसका श्रेय सभा के पूर्व प्रधानों व कर्मठ कार्यकर्ताओं, निस्वार्थ समाज सुधारकों ,दानवीरों व विज्ञापन दाताओं को जाता है जो आदर, सम्मान व धन्यवाद के पात्र हैं।

स्व श्री नवीन चन्द्र जी की देन भार्गव समाचार दर्शिका का प्रकाशन किया जाता है जिसके माध्यम से समाज की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त होती रहती है इसके लिए सम्पादक मंड़ल को धन्यवाद। समाज की महान विभूतियां जिनके अथक प्रयासों व निष्काम सेवाओं ने सभा को ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, उनको मैं नमन करता हूं।

– दीपक भार्गव, मुख्य सचिव

॥ श्रद्धांजली ॥

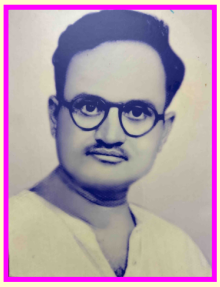

स्व० श्री धनपत राय भार्गव
1917 - 1985

स्व० श्रीमती सोम रानी भार्गव
1925 - 2003

की पुण्य स्मृति में

पुत्र	-	पुत्रवधु
सुभाष	-	उर्मिल
सुधीर	-	अनिता
राजेन्द्र	-	सपना
दीपक	-	आरती

पौत्री	-	दामाद
अनुभा	-	गिरीश (सिंगापुर)
अनामिका	-	राजीव (इलाहाबाद)
वर्णिका	-	अनिल (यू.एस.)
गरिमा	-	अमन (इलाहाबाद)
अपूर्वा	-	विदित (कनाडा)
पलक	-	ध्रुव (पुणे)
महक	-	साहिल (मुंबई)

पुत्री	-	दामाद
साधना	-	विजय नाथ
सुधा	-	स्व. भरत
पूनम	-	प्रेम प्रकाश

पौत्र	-	पौत्रवधु
विकास	-	श्वेता
रजत	-	सारिका
सौरभ	-	स्वाति
गौरव	-	आस्था
वैभव	-	स्वाति
प्रलभ	-	अदिति
अंकित	-	नेहा
यश		

पड दुहिता : अनिशा, सान्या, स्तुति, केया, काएरा, जिया, आर्या, आरना, सिया, मीरा

पड दुहित : ध्रुव, अर्णव, आर्यन, सुहास, कविन, मृदुल, दक्ष, मिवान, जय, निहित

सुभाष : 9810530906 • **सुधीर** : 9910791398

राजेन्द्र : 9818348862 • **दीपक** : 9899895534

चतुर्भुज एण्ड संस, लाहौर (चश्मे वाले)

MARKON

ELECTRONICS CORPORATION PVT. LTD.

Smart Tracking for Safer & Smarter Mobility

Markon Electronics Corporation Pvt. Ltd. is a trusted Indian technology company specializing in AIS-140 Certified Devices | Vehicle Tracking Solutions, and IoT-based telematics systems. We support transporters, fleet operators, mining companies, and government sectors across India with the experts.

Our Services & Solutions

- ✓ AIS-140 Certified Vehicle Tracking Devices
- ✓ Telematics GPS Tracking Solutions
- ✓ Real-Time Monitoring with Live Video
- ✓ Emergency Panic Button Integration
- ✓ Central & State Transport Server Compatibility
- ✓ Comprehensive Fleet Management & Reporting Solutions

Why Choose Markon?

- ✓ Proven Industry Leader
- ✓ Compliance-Driven Technology
- ✓ Competitive Pricing with High Reliability
- ✓ Strong After-Sales & Technical Support
- ✓ Trusted Across Transport & Mining Sectors

Key Benefits

- Real-Time Tracking
- Live Video Surveillance
- Scalable & Rugged Devices
- Nationwide Technical Support

About Markon Electronics

Markon started in 1999; delivering ranked: AIS-140 certified solutions & state-of-the-art telematics devices. We support transporters, fleet operators, a mining companies & safer & smarter India with MoRTH & State Transport Server-approved solutions. Our nationwide.

U-1, Green Park Extension, New Delhi - 110016 | +98101 22231

SCAN FOR MORE INFO

Tracking Trust. Delivering Reliability.

With Best Compliments From

PREMIER PAPER PACKAGING PVT. LTD.

One Step Solution For All Your Printing Needs.

DIRECTORS

Sanjeev Bhargava Anuranjan Bhargava

Manufacture and Supply of Paper Board Packaging (Printed Blister Cards, Mono Carton, Liner Carton, Leaflets, Manuals And Corrugated Boxes) And Designing

Our Vision

The company takes pride in understanding its customer exact requirements for blister card design, printing products by understanding their production process and design needs in order to supply. The right product for the right application to support their overall productivity as per application and perfection in quality with time bound delivery in a cost effective manner. We believe in doing team work to convert a Customer into a happy customer.

PREMIER PAPER PACKAGING PVT. LTD. has been in the printing field for over 26 years, and we have earned the loyalty of some of the top Corporate houses in India with our Quality, Timeliness & Customer-Service. We see our selves as a part of our customer's team and add value in various capacities.

The scope of activities covered by this certificate defined below

I-42,43, Kasna Village, Surajpur Industrial Area Site-V, Greater Noida (U.P.)
Pin Code : 201306 Mob: +91 9910097768, 8588867496, 9891917769
E-mail : sanjeevpremier@gmail.com Website : www.premierpaperpackaging.com

In memory of

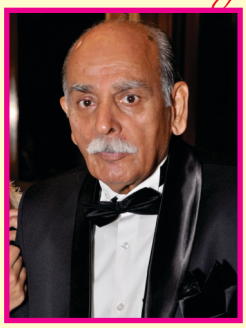

Swatantra kr Bhargava
01-01-1934 to 05-01-2016

Vikram Bhargava MD
Fulltime Construction Pvt Ltd
S-6/9 DLF City 3, Gurgaon-122002,Haryana

Bhargava Constructions

Engineers & Contractors

Regd Office:-
32/60, Loha Mandi, Khati Para, Kana Patel, Agra-282002
Works :-
G180, UPSIDC Industrial Area, Phase 1,
Road No 04,Masuri Gulaothi Road, Ghaziabad-201015

Major Clients
Bharat Petroleum Corporation Ltd, Indian Oil Corporation Ltd, GAIL

Deals in:
Laying Petroleum Products Pipeline, Storage Vessels,
Fire Fighting Systems, Fabrication at Site and work shop

Contact
Vikas Bhargava - 9313611441

अतीत के झरोकों से – दिल्ली भार्गव सभा

हम सब महर्षि भृगु की संतान कहलाने में गर्व अनुभव करते हैं। भगवान परशुराम हमारी जाति के ज्योति स्तंभ हैं। वीर विक्रमादित्य सम्राट हेमचन्द्र ढूसर (भार्गव) ''हेमू'' हमारी जाति के लिए गौरव ही नहीं अपितु सम्पूर्ण भारत की आन हैं। भक्त प्रवर संत चरणदास का जन्म हमारे ही समाज में हुआ। अतः ऐसे महान व्यक्तित्व वाले समाज में हमें भार्गव शब्द से गौरव की अनुभूति होती है।

देश व समाज में कुछ ऐसी भी विभूतियाँ होती हैं जिनके सतत् प्रयासों एवं सेवाओं से समाज लाभान्वित होता है। आज से 125 वर्ष पूर्व ऐसी ही महान विभूतियों ने भविष्य का ध्यान रखते हुए आपस में प्रेम व भाईचारा बढ़ाने के उद्देश्य से एक नन्हें से पौधे के रूप में ''दिल्ली भार्गव व हितकारिणी सभा'' का गठन किया, जो आज वटवृक्ष की भाँति हमारे समाज की कल्याणकारी छतरी के रूप में स्थित है। उस समय दिल्ली बहुत सिकुड़ी थी और भार्गव परिवार दरियागंज व चाँदनी चौक के आस–पास ही बसे हुए थे। जैसा कि सभा के नाम से पता चलता है कि इसका मुख्य उद्देश्य भार्गव बन्धुओं की भलाई के लिए काम करना व उसके सुख दुःख में भागी होना रहा। दिल्ली भार्गव बन्धुओं ने कन्धे से कंधा मिलाकर काफी सहयोग दिया। वे समाज में घुसे हुए असामाजिक तत्वों को दूर रखने व सामाजिक समस्याओं को सुलझाने हेतु सदैव प्रयत्नशील रहे।

समाज का इतिहास

पं. रोशन लाल, डॉ. पृथ्वी नाथ, पं. हरिकृष्ण (वकील), पं. हरिकृष्ण (आईस मशीनरी मार्ट), सेठ फूल चन्द, सेठ फतेह चन्द, श्री हरिहरनाथ (हल्लूजी), श्री सुन्दर लाल, पं. दीनानाथ दिनेश, श्री गोपीनाथ, श्री विशेश्वर नाथ, श्री भगवती प्रसाद, राय साहब गंगासरन, पं. राम गोपाल, पं. जयनारायण, पं. हेमचन्द्र, मास्टर रामजीलाल, पं. जयन्ती प्रसाद, श्री मोहन लाल, श्री मनोहर लाल, श्री नवीन जी विशेष उत्साह व लग्न से कार्य करते थे।

1941 के बाद स्व. पं. हेम चन्द्र जी भार्गव ने सत्संग भवन, दरियागंज में बैठकें व विवाह आदि के लिए स्थान उपलब्ध कराने में सहयोग दिया। सर्वश्री विष्णु नारायण जी, रामनाथ जी, दयाकिशन जी, त्रिलोकी नाथ जी और ईश्वर दयाल जी के परिश्रम से अनेक वर्षों तक लायब्रेरी का काम सुचारू रूप से सत्संग भवन में चलता रहा। इसी समय भार्गव स्पोर्ट्स क्लब का भी गठन किया गया, जो हॉकी के लिये खिलाड़ियों को तैयार करती थी। उस समय दिल्ली के मुख्य चार कालेजों के कप्तान हमारे भार्गव युवा ही थे जो समाज के लिये गौरव की बात थी।

कालान्तर में हमारी सभा का नाम भी दिल्ली भार्गव हितकारिणी सभा से बदल कर भार्गव यंग मैन ऐसोसिएशन रखा गया। यह ऐसोसिएशन अनेकों वर्षों तक भार्गव बन्धुओं की सेवा

करती रही। समय करवट बदलता रहा और वर्ष 1943 के बाद अखिल भारतीय भार्गव सभा के निर्देशानुसार सभा का नाम ''**स्थानीय भार्गव सभा**'' व बाद में ''**दिल्ली भार्गव सभा**'' रखा गया। जिसके प्रथम प्रधान पं. हरिकिशन जी (वकील), मंत्री मास्टर रामजी लाल जी (कूँचा दक्खिनी राय) व कोषाध्यक्ष श्री किशोरी लाल जी बनाये गये। उपलब्ध जानकारी एवं अभिलेखों के आधार पर सभा के अभी तक निम्न महानुभाव प्रधान व महामंत्री/मुख्य सचिव रह चुके हैं:–

वर्ष	प्रधान	महामंत्री
1943–44	सेठ फूल चन्द	श्री जगत नारायण
1944–45,	प. हेम चन्द	श्री राम जी लाल
1945–46	श्री राज राजेश्वर नाथ	श्री जगत नारायण
1946–47,	प. हरी किशन एडवोकेट	श्री बाल कृष्ण दरियागंज
1947–48	सेठ फूल चन्द	श्री बाल कृष्ण दरियागंज
1948–49	प. निरंजन लाल	श्री जयन्ती प्रसाद
1949–51	प. हेम चन्द	श्री जयन्ती प्रसाद
1951–52	श्री जयंती प्रसाद	प. सुन्दर लाल
1952–53	प. सुन्दर लाल	श्री राम जी लाल
1953–54	प. दीना नाथ दिनेश	श्री राधा कृष्ण
1954–58	प. हरी किशन एडवोकेट	श्री मनोहर लाल
1958–59	प. हरी किशन एडवोकेट	श्री मोती लाल
1959–60	श्री भगवती प्रसाद	श्री मोती लाल
1960–61	प. हरी किशन एडवोकेट	श्री मोती लाल
1961–62	डा. पृथ्वी नाथ	पं. हरिकृष्ण (आईस मशीनरी मार्ट)
1962–63	श्री भगवती प्रसाद चरखे वालान	पं. हरिकृष्ण (आईस मशीनरी मार्ट)
1963–65	श्री गोपी नाथ कमला नगर	पं. हरिकृष्ण (आईस मशीनरी मार्ट)
1965–66	प. सुन्दर लाल	श्री बिशेश्वर नाथ
1966–67	श्री गोपी नाथ कमला नगर	श्री बिशेश्वर नाथ
1967–69	श्री गोपीनाथ	श्री मनोहर लाल
1969–71	श्री हरि कृष्ण (आईस मशीनरी मार्ट)	श्री नवीन चन्द
1971–73	श्री श्रीराम	श्री कृष्ण कुमार (A.I.R.)
1973–74	श्री जितेन्द्र नाथ	श्री मुरारी लाल
1974–75	श्री प्रकाश दत्त	श्री कृष्ण प्रसाद (रतन)

1975–77	श्री मुरारी लाल	श्री कन्हैया लाल
1977–79	श्री प्रकाश दत्त	श्री मोती लाल
1979–81	श्री मनोहर लाल	श्री रवि शंकर
1981–83	श्री किशोरी लाल	श्री कमलेश्वर प्रसाद
1983–84	श्री राघव नाथ	श्री बाल कृष्ण (राजौरी गार्डन)
1984–85	श्री मनोहर लाल	श्री बाल कृष्ण (राजौरी गार्डन)
1985–86	श्री रवि शंकर	श्री बाल कृष्ण (राजौरी गार्डन)
1986–90	श्री योगेश्वर सहाय	श्री बाल कृष्ण (राजौरी गार्डन)
1990–91	श्री सत्य नारायण	श्री बाल कृष्ण (राजौरी गार्डन)
1991–92	डॉ. नरेश चन्द्र	श्री बाल कृष्ण (राजौरी गार्डन)
1992–94	श्री ओम प्रकाश (शाहदरा)	श्री बाल कृष्ण (राजौरी गार्डन)
1994–95	श्री कमलेश्वर प्रसाद	श्री बाल कृष्ण (राजौरी गार्डन)
1995–96	श्री ओम प्रकाश (अमोनिया सप्लाई)	श्री पुरुषोत्तम दत्त
1996–97	श्री बाल कृष्ण (राजौरी गार्डन)	श्री विनीत
1997–98	श्री सुधीर	श्री योगेश
1998–99	श्री विष्णु कुमार	श्री बाल कृष्ण (राजौरी गार्डन)
1999–2001	श्री कमलेश्वर प्रसाद	श्री संजीव
2001–2003	श्री कन्हैया लाल	श्री दीपक
2003–2007	श्री देवेन्द्र	श्री संजीव
2007–2008	श्री शशी भूषण	श्री संजीव
2008–2009	श्री सुरेन्द्र नाथ	श्री संजीव
2009–2013	श्री योगेश	श्री संजीव
2013–2015	श्रीमती नीरा	श्री संजीव
2015–2019	श्री संजीव	श्री अजय
2019–2023	श्री राजेश	श्री अजय
2023–2025	श्रीमती नीरा	श्री अजय
2025–2027	श्री आनन्द	श्री दीपक (रोहिणी)

उपरोक्त के अतिरिक्त जिन प्रधान/ महामंत्री के कार्यकाल के समय की प्रमाणिकता नहीं पता लगी है उन आदरणीय महानुभावों में सर्व श्री फतेह चन्द्र, रोशन लाल, भवानी प्रसाद, महावीर प्रसाद हैं। आरम्भ में हमारी सभा के श्री हज्जू नाई व श्रीमती खजानों घर–घर जाकर

चन्दा एकत्रित करते व एक–दूसरे का कुशलक्षेम तथा निमंत्रण देने आदि का काम भी करते थे अथवा यों कहें कि वह संदेश वाहक के रूप में समाज की सेवा करते थे। आपस में प्रेम व भाईचारे का पता इस बात से चलता है कि उस समय प्रत्येक परिवार से एक–एक रुपया लड़के की शादी में घुड़चढ़ी पर व लड़की की शादी में खीसी पर देना अपना सौभाग्य समझते थे। समय में परिवर्तन आया। दिल्ली दूर–दूर तक फैल गई और यह सब सम्भव नहीं रहा तब हमारी सभा ने इस परम्परा को जारी रखने हेतु वर्ष 1985–86 में निश्चिय किया कि दिल्ली भार्गव सभा कल्याण निधि के अन्तर्गत प्रत्येक कन्या के विवाह पर सभा की तरफ से उपहार दिया जाये तथा किसी की मृत्यु पर पुष्पांजलि अर्पित की जाये।

कार्य क्षेत्र

इस समय वृहत् दिल्ली को सभा ने सुविधानुसार एवं सुचारू रूप से काम चलाने के लिए छः जोन व 30 क्षेत्रों में विभाजित किया है। प्रत्येक क्षेत्र से एक उप प्रधान व एक मंत्री और प्रत्येक क्षेत्र के लिये एक सदस्य नियुक्त किया जाता है। जो अपने क्षेत्र के परिवारों से सम्पर्क स्थापित कर उनका कुशलक्षेम पता करते हैं और निधन पर पुष्पांजलि एवं विवाह पर सभा की तरफ से उपहार देना अपना कर्त्तव्य समझते हैं। सभा की कार्यकारिणी में एक प्रधान, छः उप प्रधान, एक मुख्य सचिव, छः सचिव, एक कोषाध्यक्ष तथा 30 सदस्य होते हैं।

दिल्ली समाज में भाई चारा व सद्भावना बढ़ाने हेतु विभिन्न क्षेत्रों में मंगल मिलन का सभा आयोजन करती है। भगवान परशुराम, संत चरणदास व सम्राट हेमचन्द्र जी महाराज की स्मृति में विभिन्न समारोह आयोजित करती है ताकि आने वाली पीढ़ी अपने पूर्वजों के बारे में जान सकें व उनके पदचिन्हों पर चल सकें। सभा हर आयु वर्ग के स्त्री पुरुषों के लिए खेल–कूद, नृत्य, गान व फैंसी ड्रेस आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है। पिकनिक व वार्षिक समारोह का आयोजन करती है जिससे लोग एक–दूसरे के अधिक समीप आते हैं। दिल्ली के वरिष्ठ सदस्य/सदस्याओं को प्रत्येक वर्ष शाल उढ़ाकर उपहार भेंट करते हुए सम्मानित करते हैं। वर्ष 1985–86 से कार्यकारिणी के निर्णयानुसार नरेन्द्र जी के सुझाव पर प्रत्येक वर्ष संभवतः 2 अक्टूबर को स्नेह सम्मेलन आयोजित होता था। जिसमें होता है :–सांस्कृतिक कार्यक्रम, मेघावी छात्रों का सम्मान, वरिष्ठ सदस्य की 70वीं वर्षगाँठ पर स्मृति चिन्ह देकर व शाल ओढ़ाकर सम्मानित करना, वैवाहिक नीलम जयन्ति 45 वर्ष पर सम्मान, चित्रकला प्रतियोगिता, बेबी शो व सामूहिक भोजन। समाज में सर्वश्री रामेश्वर दयालजी (मुंशी जी), राधारमण जी, रामेश्वर दयाल जी (चीरा खाना), केदार नाथ जी, प्रेमचन्द जी, कृष्ण कुमार जी, द्वारका प्रसाद जी (द्वारकेश), जी. एम. सरन् आदि की भूमिका भी कम नहीं जो समाज के प्रत्येक परिवार के सुखःदुख में शामिल होना नहीं भूलते थे।

दिल्ली के विज्ञापनदाता चाहे स्थानीय स्मारिका हो या अखिल भारतीय भार्गव सभा अधिवेशन की स्मारिका हो या भार्गव पत्रिका या समाचार दर्शिका सब में ही अपना विज्ञापन देकर सहायता पहुँचाते हैं। इनका व दिल्ली के अन्य सदस्यों का दान हेतु सदैव हाथ खुला रहता है। जो धन्यवाद के पात्र हैं।

बर्तन फण्ड

बंधुओं की बढ़ती हुइ आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 1941 में एक बर्तन फंड का गठन किया गया। गैस के चूल्हों के अतिरिक्त खाना बनाने व खाना खाने के बर्तन शादियों व अन्य अवसरों के लिये उपलब्ध थे। पं. किशोरी लाल जी द्वारा सत्संग भवन में इस कार्यभार को आरम्भ से ही सुचारू रूप से चलाने के बाद वर्तमान में श्री नरेन्द्र जी सत्संग भवन इस कार्य को देख रहे हैं। शादी विवाह तथा सभा के अन्य कार्यक्रमों के अवसर पर सत्संग भवन उन्हीं के सहयोग से सब बन्धुओं के लिए उपलब्ध होता है। वर्तमान में सभा के कार्यक्रमों के लिए सत्संग भवन का उपयोग किया जाता है।

कल्याण निधि /वर्तमान में समाज कल्याण निधि

वर्ष 1972 के भार्गव सम्मेलन में बचत की राशि 15,000/– रुपये, ब्याज तथा दान से प्राप्त, 1,032/– रुपये से कल्याण निधि की स्थापना का निर्णय कार्यकारिणी की बैठक दिनांक 5–6–1977 को लिया गया, जिसके प्रथम संयोजक श्री राघव नाथ जी थे। इससे अर्जित व्याज से निराश्रित, जरूरतमन्द को चिकित्सा, विवाह तथा शिक्षा हेतु अनुदान दिया जाता है। मेघावी छात्रों को रजत पदक, प्लेट आदि भी इसी निधि के अन्तर्गत दिये जाते हैं। सभा द्वारा वर्ष 2004 से कई वर्षो तक दिल्ली के सभी असहाय सदस्यों को अखिल भारतीय भार्गव सभा के माध्यम से सहायता प्रदान करी गई। दिल्ली भार्गव सभा ही एक ऐसी सभा थी जिसने इस कार्य को करा। आज इसका कार्यक्षेत्र बढ़ गया है। वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान, वैवाहिक स्वर्ण जयन्ति पर सम्मान इसी के अर्न्तगत किया जाता है तथा इसका नाम परिवर्तित कर समाज कल्याण निधि कर दिया गया।

दिल्ली भार्गव सभा द्वारा समाज के कमजोर वर्ग को सहायता देने के लिए 2008 में एक समाज कल्याण कार्पस फंड की स्थापना की गई। इसके अन्तर्गत कोई भी सदस्य अपनी या अपने परिजन की स्मृति में निधि स्थापित कर सकता है। इसके ब्याज का 75 प्रतिशत सभा अपने वार्षिक खर्चों में खर्च कर सकती है। बाकि 25 प्रतिशत राशि मूल में जोड़ने का प्रावधान किया गया। इसके अन्तर्गत निम्न निधियाँ हैं :

1. श्री नगेन्द्र प्रकाश भार्गव व श्रीमती पुष्पा भार्गव निधि
2. श्री राजीव व श्रीमती आरती भार्गव निधि
3. स्व. श्री किशन नारायण व श्रीमती कुसुम भार्गव निधि
4. स्व. श्री चन्द्रभान व श्रीमती सरोज भार्गव निधि
5. श्री बलराम व श्रीमती प्रेमलता भार्गव निधि
6. स्व. श्रीमती सरला भार्गव व श्रीमती प्रतिमा झिंगन निधि
7. स्व. श्रीमती त्रिवेणी भार्गव निधि
8. स्व. श्री ब्रज किशोर व स्व. श्रीमती देवकी रानी एवं
   श्री नन्द किशोर व श्रीमती सुषमा भार्गव निधि

दिल्ली भार्गव सभा कार्पस फंड़

दिल्ली भार्गव सभा द्वारा अपने कोष की वृद्धि करने के लिए 1996 में एक कार्पस फंड की स्थापना की गई। इसके अन्तर्गत कोई भी सदस्य अपनी या अपने परिजन की स्मृति में निधि स्थापित कर सकता है। इसके ब्याज का 75 प्रतिशत सभा अपने वार्षिक खर्चों में खर्च कर सकती है। बाकि 25 प्रतिशत राशि मूल में जोड़ने का प्रावधान किया गया।

इसके अन्तर्गत निम्न निधियाँ हैं :

क्र.सं. निधि का नाम

1. श्रीमती शारदा व पं. गोबिन्द प्रसाद भार्गव (झांसी/दिल्ली)
2. श्री मोती लाल भार्गव
3. श्रीमती करुणा व श्री विष्णु कुमार भार्गव
4. श्रीमती करम देवी व श्री हस्पत राय भार्गव
5. श्री जितेन्द्र नाथ भार्गव
6. श्री मनोहर लाल भार्गव
7. श्रीमती श्यामलता व श्री महावीर प्रसाद भार्गव
8. श्रीमती राधा व श्री जगतनारायण भार्गव
9. श्रीमती सरोज व श्री विशेश्वर नाथ भार्गव
10. श्री बिशन नारायण भार्गव
11. स्व. श्रीमती त्रिवेनी देवी व स्व. श्री अनन्त राम भार्गव
12. स्व. श्रीमती त्रिवेनी देवी व स्व. श्री अनन्त राम भार्गव
13. श्रीमती श्यामा व श्री मक्खनलाल भार्गव
14. श्रीमती निर्मल व श्री रामेश्वर नाथ भार्गव

15. डॉ. कामता नाथ भार्गव
16. श्री बनवारी लाल भार्गव
17. श्रीमती कमला देवी व श्री मोतीलाल भार्गव
18. सेठ फूलचन्द भार्गव
19. श्रीमती कमला देवी व श्री फकीर चन्द भार्गव
20. श्रीमती वसन्ती देवी व मा. रामजी लाल भार्गव
21. श्रीमती सरला व श्री किशन चन्द्र भार्गव
22. श्रीमती रमा एवं डॉ. नरेश चन्द्र भार्गव
23. श्री ओमकार नाथ भार्गव
24. गुरुदेव बाबा लोचन दास जी एवं श्रीमती कलावती व पं. दीनानाथ दिनेश
25. श्रीमती शांति देवी व श्री केदारनाथ, श्री नवीन चन्द्र भार्गव
26. श्रीमती सावित्री व श्री यादेश भार्गव
27. श्री जगदीश प्रसाद भार्गव
28. श्री राजकुमार भार्गव वेबसाइट डेवलेपमेन्ट निधि
29. श्रीमती नर्वदा देवी व डॉ. पी.एन. भार्गव निधि
30. स्व. श्री ओंकारनाथ–स्व. श्रीमती उमादेवी व स्व. श्री रमा शंकर–स्व. श्रीमती सुशीला निधि
31. श्रीमती पुष्पलता व श्री कामता नाथ भार्गव
32. स्व. डॉ. नरेश व स्व. श्रीमती रमा भार्गव निधि
33. श्री कमलेश्वर प्रसाद व श्रीमती मिथलेश भार्गव निधि
34. डॉ. सुभाष व श्रीमती सविता भार्गव निधि

मेडिकल कार्पस फंड

दिल्ली भार्गव सभा द्वारा समाज के कमजोर वर्ग को सहायता देने के लिए 2008 में एक मेडिकल कार्पस फंड की स्थापना की गई। इसके अन्तर्गत कोई भी सदस्य अपनी या अपने परिजन की स्मृति में निधि स्थापित कर सकता है। इसके ब्याज का 75 प्रतिशत सभा अपने वार्षिक खर्चों में खर्च कर सकती है। बाकि 25 प्रतिशत राशि मूल में जोड़ने का प्रावधान किया गया। इस कोष का नाम डॉ. सुभाष भार्गव मेडिकल कोष रखा गया। इस कोष से समाज के बन्धुओं को चिकित्सा के लिए आर्थिक मदद प्रदान की जाती हैं।

इसके अन्तर्गत निम्न निधियाँ हैं :

1. श्री नगेन्द्र प्रकाश भार्गव व श्रीमती पुष्पा भार्गव
2. स्व. डॉ. सुभाष भार्गव व श्रीमती मंजू भार्गव

3. श्री शरन व श्रीमती आदर्श भार्गव
4. स्व. श्रीमती चमेली देवी एवं स्व. श्री किशोरीलाल भार्गव स्मृति निधि
5. कु. स्नेहिल
6. श्री रविन्द्र नाथ व श्रीमती कामिनी भार्गव
7. स्व. श्री ओम प्रकाश व श्रीमती उमा भार्गव
8. श्री प्रवीन व श्रीमती सुलेखा भार्गव

संत चरणदास

दिल्ली भारत की राजधानी होने से दिल्ली के बनने व उजड़ने तथा अपने नाम बदलने के लिए ही प्रसिद्ध नहीं है यह तो वह दिल्ली है जहाँ संत चरणदास जी ने तपस्या की थी। वह स्थान पेड़ जिसके नीचे तपस्या की तथा उनका चोगा आज भी चर्खेवालान दिल्ली में स्थित है जहाँ प्रत्येक वर्ष उनके जन्म दिन पर चरणदास उत्सव आयोजित होता है चरणदास जी की बगीची के नाम से प्रख्यात है। दिल्ली का ही पुराना किला जहाँ वीर विक्रमादित्य ढूसर (भार्गव) का राज्याभिषेक 6 अक्टूबर 1556 को हुआ। उनकी विजय और वीरतापूर्ण इतिहास की पुराने किले की दीवारें आज भी साक्षी हैं। ऐसा पता चलता है कि सम्राट पृथ्वी राज के राज दीवान व शिव शंकर जी भार्गव दिल्ली में आने वाले पहले व्यक्ति थे। दिल्ली में बोडिंग हाऊस 1927 से 1929 तक चालू रहा, जो शिक्षा की महत्ता और भविष्य की दूरदर्शिता को दर्शाता है। छात्रों की संख्या केवल पाँच होने से 1929 में बोडिग हाऊस बन्द करना पड़ा। आज भी हर वर्ष चरणदास दिवस मनाया जाता है। दिल्ली भार्गव सभा द्वारा 2002 में संत चरण दास निधि की स्थापना की गई। इसके अन्तर्गत कोई भी सदस्य अपनी या अपने परिजन की स्मृति में निधि स्थापित कर सकता है। इसके ब्याज का 75 प्रतिशत सभा अपने वार्षिक खर्चों में खर्च कर सकती है। बाकि 25 प्रतिशत राशि मूल में जोड़ने का प्रावधान किया गया।

1. डॉ. नरेश भार्गव
2. श्री गौरी शंकर भार्गव
3. श्री विष्णु कुमार भार्गव

इस समय दिल्ली भार्गवों का एक गढ़ बन चुका है। भार्गवों की जनगणनानुसार वर्ष 1900 में दिल्ली में मात्रा 38 परिवार ही थे और आज परिवारों की संख्या लगभग 752 है। उस समय साक्षर व शिक्षित पुरुष व महिलायें क्रमशः 80 प्रतिशत और 23 प्रतिशत थे, जो आज लगभग शत प्रतिशत हैं।

युवा संघ

आपस में भाई चारा बढ़े व सब एक दूसरे के सुख–दुख में भागी हों, इस उद्देश्य से भार्गव महिला सभा, भार्गव युवा संघ व भार्गव रिक्रेशन क्लब का गठन किया गया था। भार्गव महिला सभा आनन्द मेला, युवा संघ दिवाली मेला व भार्गव रिक्रेशन क्लब खेल कूद का आयोजन करता था। इन सब संस्थाओं के नाम अलग–अलग अवश्य हैं किन्तु यह सब भार्गव सभा के ही अंग हैं और इन सबका उद्देश्य एक ही है। भार्गव युवा संघ का पुर्नगठन 2010 में किया गया। पूर्व में दिल्ली भार्गव युवा संघ में सर्वश्री डॉ. सुभाष, योगेश, किशन नारायण, विष्णु कुमार, देवेन्द्र, सुधीर, जितिन प्रधान एवं श्री उमेश, श्रीमती नीरा, विनीत और अभय आदि मंत्री पद पर रहकर योगदान करते रहे। इतना ही नहीं युवा सदस्य अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ के प्रधान, श्री विष्णु कुमार (1973–74), श्री योगेश (1975, 1978, 1984), श्री देवेन्द्र–किशोरी लाल एण्ड संस (1972 व 1977) एवं मंत्री के रुप में : श्री सुधीर (1987–88), श्री नरेन्द्र मयूर विहार (2010–12) का योगदान सराहनीय रहा।

ढ़ोसी मंदिर

दिल्ली भार्गव सभा द्वारा वर्ष 2005 से ढ़ोसी मंदिर का कार्य सम्भाला गया। वर्ष 2006 से इसके जीर्णोद्धार का कार्य अखिल भारतीय भार्गव सभा द्वारा दिल्ली भार्गव सभा को दिया गया इसके अन्तर्गत पहले बिजली की फिटिंग बदलवाई गई, मरम्मत कराई गयी। मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के तीन वर्ष पूर्ण होने पर भृगु पूर्णिमा पर विशाल भण्डारे को आयोजन किया गया। इन सभी कार्यों पर लाखों रूपये खर्च हुआ जो विभिन्न दानवीरों द्वारा दिया गयाा बाद में नगेन्द्र प्रकाश जी (मिडलेंड) द्वारा सम्पूर्ण मन्दिर का जीर्णोद्धार कराया गया। साथ ही उन्होने भविष्य में होने वाले रख रखाव के लिए अखिल भारतीय भार्गव सभा में एक निधि 25 लाख की ''शिखर ओम निधि'' स्थापित करी है। सभा की ओर से मैं इनका धन्यवाद करता हूं। इस कार्य को करने के लिए मंदिर में व्यक्तिगत रूप से स्व. श्री ओम प्रकाश शाहदरा, श्रीमती नीरा, श्री संजीव व श्री नरेन्द्र वहां जाते रहते थे।

विवाह परामर्श केन्द्र

वर्ष 1996 में ही प्रथम बार अखिल भारतीय स्तर पर विवाह परामर्श शिविर का उद्घाटन महिला विवेकानन्द कॉलेज, नई दिल्ली के सभागार के बाहर विशाल पंडाल में अखिल भारतीय भार्गव सभा के तत्कालीन प्रधान श्री विजय नारायण जी व अ.भा. भार्गव महिला सभा की तत्कालीन प्रधान मिथिलेश जी के कर–कमलों द्वारा हुआ, जिसमें विवाह परामर्श उपसमिति इन्दौर के संयोजक व सदस्यों ने व्यक्तिगत रूप से भाग लेकर सहयोग दिया। वर्ष 1999 में दुबारा एक शिविर दिल्ली में लगाया गया। दिल्ली भार्गव सभा के शताब्दी वर्ष 2000 में एक दो

दिवसीय विवाह परामर्श शिविर श्री गिरधारी लाल भार्गव एम. पी. के निवास 6 अशोका रोड में विशाल पंडाल लगाया गया जिसमें पूरे देश से भार्गव बन्धुओं ने भाग लिया।

डायरेक्ट्री

आरम्भ में दिल्ली भार्गव परिवारों की मेलिंग लिस्ट ही दिल्ली डायरेक्ट्री का काम करती थी। बाद में मेलिंग लिस्ट व डायरेक्ट्री को अलग–अलग रूप दिया। प्रथम डायरेक्ट्री में घर के मुखिया का नाम, पता, व्यवसाय व दूरभाष नम्बर आदि सूचनाएँ निहित थीं। द्वितीय संस्करण में कुछ सुधार लाया गया। किन्तु वर्ष 1999 में अखिल भारतीय भार्गव सभा की नेशनल डायरेक्ट्री के प्रारूप में एक डायरेक्ट्री का प्रकाशन किया गया, जिसे अखिल भारतीय भार्गव सभा के प्रारूप के आधार पर प्रथम डायरेक्ट्री कहलाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। द्वितीय संस्करण 2002 में प्रकाशित किया गया। तीसरा संशोधित संस्करण 2011, चौथा संशोधित संस्करण 2023 में प्रकाशित किया गया जिसका विमोचन अखिल भारतीय भार्गव सभा की कार्यकारिणी बैठक में किया गया। बाल कृष्ण जी एवं स्व. विनीत जी द्वारा सर्वप्रथम दिल्ली के भार्गव परिवारों की एक पॉकेट डायरेक्ट्री भी निकाली।

हमारे रीतिरिवाज, तीज त्यौहार, भार्गव पत्रिका, भार्गव समाचार दर्शिका के प्रकाशनों को देखकर लोग चकित हो जाते हैं। एक बन्धु से वार्तालाप के द्वारा पता चला कि इतनी सुगठित व अनुशासित भार्गव समाज के अलावा अन्य कोई समाज नहीं है। समाचार दर्शिका के लिये हम इसके संस्थापक स्व. श्री नवीन चन्द्र जी भार्गव, स्व. श्री विष्णु कुमार जी एवं श्री योगेश जी व श्री संजीव जी के आभारी हैं जिनके प्रयत्नों से प्रकाशन समय पर हो रहा है।

कई वर्षों तक दिल्ली भार्गव सभा ने भुगुवंशी संदेश नाम से अपनी द्विमासिक पत्रिका का प्रकाशन श्री रविशंकर जी की देख–रेख में किया।

1989 में दिल्ली भार्गव सभा ने अखिल भारतीय भार्गव सभा के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शाह ऑडिटोरियम में शताब्दी समारोह का आयोजन किया, जिसके संयोजक श्री अनिल (पाम पफार्मेस्युटिकल्स) रहे। इस अवसर पर भारत के महामहिम राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा को ''योगदान'' की प्रति भेंट की गयी।

दिल्ली भार्गव सभा का शताब्दी समारोह दिसम्बर 2000 में फिक्की सभागार में मनाया गया जिसमें पूर्व प्रधान एवं समाज के वरिष्ठ बन्धुओं को सम्मानित किया गया।

सभा को अनेकों बार सर्वोत्तम सभा घोषित होने के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय भार्गव सभा ने शील्ड व मानपत्र देकर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त कई बार सभा द्वितीय और तृतीय भी रही।

दिल्ली के बन्धुओं द्वारा दान से निम्नलिखित ट्रस्ट एवं निधियाँ भार्गव समाज के कल्याण के लिए कार्य कर रही हैं।

1. श्री दयाकृष्ण भार्गव निधि
2. श्रीमती गीता देवी भार्गव निधि
3. श्री जितेन्द्र नाथ भार्गव निधि
4. श्रीमती मालती निधि
5. श्री किशोरी लाल निधि
6. श्रीमती कलावती देवी जयन्ती प्रसाद निधि
7. श्रीमती रेवती देवी भार्गव निधि
8. श्रीमती कृष्णा देवी भार्गव निधि
9. श्रीमती रत्ना भार्गव पुरस्कार
10. 174 जोर बाग
11. भार्गव धर्मशाला निधि
12. श्री पृथ्वी नाथ निधि
13. श्रीमती भुवनेश्वरी देवी परमेश्वर नाथ पुरस्कार निधि
14. श्रीमती महादेवी रामेश्वर दयाल निधि
15. डॉ. रघुवीर प्रसाद श्रीमती पद्मावती निधि
16. श्रीमती ब्रह्म देवी जगनाथ निधि
17. श्रीमती शकुन्तला भार्गव निधि
18. श्रीमती सरला भार्गव टेक्सेशन निधि
19. श्री रोशन लाल भार्गव ट्रस्ट
20. श्री राघव नाथ पुरस्कार
21. श्रीमती शकुन्तला सुन्दर लाल पुरस्कार
22. रोशन लाल फूल चन्द
23. श्रीमती सरला कृष्ण चन्द
24. श्रीमती मिथिलेश कमलेश निधि
25. श्रीमती ज्ञानवती रामेश्वर दयाल निधि

दिल्ली के दानी श्री श्रीराम जी ने एक ट्रस्ट श्रीमती सरला श्री राम निधि का गठन किया और 174, जोर बाग को अखिल भारतीय भार्गव सभा को दान दिया जिस पर एक 4 मंजिला भवन बनकर तैयार है जिससे अखिल भारतीय भार्गव सभा को लगभग 1.5 करोड़ की सलाना

आय हो रही है। इससे पूर्व भी दानदाता श्री बेनी प्रसाद जी ने अपनी पंजीकृत वसीयत में दिनांक 16–9–1929 में लिखा कि उनकी तमाम जायदाद अजमेर व दिल्ली की बेचकर उनकी पत्नी श्रीमती आनंदी देवी की स्मृति में एक धर्मशाला बनायी जाये। उसके लिए एक्जीक्यूटर/न्यासी ने दिल्ली गेट के पास 26–12–1958 को धर्मशाला निर्माण हेतु जमीन खरीदी, जिसका बेच कर अभी 2025 में एक प्लाट 2000 गज का नोएडा में लिया गया है जो पं. बेनी प्रसाद भार्गव ट्रस्ट के अन्तर्गत है। आज इस ट्रस्ट मे ट्रस्टी चेयरमैन सुरेश जी, ट्रस्टी सैकेटरी ओम प्रकाश ''ओमी'', देवेन्द्र कुमार जी, ब्रिजेन्द्र सिंह जी, हीरेन्द्र नाथ जी एवं संजीव जी हैं।

इसी प्रकार पं. जयन्ती प्रसाद जी ने करोल बाग स्थित मकान अखिल भारतीय भार्गव सभा को दान दिया जिससे अर्जित राशि से समाज कल्याण के अन्तर्गत सहायता दी जाती है।

दिल्ली भार्गव समाज कहीं भी किसी विषय में पीछे नहीं रहा। समाज को दिल्ली से गौरवान्वित करने वाले श्री भगवत नारायण (राजनीति में), सुश्री देवज्ञा (एम.सी.डी. काउन्सलर), सर्वश्री आलोक (कार्टूनिस्ट), रायबहादुर केशवदेव, कृष्णकान्त, जस्टिम वशिष्ट, श्री सुन्दर लाल (आई.ए.एस.), पं. दीनानाथ 'दिनेश', पं. मनोहर लाल, पं. राजकुमार, पं. हेमचन्द्र, पं. रोशन लाल, पं. कान्त किशोर, डॉ. एस.पी. भार्गव, डॉ. पृथ्वी नाथ, डॉ. डी.पी. भार्गव (सिविल सर्जन) आदि। छपाई, दवा उद्योग, चश्मा उद्योग, विधि प्रकाशन, पेपर आदि में भी दिल्ली के बन्धु अग्रणी हैं।

सर्वप्रथम भार्गव सम्मेलन दिल्ली में आयोजित करने वाले निःस्वार्थ व उत्साही राय बहादुर पं. गंगा सरन (राय सहाब पं. निरंजन लाल जी के पिता) और पं. राम गोपाल जी (पं. दीना नाथ दिनेश व श्री केदारनाथ भार्गव के पितामह) थे। वर्ष 1898, 1918, 1949, और 1972 में भार्गव सम्मेलन तथा 1945, 1958, 1985, 1987, और 1994 में वार्षिक अधिवेशन करने का सौभाग्य दिल्ली भार्गव सभा को मिला। पं. दीनानाथ ''दिनेश'' गीता वाचस्पति (1957), श्री हरिकृष्ण एडवोकेट (1962), श्री भगवत प्रसाद (1964), न्यायमूर्ति पं. वशिष्ट (1966), न्यायमूर्ति पं. शंकर प्रसाद (1972) और पं. प्रकाश दत्त (1977) ने सम्मेलन के अध्यक्ष पद पर रहकर शोभा बढ़ाई। इसके अतिरिक्त वर्ष में कम से कम एक अखिल भारतीय भार्गव सभा की कार्यकारिणी की बैठक का भी आयोजन करने में दिल्ली सहर्ष आगे रहती है।

हमारी सभा के लिए यह भी गौरव की बात है कि दिल्ली के माननीय सदस्य जस्टिस वशिष्ट (1965 से मई 1972), श्री श्रीराम (1976), श्री शंकर प्रसाद (1973–74 और 1977), श्री भगवत प्रसाद (1980), श्री प्रकाश दत्त (1979 से जनवरी 1981, 1984), श्री किशोरी लाल (1985, 1986), श्री राघव नाथ (1987), डॉ. सुभाष (1989, 1990), श्री विजय नारायण (1995–2001), श्री सुरेश कुमार (2001–2005) अध्यक्ष, श्री मनमोहन कुमार जी (1995–2007) प्रधान सचिव एवं (2001–2005) अध्यक्ष, श्री ओमप्रकाश ''ओमी'' (2001–2007) कोषाध्यक्ष एवं (2015–2017)

अध्यक्ष रहे। श्री योगेश (जब सभा में 16 उपप्रधान होते थे), श्री विष्णु कुमार (1988–89, 1994–96), श्री सुरेश कुमार (1996–2001) उपाध्यक्ष, और श्री बाल कृष्ण (राजौरी गार्डन) 1990 तदर्थ समिति मुख्य संयोजक, श्री ओम प्रकाश शाहदरा (1995–97), श्री कमलेश्वर प्रसाद (1997–99), श्री बालकृष्ण (1999–2001) कोषाध्यक्ष के पद पर शोभायमान रहे।

अखिल भारतीय भार्गव सभा में दिल्ली से सचिव के रूप में श्री सत्यनारायण जी, श्री शंकर दत जी, श्री संजीव जी ने वर्षों कार्य किया एवं चुनावी न्यायाधिकरण में श्री किशोरी लाल और डॉ, सुभाष की निष्पक्ष भूमिका भी सराहनीय रही।

दिल्ली भार्गव सभा केवल स्थानीय नहीं बल्कि अखिल भारतीय भार्गव सभा को सहयोग देने में सदैव अग्रणी रही है। 1931 से 1934 तक हमारी सभा के सदस्यों को भार्गव पत्रिका के प्रकाशन का भार सौंपा गया। इसके सम्पादक पं. जयनारायण व मैनेजर मॉडल प्रैस दिल्ली के मालिक पं. जयन्ती प्रसाद जी थे। पुनः अप्रैल 1959 से 1965 तक पं. दीनानाथ 'दिनेश' प्रधान संपादक, पं. गोपी नाथ, श्री बशेश्वर नाथ की देख–रेख में प्रकाशित होती रही। उसके बाद पं. सुन्दरलाल , मा. रामजीलाल, श्री मनमोहन कुमार व श्री निहाल जी संपादक रहे। संपादक मंडल व पत्रिका एडवाइजरी कमेटी में श्री रविशंकर, श्री योगेश, सह संपादक के रुप में श्री बालकृष्ण, श्री कृष्ण कुमार, एवं श्री संजीव ने समय समय पर सहयोग दिया।

अखिल भारतीय भार्गव सभा में पहले दशक के आसपास हमारी सभा के मानवीय सदस्य पं. जयनारायण, पं. सुन्दरलाल, पं. मनोहर लाल, पं. सीताराम, श्री मोती लाल, श्री श्री राम, श्री गणेशी लाल, राय गंगा शरण दास, श्री प्रभु दयाल राय, श्री गंगादास, मेजर मोहन लाल, श्री मथुरा प्रसाद आदि बन्धुओं ने समाज के हित में अनेकों पदों पर रहकर सक्रिय व सराहनीय कार्य किये। लै. कर्नल मनोहर लाल भार्गव (हेमू के वंश) सभा के उप प्रधान रहे और 1932 में प्रकाशित भार्गव डायरेक्ट्री का आपने सम्पादन किया। आपने भृगु वंश इतिहास भी लिखा।

दिल्ली की महिलाएँ भी किसी से कम नहीं हैं। अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा में श्रीमती प्रेम, सुन्दर नगर (1984–87), श्रीमती सरला (जोरबाग) 1988, स्व, श्रीमती सरला (नई सड़क), श्रीमती मिथलेश (1995–97), अध्यक्ष तथा श्रीमती राजकुमारी (1998–99), श्रीमती मिथलेश (1993–95), मंत्राणी के पद पर आसीन रही। आप सबकी समाज के प्रति लगन व निस्वार्थ सेवा कभी नहीं भुलाई जा सकती।

दिल्ली भार्गव सभा 125 वर्ष पूर्ण कर अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिये आगे बढ़ती जा रही है जिसका श्रेय दिल्ली बन्धुओं को व कर्मठ और निःस्वार्थ समाज सुधारकों को जाता है। उन्हीं के कारण भारतीय समाज में एक सम्मानीय एवं प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त हुआ है। जाति का प्रत्येक व्यक्ति सभा, समाज की उपलब्धियों से अपने को गौरवान्वित अनुभव करता है।

In Memory of .....

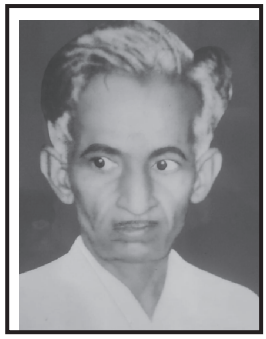

Shri Dwarka Prashad Bhargava

Smt. Devki Bhargava

Hari Kant – Neelam Bhargava
(Son – Daughter in Law)

Sunita Bhargava
(Daughter in Law)

Gaurav – Shilpa Bhargava
Shubham – Krati Bhargava
(Grandson – Grand Daughter in Law)

Nikhil & Saurabh Bhargava
(Grandson)

Shaurya & Shanaya Bhargava
(Great Grandson & Great Grand Daughter)

Residence Addresses :

F - 2202, Heritage Max, Sector 102, Gurugram, Haryana
RZF - 1/222, Mahavir Enclave, Gali No. 2, Palam, New Delhi
1134, Prestige Royale Gardens, Yelahanka, Bangalore

Mobile : +91 82873 57679, +91 98187 45566, +91 98733 95946
+91 75037 06920, +91 99101 54910

Dr. Rahul Bhargava

MBBS, MS, DNB (ENT)
ENT, Head & Neck Surgeon
& Allergy Specialist

Do you suffer from Allergies?

Skin prick test to identify and test allergies

A rapid and reliable method of detecting allergies, find out the cause of your allergy by getting this test done

This test is useful for Allergic Rhinitis, Asthma, Urticaria Angioedema, Food Allergy, Allergic Conjunctivitis

Benefits of Skin Prick Test :

Fast
Accurate
Safe & Cheap
No Side Effects

This test is very Useful for People with running Nose, Sneezing, Coughing Wheezing, Itching in the Eyes, Nose, Skin Hives, Food Allergy, Swelling of Eye or Lip

BENTAC

G-17/31, Sector 15, Rohini, Delhi
For Appointment : 8447839320

With Best Compliments

Varun Bhargava
Vice President (2025-27)
Delhi Bhargava Sabha

Varun Bhargava

Elec Serve

Electrical & Vastu Consultants

A-458, 2nd Floor, GD Colony, Mayur Vihar Ph-3, Delhi-110096

https://www.elecserve.in

91-9810015452

info@elecserve.in

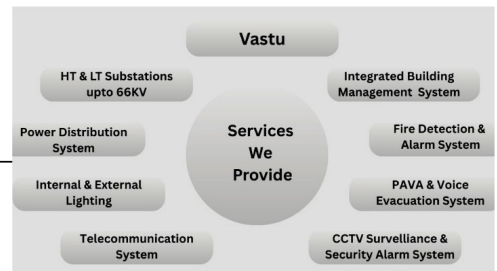

Varun Bhargava, AKA Visionary Varun
·Life Coach
·NLP Practitioner
·Vastu & Devta Vastu Consultant
Numerologist
·Reiki & Karuna Reiki Master
·Acupressure & Sujok Practitioner
·Past President Rotary Club
·Positive calm soothing demeanour
··A rich life experience and
·A never say die spirit

Varun Bhargava

Visionary Varun

Visionary Varun

Life Coach, Ankshastri & Vastuvid

91-9318375500

https://www.visionaryvarun.com

@visionaryvarun

linkedin.com/in/visionaryvarun

visionaryvarun

visionaryvarun@gmail.com

Tarun Bhargava

Moksha Consultants

We specialise in providing financial solutions by arranging Working Capital & Term Loans. We also cater to Home Loans and LAP for retail buyers.

91-9810607733

tarunmokshaconsultnts@gmail.com

MENTAL HEALTH COUNSELLING

Rupali Bhargava
COUNSELLING PSYCHOLOGIST
YOGA INSTRUCTOR

You are NOT alone in your struggles

Our Services
Mental Health Counselling
Relationship Counselling
Anxiety and Depression
Grief and Loss
Self-esteem and Confidence
Child Counselling

91-9315501351

PSYCH_CHITCHAT

With Best Compliments

MY JOB & FOIL NEST

catering to pharma industry for more than 20 years

No one understand Pharma then we do

All kind of packaging products Aluminium foils, laminates, PVC, Pouches and many more.

HIGHLIGHTS

State of the art facilities | Equipped laboratory | Updated machineries | Certifications | Quality Focused Team and Processes

---

Rajesh Kumar Bhargava and Madhu Bhargava

Mohit Bhargava and Dr. Madhulika Bhargava

Address : E 162, Prashant Vihar, Delhi

Contacts: 9810130726 & 9818180097

In Loving Memory of .....

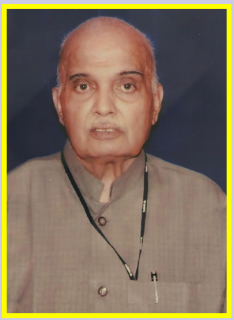

Om Prakash Bhargava

Indu Bhargava

Satya Prakash Bhargava

Asha Bhargava

Though you are no longer with us,
your love, guidance,
values and cherished memories
will remain in our heart.....forever

Alka-Vijendra (Daughter -Son in law) : 9413346699

Anup-Jolly (Son-Daughter in law) : 9818562727

Amita-Ashish (Daughter -Son in law) : 9958994996

Anugrah-Nikita, Anurodh-Anugya, Ishita, Nalin, Ishaan

Old Address - F-11 Navin Shahdara , Delhi -110032

Current Address Anup Bhargava 74, 3rd Floor, Ramprastha Green
Sector 7, Vaishali, Ghaziabad

Our rapidly growing network shows our ***good will.***

Naresh Bhargava (Bhargava Lodha)

9414071694 / 9314949400

Bhargava Lodha Stock Brokers Pvt. Ltd.
(Member : National Stock Exchange of India Ltd. & NSDL)

B. Lodha Securities Ltd.
(Member : The Stock Exchange, Mumbai)

Bhargava Lodha Buildcon Pvt. Ltd.
(Reat Estate Developers)

Arihant & Company
(Member : NCDEX, NMCE & NCDEX SPOT)

Sidh & Company
(Member : Multi Commodity Exchange of India Ltd.)

B. Lodha & Company
(Member : Rajasthan Builders & Promoters Association)

REGD. OFFICE

BL House, 578 – Mahaveer Nagar, Tonk Road, Jaipur – 18

Tel : 0141 – 2550711 / 2550115

CORP. OFFICE

6B, Rajabahadur Compound, 32, Ambalal Doshi Marg, Fort, Mumbai – 23

Tel : 022 – 22671585 / 22671586 Fax : 022 - 22671587

जो कार्य करता श्रेष्ठ जन करते वही हैं और भी ।
उनके प्रमाणित-पंथ पर ही पैर धरते हैं सभी ॥
श्री हरि गीता

मधुर स्मृति

गीतावाचस्पति म० श्री दीनानाथ भार्गव दिनेश

श्रीमती कलावती भार्गव

मानव धर्म कार्यालय
67 दरिया गंज, नई दिल्ली
20 सिरी फोर्ट रोड, नई दिल्ली
फोन : 9312154136 | 9818003693

सर्वेश भार्गव - अलका भार्गव
सुयश भार्गव - वैशाली भार्गव
प्रज्ञान भार्गव - सर्वज्ञ भार्गव

In Memory of ....

Lt. Sh. Kailash Nath Bhargava & Lt. Smt. Krishna Vanti

Lt. Sh. Rajender Nath Bhargava & Lt. Smt. Pushpa Kanti Bhargava

UMA UNIFORMS

Mfrs. : All kinds of Uniforms

Lab Coats • Sports Jersey • Track Suits • Nurse/Hospital
Office/Staff • School • Security/Restaurant Staff Uniforms

Proud Supplier of Staff Uniforms RAM JANM BHUMI, Ayodhya

Narender Bhargava & Gunjan Bhargava
Kushagr Bhargava & Ruchika Bhargava
Prerna Bhargava

C-18, Gali No. 3, Village Kotla, Mayur Vihar, Phase-1, Delhi-110091

Mob. : 9868222734, 9868176357

दिल्ली भार्गव सभा की स्थापना 125 वर्ष पूर्व सन् 1900 में महान विभूतियों ने भविष्य का ध्यान रखते हुए आपस में प्रेम व भाईचारा बढ़ाने के उद्देश्य से एक नन्हें से पौधे के रूप में ''दिल्ली भार्गव व हितकारिणी सभा'' का गठन किया, जो आज वटवृक्ष की भाँति हमारे समाज की कल्याणकारी छतरी के रूप में स्थित है। हम आज अपने उन पूर्वजों को नमन करते हुए जिनके बारे में जानकारी मिल पाई उनके विषय में प्रकाशित कर रहे हैं। 1943 से पहले सभा के विषय में जानकारी काफी प्रयास के बाद भी नहीं मिल पाई।

सेठ पं. फूलचन्द प्रधान 1943–44, 47–48

आपका जन्म सन् 1890 में दिल्ली के प्रतिष्ठित कपड़े के व्यापारी परिवार में हुआ था। आप अपनी शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् अपने व्यापार में लग गये। अपनी योग्यता व अपने परिश्रम से आपने व्यापार में चहुँमुखी उन्नति की। आपका विवाह लखनऊ निवासी अपने समय के प्रसिद्ध वकील पं. वासुदेव सहाय की सुपुत्री श्रीमती गायत्री देवी के साथ हुआ। उन्होंने अपने समय में दिल्ली भार्गव समाज की तन मन धन से सदा निःस्वार्थ भाव से सेवा की। वे सदा भार्गव समाज की सेवा करने में, दान देने में सबसे आगे रहते थे। दिल्ली में जब 1949 में अखिल भारतीय भार्गव सम्मेलन में उनसे दान माँगा गया तब उन्होंने कहा की मैं दान नहीं देता जितना भी अधिवेशन के भोजन में व्यय हो या कहीं पैसे की कमी आवे उस सबको मैं पूरा करूँगा। वे दिल्ली भार्गव सभा के काफी समय तक प्रधान रहे। उन्होंने समय–समय पर समाज के जरूरतमन्द छात्र छात्राओं की मदद की, लड़कियों के विवाह कराये। कई मन्दिरों में समय–समय पर गुप्त दान दिये। वे अनेकों संस्थाओं के ट्रस्टी व संचालक रहे हैं। श्री बेनी प्रसाद ट्रस्ट दिल्ली के प्रमुख ट्रस्टीयों में से एक थे। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उन्होंने व उनकी धर्मपत्नी ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। महात्मा गाँधी के आवाह्न पर उन्होंने विलायती कपड़ों में आग लगाई और आजीवन खादी के कपड़े पहने। उनका स्वर्गवास 22–10–1955 को 65 वर्ष की आयु में हुआ। उनकी मृत्यु से भार्गव समाज ने एक दानवीर खो दिया जिसकी क्षति बहुत समय तक पूरी नहीं हो सकी। आप के सुपुत्र श्री विजय भूषण जी मो. 9310052349 फाइनेंस का व्यापार करते हैं और सीताराम बाजार में निवास करते हैं।

श्री हेम चन्द्र प्रधान 1944–45, 49–51

श्री हेम चन्द्र का जन्म सन् 1878 में दिल्ली में हुआ था। शिक्षा समाप्त करने के बाद उन्होंने चित्र प्रकाशन का व्यापार चाँदनी चौक में सन् 1900 में आरम्भ किया। उत्तरी भारत में केवल वह ही एक मात्र चित्र प्रकाशक थे। पं. हेम चन्द्र जी के दो पुत्री व एक पुत्र था। दोनों कन्याओं का स्वर्गवास अल्पायु में उनके सामने ही हो गया था। उनके पुत्र श्री हरीश चन्द्र का विवाह मथुरा निवासी श्री कौशल किशोर जी, एडवोकेट की पुत्री श्रीमती अशरफी देवी से हुआ था। श्री हरीश चन्द्र के एक पुत्र व एक पुत्री थी। पुत्र का स्वर्गवास 1–2 साल में ही हो गया था और हरीश चन्द्र का स्वर्गवास सन् 1922 में हुआ था। उत्तरी भारत में दूर–दूर से लोग उनके चित्र खरीदने आते थे। उनके व्यापार ने इतनी प्रगति की, कि उनके चित्र विलायत तक जाने लगे और सुन्दर चित्र जर्मनी में छपते थे। सन् 1935 में अपनी पौत्री का विवाह श्री किशोरी लाल जी से किया। उसके बाद उन्होंने विचार किया कि अपनी सम्पत्ति को किसी पारम्परिक व परोपकारी कार्य में लगायें। इस विचार को सही रूप देने के लिए उन्होंने सन् 1937 में 7, दरियागंज में एक प्लाट लगभग 1000 गज वर्ग का खरीदा और उस पर दो मंजिला इमारत बड़े प्रेम, लगन व मेहनत से बनवाई जो सन् 1939 में बन कर तैयार हुई। इस भवन का नाम 'सत्संग भवन' रखा और सन् 1940 में इस भवन के बारे में एक ट्रस्ट डीड भी लिखकर रजिस्ट्री करा दी। पं. हेमचन्द्र जी के सपनों को साकार करते हुए आज भी सत्संग भवन के द्वार सत्संग व भार्गव समाज के हित व लाभ के लिए खुले हैं।

अखिल भारतीय भार्गव सभा की कार्यकारिणी की बैठक हर साल होती रहती थी। दिल्ली भार्गव सभा, महिला सभा की कई बैठकें यहां होती रहती हैं। विवाह के काम भी यहां होते थे। श्री हेम चन्द्र जी दिल्ली भार्गव सभा के वर्षों तक पदाधिकारी रहे। अखिल भारतीय भार्गव सभा का 1949 में जो सम्मेलन हुआ आप उसके स्वागताध्यक्ष थे। श्री हेम चन्द्र जी ने अपना कारोबार 1943 में श्री किशोरी लाल जी को सौंप दिया और अपना समय परमात्मा की याद में लगाया। 2 अप्रैल 1954 को 76 वर्ष की आयु में आपका देहान्त हुआ। आज आपकी दोहित्री शकुन्तला जी मो. 8368336387 सत्संग भवन का कार्य संभाल रही हैं।

श्री राज राजेश्वर नाथ प्रधान 1945–46

राज राजेश्वर नाथ जी दिल्ली भार्गव सभा के 1945 – 1946 के प्रधान रहे। लेकिन उनके विषय में काफी प्रयास के बाद भी कोई जानकारी प्राप्त नहीं हो पाई।

स्व. पं. हरिकृष्ण, एडवोकेट
प्रधान 1946–47, 54–59, 60–61

पं. हरिकृष्ण का जन्म सन् 1898 में पं. मक्खनलाल जी के यहां हुआ। केवल 11 वर्ष की आयु में आप अपने पिता के निधन से पितृछत्र छाया से वंचित हो गये। आपने सन् 1919 में एल. एल. बी. की परीक्षा पास की तथा दिल्ली में वकालत की प्रेक्टिस प्रारम्भ कर दी। शीघ्र ही अपनी कुशाग्र बुद्धि, परिश्रमी स्वभाव एवं विलक्षण सूझ बूझ के कारण आप दिल्ली के प्रसिद्ध वकीलों में माने जाने लगे। साहित्य एवं पठन में रुचि होने से आपका पुस्तकों का अध्ययन विशाल था तथा आपके द्वारा रचित पुस्तक 'दि ट्रेजर ट्रोव्ह' न्यायधीशों एवं अभिवक्ताओं में अत्यन्त लोकप्रिय रही। दिल्ली बार एसोसियेशन, स्थानीय भार्गव सभा, समाज सुधार उपसमिति के मंत्री एवं अध्यक्ष के पद पर आपने कई वर्षो तक कार्य किया। सन 1962 में आप आगरा में आयोजित भार्गव सम्मेलन के सभापति निर्वाचित हुये और जाति सेवा के प्रति समर्पित रह कर भार्गव समाज की सराहनीय सेवा की। आपके पौत्र तरुण, अपूर्व, वैभव मो. 9818457146, शिशिर मो. 8920763959 एवं प्रपोत्र अमोलिक समाज सेवा की अपने परिवार की परम्परा को आगे बढा रहे हैं।

पंडित निरंजन लाल प्रधान 1948–49

आप लखनऊ निवासी श्री प्यारे लाल जी के पुत्र तथा रायसाहब गंगा सरनदास जी के दत्तक पुत्र थे। आपका जन्म सन् 1900 में लखनऊ में हुआ। आपका विवाह आगरा निवासी श्री गोपीनाथ जी की पुत्री किशन कुमारी से हुआ था। आप बहुत ही विनम्र, मृदुभाषी, मिलनसार, कर्त्तव्यपरायण व्यक्तितव के व्यक्ति थे। वर्षों तक आप भार्गव पत्रिका के हिन्दी विभाग का सम्पादन करते रहे। यह कहना अतिश्योक्तिपूर्ण न होगा कि आपकी कार्यकुशलता एवं लगन से दिल्ली में 1949 का भार्गव सम्मेलन सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सका।

आपके पुत्र श्री सुरेन्द्र नाथ एवं पुत्रवधु श्रीमती राजकुमारी दोनो भार्गव सभा और महिला सभा में अपना भरपूर योगदान देतें थे। आपका स्वर्गवास 7 फरवरी 1957 को हुआ। आज आपके पौत्र श्री राजीव भार्गव मो. 981040015 समाज सेवा की अपने परिवार की परम्परा को आगे बढ़ा रहे हैं।

पं. जयन्ती प्रसाद प्रधान 1951–52

श्री जयन्ती प्रसाद भार्गव का जन्म सन् 1856 में पं. वासुदेव सहाय जी रिवाड़ी के यंहा हुआ। 13 वर्ष की आयु में आपने पंजाब विश्वविद्यालय की मैट्रिक की परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर रेल विभाग में कार्यरत हुए। आपका विवाह ग्राम उगही, जिला–मथुरा, के नम्बरदार पं. लक्ष्मण प्रसाद की सुपुत्री कलावती से हुआ। 1905 में आपके पिता ने Service Securing Agency के नाम से उत्तरी भारत का नौकरी दिलाने वाला पहला संस्थान स्थापित किया तो आपने सरकारी नौकरी छोड़कर उसके संचालन का भार संम्भाला। 1920 में आपने मोडल प्रैस के नाम से अपना मुद्रण व्यवसाय आरम्भ किया और अनेक वर्षों तक, दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन के महामन्त्री एवम् प्रधान रहे। आप 1952–52 में दिल्ली भार्गव सभा के प्रधान, अखिल भारतीय भार्गव सभा के उपप्रधान तथा भार्गव पत्रिका के सम्पादक, मुद्रक एवम् प्रकाशक रहे। 1957 में आपने कलावती जयन्ती प्रसाद ट्रस्ट की स्थापना की जिसकी आय का सदुपयोग अखिल भारतीय भार्गव सभा जाति के बच्चों को तकनीकी शिक्षा के लिए कर रही है। 1955 में पैरालिसस होने से 15 दिसम्बर 1959 को आपका स्वर्गवास हो गया। आपके दो पुत्रियां थी। आज आपके दोहिते डा. हर्ष मो. 9810069153 (Orthopaedic Surgeon, Apollo Hospital New Delhi) समाज सेवा में अपना सहयोग देते हैं।

पं. सुन्दर लाल प्रधान 1952–53, 65–66

पं. सुन्दर लाल का जन्म 1 मार्च 1901 को रिवाड़ी के सुप्रसिद्ध परिवार में हुआ। प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् आपने किशोरी लाल एंड संस के नाम से कागज का व्यापार चावड़ी बाजार में प्रारम्भ करा। आपने अपने जीवन काल में अनेक बच्चों की पढ़ाई, अनेक विधवा महिलाओं का प्रतिमाह खर्च अपने से देने का जिम्मा उठाया हुआ था। आप ने अपना कारोबार स्टार पेपर मिल के डिस्ट्रीब्यूटर एजेंट की तरह शुरू करा, लेकिन आपके अच्छे स्वभाव और दुनियादारी को देखते हुए बलालपुर पेपर इंडस्ट्री के अध्यक्ष ने खुद आकर उनको बलारपुर इंडस्ट्री की डिस्ट्रीब्यूटरशिप लेने का आग्रह किया।

आप भार्गव सभा के प्रधान रह चुके हैं। आपके 6 पुत्र सर्वश्री मनोहर लाल जी, मोहनलाल जी, ललित प्रसाद जी, स्वतंत्र कुमार जी, देवेन्द्र जी एवं मदन गोपाल जी है। सभी ने अपना जीवन भार्गव समाज की सेवा में लगाया। आपकी मृत्यु 23 जनवरी 1985 को हुई। आपके सुपुत्र देवेन्द्र जी मो. 9871222158 दिल्ली भार्गव सभा के कार्यों में पूरी रुचि लेते हैं। आपके पौत्र एवं पौत्रवधु सहित सारा परिवार समाज सेवा में अपना योगदान देते हैं।

गीतावाचस्पति पं. दीनानाथ 'दिनेश' प्रधान 1953–54

कुशलतम कवि, लेखक, उपदेशक, संपादक एवं गीताज्ञान मर्मज्ञ श्री दीनानाथ 'दिनेश' संत परम्परा के महान सृजन कवि थे, जिन्होंने देश में आकाशवाणी के द्वारा गीता के स्वरों को प्रसारित कर धार्मिक–जनों के मन को जीत लिया था। आपकी मधुरवाणी एवं संगीतमय स्वर लाखों व्यक्तियों के कानों में वर्षो तक सुधावृष्टि करते रही। आपका जन्म विजयदशमी 1910 में प. शम्भूदयाल जी के यहाँ हुआ था। बाल्यकाल से ही आपकी कविता पठन में रुचि थी तथा छात्रजीवन में रामायण, सूर, तुलसी, मीरा की सैकड़ो कृतियां आपको कण्ठस्थ थी। 12–13 वर्ष की आयु से ही आप स्वयं कविता लिखने लगे थे। दिनेश जी की गीता का आकाशवाणी द्वारा प्रसारण 20 वर्षों तक निरंतर किया जाता रहा। श्री हरि गीता के अतिरिक्त दिनेश जी ने उपनिषद, गीता ज्ञान आदि 30 ग्रन्थों की रचना कर माँ सरस्वती का कोष भर दिया और वेद, पुराण, आदि के छंदों का हिन्दी कविता में अनुवाद किया।

सन् 1941 में ''मानव धर्म'' मासिक पत्रिका का प्रकाशन आपके द्वारा किया गया। सन् 1949 में दिल्ली में आयोजित भार्गव सम्मेलन में आपने सक्रिय सहयोग दिया और आप कई वर्षों तक भार्गव पत्रिका के प्रधान सम्पादक भी रहे। आप वर्षो तक समाज सुधार समिति के सचिव व अध्यक्ष रहे। सन् 1957 में दिनेश जी कानपुर में आयोजित भार्गव सम्मेलन के सभापति निर्वाचित हुए और यह सम्मेलन सब प्रकार से सफल रहा। दिनेश जी एक योग्य व्याख्याता, पत्रकार, लेखक, कवि एवं अध्यात्म गुरु तो थे ही अपितु वे स्वतन्त्रता संग्राम के वीर सैनानी भी थे। असहयोग के दिनों में अपनी जोशीली और देशभक्ति पूर्ण कविताओं के लिए उन्हें अनेक बार कृष्ण मन्दिर (कारागार) में बन्द किया गया।

राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी ने राष्ट्रपति भवन में दिनेश जी की काव्य सुधा का पान करके कहा कि ''वर्तमान युग के दिनेश जी महर्षि व्यास हैं''। दिनेश जी के प्रवचनों के हिज मास्टर्स वाइस द्वारा रिकार्ड भी तैयार किए गए हैं। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, डॉ. राधाकृष्णण, पं. गोविन्दबल्लभ पंत, डॉ. पट्टाभी सीता रमैया, आदि विद्वान नेताओं ने आपकी भूरि–भूरि प्रशंसा की है। महर्षि भृगु, परशुराम अवतार एवं भक्त चरण दास की भक्त परम्परा को आगे बढ़ाते हुए शताब्दी में सबसे अग्रगण्य गीता प्रचारक हुए हैं। वे अपने पुरूषार्थ से स्वावलम्बी बने।

दिनेश जी ने 19 अप्रैल सन् 1974 को चिर विश्राम लिया। आकाशवाणी दिल्ली से प्रसारित इस समाचार को सुनकर गीता प्रेमियों के मन दुख से भर गये। आपके पुत्र सर्वेश जी मो. 9312154136 एवं पौत्र सुयश जी मो. 9350959732 गीता ज्ञान को समाज में फैला रहे हैं।

भगवती प्रसाद 1959–1960, 1962–1963

भगवती प्रसाद जी का जन्म श्री किशोरी लाल दिल्ली के परिवार में हुआ। स्कूल शिक्षा के बाद आप रिजर्व बैंक में कार्यरत रहे। वहां से आपने सन् 1960 में अवकाश ग्रहण किया।

आपका विवाह श्रीमती चन्द्रकांती के साथ हुआ। अभी जन सेवा में संलग्न ही थे कि 1965 में आपका देहान्त हो गया।

स्थानीय भार्गव सभा के 1959–60, 1962–63 में प्रधान रहे। आपके पुत्र ब्रज भूषण जी मो. 9650421722 भी समाज सेवा में संलग्न हैं। आपके पौत्र श्री संदीप मो. 9811415474 समाज में अग्रणी हैं।

डाक्टर पृथ्वी नाथ प्रधान 1961–1962

डाक्टर साहब का जन्म सन् 1897 में अलवर में विख्यात मुंशी परिवार में हुआ। सन् 1922 में बम्बई ग्रान्ट्स मैडिकल कॉलेज से एम.बी.बी.एस. पास करके कुछ समय रुड़की में प्रैक्टिस करने के आद आपने एडिनबरा विश्वविद्यालय में चर्म रोग विषय में विशेष योग्यता के साथ एम.आर.सी.पी. पास की तथा भारत वापस आने पर सन् 1928 में दिल्ली में प्रैटिक्स आरम्भ की तथा उन्नति व ख्याति के शिखर पर पहुंचे। सन् 1948 में आप अमेरीका गए। वहां से वापस आने पर दिल्ली के इरविन अस्पताल में अवैतनिक सीनियर फिजीशियन नियुक्त किए गए। वहां से आपने सन् 1958 में अवकाश ग्रहण किया। अभी जन सेवा में संलग्न ही थे कि 56 वर्ष की आयु में आपका देहान्त हो गया। डाक्टर साहब जब से दिल्ली में आए निरन्तर जाति सेवा करते रहे औपचारिक व सामाजिक दोनों ही क्षेत्रों में।

बहुत समय तक भार्गव युवक सभा के प्रधान रहे। केन्द्रीय भार्गव सभा की उपसमिति के सदस्य और स्थानीय भार्गव सभा के प्रधान भी रहे। आपके पुत्र श्री ओम प्रकाश जी भी प्रसिद्ध चिकित्सक थे। आपके पौत्र डा. पंकज मो. 9810077223 समाज में अग्रणी हैं।

पं. गोपीनाथ प्रधान 1963–65, 66–67

पं. गोपीनाथ का जन्म सन् 1902 में तागल गांव आगरा में पं. छज्जू लाल जी के यहाँ हुआ। आगरा यूनिवसिटी से गणित में एम. ए. तथा इलाहाबाद यूनिवसिटी से एम.एस.सी. की डिग्री प्राप्त की। 1926–27 में कलकत्ता में टीटागढ़ पेपर मिल्स में कार्यरत हो गये और 1929 में दिल्ली में शाखा खुलने के पश्चात् दिल्ली और कलकत्ता आते जाते रहे। 1965 तक दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, क्षेत्रों के शाखा प्रबन्धक रहे व इसी पद से अवकाश प्राप्त किया। 1944-45 के युद्ध के समय आपने जातीय बन्धुओं को ही नहीं अपितु दिल्ली में सभी स्कूलों को कागज की कमी के समय सही मूल्य पर कागज वितरण किया। 1965 में सेवा निवृत होकर भार्गव सभा के कार्यों में रुची लेनी प्रारम्भ की तथा 1967 में भार्गव सभा के अध्यक्ष पद को सुशोभित किया। उनकी पत्नी श्रीमती प्रकाशवती, भार्गव महिला सभा की अध्यक्ष रहीं तथा उनके एक मात्र पुत्र विश्वेश्वर नाथ जी दिल्ली भार्गव सभा के मंत्री रहे तथा भार्गव पत्रिका के सम्पादक रहे। आपका निधन 11 फरवरी 1979 को हुआ। आज आपकी पुत्रवधु सरोजनी जी मो. 9810022715 एवं पौत्र हैं।

स्व. श्री प्रकाशदत्त, एडवोकेट प्रधान 1967–69, 74–75, 77–79

श्री प्रकाशदत्त का जन्म सन् 1902 में अजमेर में आर्य समाज के वरिष्ठ नेता एवं स्वतंत्रता सेनानी पं. चन्दूलाल भार्गव के यहां हुआ। ग्वालियर निवासी पं. कन्हैयालाल जी की पुत्री सुश्री शांतिदेवी से आपका विवाह सन् 1936 में हुआ किन्तु दुर्भाग्यवश केवल 4 वर्ष का अल्प दाम्पत्य जीवन रहने के बाद आपका विवाह सिवनी के पं. लक्ष्मीनारायण जी की बहन सुश्री शांतिदेवी से सन् 1943 में हुआ। दिल्ली के वरिष्ठ कानून विशेषज्ञ एवं उच्च न्यायालय के सीनियर एडवोकेट की मर्यादा को कुशलता से निभाते हुए बार काउंसिल के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के दिल्ली, हरियाणा प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष पद पर रहे। भार्गव सभा से आपका सन् 1949 से निकट सम्बन्ध रहा और सन् 1972 में दिल्ली में आयोजित भार्गव सम्मेलन के आयोजन का उत्तरदायित्व आपने कुशलता से निर्वाह किया। सन् 1977 में जयपुर में आयोजित भार्गव सम्मेलन के आप सभापति निर्वाचित हुए। सन् 1978, 1980 एवं 1985 में भार्गव सभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। सभा के कार्यों में समय देकर जाति सुधार की समस्याओं को सुलझाया एवं रीति संग्रह के पुनर्लेखन के कार्य में अपना पूर्ण सहयोग दिया।

स्व. पं. हरिकृष्ण, आइस मशीनरी मार्ट
प्रधान 1969–71

पं. हरिकृष्ण पेशे से वकील थे और अधिकतर उन्हें वकील साहब के नाम से जाना जाता था। विभाजन के बाद वह पाकिस्तान से ग्वालियर आए जहाँ उन्होंने अपने भांजे श्री भारत भूषण भार्गव (पूर्व अध्यक्ष अखिल भारतीय भार्गव सभा, पूर्व महापौर ग्वालियर) के रेफ्रिजरेशन मशीन बनाने के व्यवसाय में मदद की। इसके बाद उन्होंने अपने व्यवसाय के दिल्ली रिटेल आउटलेट ऑफिस ''आइस मशीनरी मार्ट'' को दरियागंज में संभालना शुरू किया। उन्होंने व्यवसाय, पेशे और व्यक्तिगत जीवन में बहुत ऊँचे नैतिक मानदंडों के साथ जीवन व्यतीत किया। उनके तीन पुत्र श्री सुरेश चंद्र भोपाल, श्री द्वारकानाथ मेरठ, डॉ उमेश चंद्र अमेरिका और दो पुत्रियाँ श्रीमती रजनी भार्गव धर्मपत्नी स्व. श्री सोमेश्वर नाथ (इलाहाबाद) एवं श्रीमती मधु धर्मपत्नी डॉ राजकमल हैं। श्री हरिकृष्ण भार्गव दिसंबर 1979 में स्वर्गीय हो गए। उनके पोते–पोती भोपाल, मेरठ, दिल्ली और अमेरिका में रहते हैं। आज आपके पौत्र सुनील भार्गव जी मो. 9827053401 भोपाल में रहते हैं।

स्व. पं. श्रीराम प्रधान 1971–72

भारत के गुलाबी नगर जयपुर में पं. श्रीराम का जन्म 13 फरवरी 1907 को एक सम्भ्रांत भार्गव परिवार में हुआ। प्रारम्भिक शिक्षा समाप्त कर आप लाहौर में उच्च शिक्षा के लिये गये तथा पंजाब विश्वविद्यालय लाहौर से आपने प्रथम श्रेणी में बी.ए. सन् 1926 में तथा एल.एल.बी. की परीक्षा सन् 1928 में पास की। आपका विवाह मथुरा के पं. गंगाप्रसाद जी की पुत्री श्रीमती सरला देवी से हुआ। टैक्सेशन की प्रेक्टिस करने आप दिल्ली चले आये जहां से आपने ''टैक्सेशन'' नाम की पत्रिका का सम्पादन किया।

आपका भार्गव सभा से लगाव वर्षों तक रहा तथा जाति के हित में आप मुक्त हस्त से दान देते रहे तथा सक्रिय रूप से सेवा करते रहे। सन् 1971–72 में भार्गव सम्मेलन जो दिल्ली में हुआ था उसके आप स्वागताध्यक्ष थे तथा स्थानीय सभा दिल्ली के भी उसी वर्ष अध्यक्ष थे। आप टेक्नीकल एजूकेशन कमेटी के अध्यक्ष एवं भार्गव सभा के उपाध्यक्ष रह चुके थे। सन् 1976 में भार्गव सभा के अध्यक्ष पद को सुशोभित किया। आप अपना 174 जोरबाग का मकान अ.भा. भार्गव सभा को दे गये जो आज करोड़ो की सम्पत्ति है।

श्री जितेन्द्र नाथ प्रधान 1973–74

श्री जितेन्द्र नाथ का जन्म 19 फरवरी 1921 को अजमेर में श्री बाबुलाल भार्गव के यहां हुआ। आपने इलाहाबाद से एम.ए. करने के पश्चात् में हिन्दुस्तान में कब्जे बनाने की प्रथम फैक्ट्री दिल्ली में लगाई तथा बाद में रूपनगर में जौली इजीनियरिंग उद्योग की स्थापना कर निर्यात के लिए कब्जे और कुन्दे बनाने में श्रेष्ठता प्राप्त की तथा रंगून के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में हाथ के बनाये कब्जे सर्वश्रेष्ठ माने गये तथा जौली इजीनियरिंग वर्क्स को श्रेष्ठता का प्रमाणपत्र भी प्राप्त हुआ। आप दिल्ली भार्गव सभा के प्रधान पद पर सुशोभित रहकर समाज की सेवा करते रहे। आपका विवाह दिल्ली निवासी श्री गोरोधर भार्गव की सुपुत्री श्रीमती राजकुमारी जी से सम्पन्न हुआ, जो स्वयं भी दिल्ली व अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा की प्रधान व अन्य पदों पर तथा दिल्ली भार्गव सभा की कार्यकारिणी की सदस्य रह चुकी हैं। आपके परिवार के सदस्य धार्मिक प्रवृत्ति व मृदुभाषी हैं। पं. जितेन्द्र नाथ जी ने 20 जून 1973 को इस नश्वर संसार से विदा ली। आपके सुपुत्र श्री राजेश व पुत्र वधू अमिता सहित पूरा परिवार आपके पद चिन्हों पर चल कर समाज की सेवा कर रहे हैं।

श्री मुरारी लाल प्रधान 1975–77

दोस्तों व मित्रों में वेद जी के नाम से जाने जाते, आपने अपना सारा जीवन व्यापारी वर्ग और समाज सेवा में लगाया।

तिब्बिया कालेज से डॉक्टरी (BIMS) पढ़ने के पश्चात कुछ वर्ष प्रेक्टिस करी व बाद में व्यापार से जुड़े। देश के विभिन्न शहरों में अनेक व्यापारिक संस्थानों की स्थापना की और भार्गव परिवारों समेत अनगिनत लोगों को रोजगार में लगाया। जब आप केवल एक माह के थे तब आपकी माता जी का देहांत हो गया। कठिन परिश्रम द्वारा आपने सफलता अर्जित की।

एक समृद्ध व्यक्ति होने पर भी आप सादगी से रहते थे व गरीबों की सहायता को सदा तत्पर रहते। राष्ट्र की समस्याओं पर मित्रों से बराबर चर्चा करते रहते व उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन में भी भाग लिया। दोस्तों, कर्मचारियों व संबंधियों को उनमें सदैव एक सच्चा मित्र मिला। अपने जीवन काल में आपने धर्मार्थ दवाखानों के लिए लीलावती चैरीटेबिल ट्रस्ट व मुरारी लाल चैरीटेबल ट्रस्ट का गठन किया। आप दिल्ली भार्गव के प्रधान एवं सचिव भी रहे। आपके पुत्र श्री ओम प्रकाश (ओमी) मो. 9350163975 और प्रपौत्र श्री जितिन समाज सेवा में अग्रणी है।

पं. मनोहर लाल प्रधान 1979–81, 84–85

पं. मनोहर लाल भार्गव पं. सुन्दरलाल जी के ज्येष्ठ पुत्र थे। इनका जन्म 26 जून 1925 में रिवाड़ी में हुआ। आपने लखनऊ विश्वविद्यलाय से स्नातक की शिक्षा पास की। आप प्रारम्भ से ही निडर नेतृत्व की भावना से परिपूर्ण थे। जब स्वतंत्रता आंदोलन अपनी चरम सीमा पर था उसमें भाग लेते हुए इन्होंने जेल की यातनायें सही व गोली भी खाई। आप कांग्रेस सेवादल के सदस्य रहे। इनका विवाह अलीगढ़ कालेज के प्रधानाध्यापक पं. रघुनाथ सहाय की पुत्री श्रीमती प्रेमवती से हुआ। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद उन्होंने दिल्ली भार्गव सभा में सक्रिय भाग लेना शुरू किया। आप अखिल भारतीय भार्गव सभा से भी जुड़े रहे। कई वर्षों तक भार्गव सभा के प्रधान रहे। प्रारम्भ से ही समय के पाबन्द तथा दृढ़–निश्चयी थे। आपकी पत्नी श्रीमती प्रेमवती ने आपकी स्मृति में 10,000/– की निधि स्थापित की। बेनी प्रसाद ट्रस्ट के ट्रस्टी थे। आप की मृत्यु 18 नवम्बर 1993 में हुई। आपके तीन पुत्र कर्नल डॉ. नगेन्द्र, इंजी. राकेश, योगेन्द्र व दो पुत्रियां डॉ. मंजु, एडवोकेट मृदुला हैं। आपके पुत्र राकेश मो. 9868163897 एवं पुत्रवधु नीलम सभी सभाओं में अपना योगदान देते हैं।

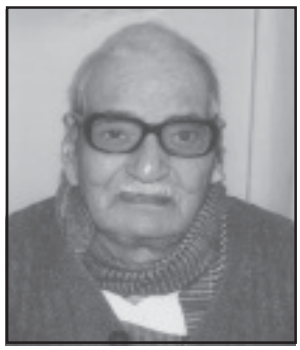

श्री किशोरी लाल प्रधान 1981–83

पं. किशोरी लाल का जन्म एक संभ्रान्त परिवार में सन् 1913 में हुआ। प्रारम्भिक शिक्षा–दीक्षा किशोरी रमन हाई स्कूल मथुरा में लेने के बाद आपने कानपुर से बी.एस.सी. तथा एम.एस.सी प्रीवियस पास करके टैक्नोलोजिकल इंस्टीट्यूट से शुगर टेक्नोलोजिस्ट की डिग्री प्राप्त की। सन् 1935 में आपका विवाह दिल्ली निवासी पं. हेमचन्द्र जी की पौत्री श्रीमती गीता देवी से हुआ। 6 वर्ष गोमल इन्स्टीट्यूट ऑफ शुगर टेक्नोलाजिस्ट में टेक्नीकल एसिस्टेंट के पद पर नौकरी करने के पश्चात चांदनी चौक दिल्ली में सन् 1900 से स्थापित हेमचन्द्र भार्गव एण्ड कं. का चित्र प्रकाशन का कार्य श्री किशोरी लाल जी ने सन् 1943 में संभाला व उसके सुचारू रूप से प्रगति की ओर ले गये।

पं. किशोरी लाल जी दिल्ली भार्गव सभा के 25 वर्ष लगातार कोषाध्यक्ष रहे और 60 वर्षों तक लगातार भंडारी के रूप में जाति बन्धुओं की सेवा करना आपकी एक विशेष उपलब्धि है। भार्गव सभा दिल्ली की कार्यकारिणी में अनेक पदों पर रहते हुए 1981–83 तक प्रधान के पद पर रहे। आप भार्गव सभा की प्रबन्धक समिति के सन् 1960 से सदस्य रहे एवं 1966 से सभा के उपप्रधान लगातार चुने गये। आप 1985–86 में 2 वर्ष के लिए अ.भा. भार्गव सभा के प्रधान रहे। पं. किशोरी लाल जी को ईश्वर भक्ति में पूर्ण विश्वास व अटूट श्रद्धा थी। आज आपकी पुत्री शकुन्तला जी मो. 8368336387 सत्संग भवन का कार्य संभाल रही हैं।

स्व. श्री राघव नाथ प्रधान 1983–84

श्री राघव नाथ का जन्म, मथुरा निवासी श्री द्वारका नाथ वकील के घर सन् 1919 में हुआ। मथुरा और इलाहाबाद में अपनी शिक्षा पूरी कर आपने अपने बड़े भाई श्री कैलाश नाथ के साथ सन् 1937 में नौवेक्स ड्राई क्लीनर्स के नाम से वस्त्रों की ड्राई क्लीनिंग का व्यवसाय आरम्भ किया। राघव जी जहाँ बहुत सी विदेशी व्यवसायिक संस्थाओं के सक्रिय सदस्य थे, वहाँ वह नई दिल्ली ट्रेडर्स ऐसोसियेशन, एवम् दिल्ली फैक्टरी आनर्स फैडरेशन के प्रधान भी थे। उन्होंने लघु उद्योग एवम् सर्विस उद्योग को मान्यता दिलवाने में उल्लेखनीय कार्य किया। जाति सेवा के क्षेत्र में भी राघव जी सदैव याद रखे जायेंगे। वह स्थानीय भार्गव सभा दिल्ली और केन्द्रीय भार्गव सभा में वर्षों सक्रिय रहे। 1986–87 में अ.भा.भा.सभा के प्रधान भी रहे। 4 जनवरी 1988 को राघव जी का स्वर्गवास हो गया। उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रेम भार्गव उन्हीं की तरह समाज सेवा के कार्यों में तत्परता से लीन थी। आपके दो सुपुत्र स्व. श्री यादव और श्री अतुल मो. 9810095151 हैं।

श्री रविशंकर प्रधान 1985–86

पं. राधा रमन जी एवम् श्रीमती कमलावति के सुपुत्र श्री रवि शंकर का जन्म शिवरात्रि के दिन 1928 को दिल्ली में हुआ। आपने 1950 में दिल्ली विश्वविद्यालय के सैंट स्टीफन कॉलिज से इतिहास में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की। आपने हॉकी में अपने विद्यालय, विश्वविद्यालय एवम् दिल्ली भार्गव क्लब का प्रतिनिधित्व किया। आपने 1950 से 1954 तक सरकारी नौकरी के बाद 1954 से 1975 तक भाईयों के साथ कैक्सटन प्रैस में काम किया। 1975 से नोवेक्स से सेवारत रहे। आप दिल्ली भार्गव क्लब के मन्त्री एवम् दिल्ली भार्गव सभा के सहायक मंत्री, 1979 से 1981 तक मंत्री तथा 1985–86 में प्रधान रहे हैं और दिल्ली भार्गव डायरेक्ट्री के प्रथम चार संस्करणों का प्रकाशन आप ही ने किया। आप 1975 से केन्द्रीय भार्गव सभा से सक्रिय जुड़े हैं। सभा के आजीवन सदस्य, कार्यकारिणी के सदस्य, सहायक मंत्री, उप प्रधान और सभा की लगभग सभी उपसमितियों के सदस्य रह चुके हैं। आज आपके परिवार में पुत्र मोहित मो. 9880565240 बंगलौर में हैं।

श्री योगेश्वर सहाय प्रधान 1986–90

आपका जन्म 5 मई 1931 को श्री रघुनाथ सहाय के यहां अनूपशहर में हुआ। हाई स्कूल व इन्टरमीडिएट की पढ़ाई के पश्चात् बिरला इंसटिट्यूट पिलानी से बी. फार्मा कर, तेरह साल तक दवा निर्माण के क्षेत्र में विभिन्न संस्थानों में काम किया 1967 में अपना व्यवसाय कीर्ति नगर, दिल्ली में साईपर फार्मा के नाम से शुरू किया। जहाँ उत्कृष्टता के साथ पूरे स्वस्थ वातावरण में केवल कैप्सूल विभाग चलाया। एक अन्य संस्थान साइपर ड्रग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल चालू होने पर उत्पादन दिनोदिन बढ़ता रहा। 1997 में उक्त संस्थान को, तामिलनाडू सरकार द्वारा उद्योग रत्न की उपाधि और उच्चता प्रमाण पत्र दिया गया। ऑल इंडिया स्माल स्केल मेन्यूफेकचर्स एशोसियेशन के ''हाई जैलिटिन केपस्यूल्ज एण्ड केपसूल फिलिंग मशीन'' गौष्ठी के उद्घाटन पर सम्मानित किया गया।

आप 1987 से 1990 तक दिल्ली भार्गव सभा के प्रधान रहे व आपका परलोक गमन 2 दिसम्बर 2000 में हुआ। आज उनकी पुत्रवधु रजनी मो. 9810841971 एवं पौत्र डॉ. प्रथम भार्गव एंव डॉ. पलक भार्गव हैं।

श्री सत्यनारायण प्रधान 1990–91

आपका जन्म सन् 1935 में दिल्ली के एक मध्यम वर्गीय परिवार में श्री रामेश्वर दयाल जी भार्गव के यहां हुआ। आपके दो पुत्र व एक पुत्री हैं। जरूरतमन्दों की सेवा करने का गुण आपको अपने पिता जी के मार्गदर्शन से मिला जो कि बाल्यकाल से ही आपमें विद्यमान है। दिल्ली में आपने शैक्षणिक योग्यता प्राप्त की। सन् 1955 में अजमेर में युनाइटिड कमर्शियल बैंक में कार्य किया। आप यू. को. बैंक एम्पलोईज एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी के पद के बाद प्रधान के पद पर निर्वाचित हुए। सन् 1963 में आपने दिल्ली में बैंक ऑफ टोकियो में कार्य भार सम्भाला। साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक तथा बैंक ऑफ टोकियो, जापान द्वारा आयोजित अनेंक ट्रेनिंग प्रोग्राम में हिस्सा लिया।

सन् 1990–91 में दिल्ली भार्गव सभा के प्रधान रह चुके हैं। 1996 से कई वर्षो तक अखिल भारतीय भार्गव सभा के सचिव पद पर अपनी निःस्वार्थ सेवाऐं प्रदान करी। भार्गव आश्रम–गंगा आश्रम हरिद्वार मैनेजिंग कमेटी, केन्द्रीय जायदाद समिति इत्यादि विभिन्न उपसमितियों के सदस्य रह चुके हैं। समाज के किसी भी कार्य को करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। आज आपके पुत्र श्री अतुल मो. 9811910443 फरीदाबाद में निवास कर रहे हैं।

डॉ. नरेश चन्द्र प्रधान 1991–92

डॉ. नरेश चन्द्र जी का जन्म स्व. श्री बलवन्त राय जी के परिवार में 15 दिसम्बर 1932 को इलाहाबाद में हुआ। आरम्भिक शिक्षा कानपुर में कर डॉक्टर की उपाधि लखनऊ से उत्तीर्ण की। आप सफदरजंग अस्पताल में 30 वर्ष तक विभागाध्यक्ष व यौन रोग (S.T.D.), Advisor Govt. of India, Ministry of Family Welfare में पांच वर्ष तक आसीन रहे। देश व विदेशों की कार्यशालाओं में भाग लेते हुए आपके 70, 80 शोध प्रकाशित हुए। आप W.H.O. में Consultant रहे। IASSTD तथा IADVL, Delhi शाखा के प्रधान रहे। W.H.O. की Fellowship पर अमेरिका व ब्रिटेन में कार्य किया। आप दिल्ली भार्गव सभा के विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए 1991–1992 में प्रधान पद पर सुशोभित रहे। आपकी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती रमा जी सुपुत्री श्री शिव दयाल जी, लखनऊ भी भार्गव महिला सभा के विभिन्न पदों पर व उपाध्यक्ष पद पर आसीन रहीं। आपने सभा में समाज के लाभार्थ निधियाँ स्थापित की। आपके सुपुत्र श्री मनीष मो. 9811201004 व पुत्रवधू श्रीमती अर्चना गुरुग्राम में निवास कर रहे हैं। आपकी समाज के प्रति सेवा को देखते हुए दिल्ली भार्गव सभा द्वारा आपको 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' भी दिया जा चुका हैं।

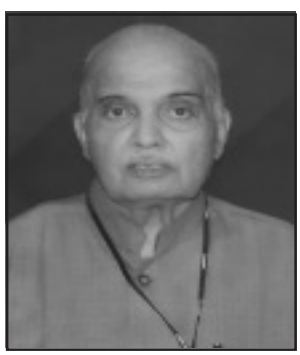

श्री ओम प्रकाश प्रधान 1992–94

श्री ओम प्रकाश का जन्म 18 फरवरी 1941 को श्री कुंज बिहारी लाल जयपुर के यहाँ हुआ। प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् 1960 में बी.एस.सी आनर्स रसायन शास्त्र दिल्ली विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण करने के बाद आपका विवाह श्रीमती इंदू सुपुत्री श्री कान्ती प्रसाद भार्गव से 11 मई 1965 को हुआ। आप श्रीनागेश मेडिकेयर प्रा. लिमिटेड के मैनिजिंग डायरेक्टर थे एवं 1983–84 में आपको गोल्ड मैडल मिला। नेशनल स्माल इंडस्ट्रीज, मिनिस्ट्री ऑफ इंडस्ट्रीज के पैनल में सिल्वर रिकवरी विशेषज्ञ थे। 1989 में नेशनल स्माल इंडस्ट्रीज द्वारा आपको श्रीलंका में सिल्वर रिकवरी उद्योग की स्थापना व ट्रेनिंग देने के लिए भेजा गया।

1992 से 1994 तक आप दिल्ली भार्गव सभा के प्रधान रह चुके हैं। अखिल भारतीय भार्गव सभा के कोषाध्यक्ष एवं हैरिटेज कमेटी के संयोजक रहे। INTECH Chapter महेन्द्रगढ़ डिस्ट्रिक्ट के संयोजक थे। बेटल्स ऑफ पानीपत मैमोरियल सोसाइटी हरियाणा जिसके हरियाणा के राज्यपाल अध्यक्ष हैं, द्वारा आप सदस्य मनोनीत किए गए। आपकी देख रेख में पानीपत की दूसरी लड़ाई का चित्रण पानीपत संग्रहालय में किया गया। आज आपके परिवार मे अनूप मो. 9818562727 और सुपुत्री अलका धर्मपत्नी श्री विजेन्द्र जयपुर हैं।

श्री कमलेश्वर प्रसाद 1994–95, 99–01

श्री कमलेश्वर प्रसाद का जन्म 7 जुलाई 1934 को आगरा में पं. कान्ता प्रसाद भार्गव के यहां हुआ। आपकी शिक्षा जोधपुर व आगरा में हुई जहां आपने एम.एस.सी. परीक्षा में सफलता प्राप्त की। दिल्ली में खाद्य एवं कृषि मंत्रालय में 1955 में नौकरी शुरू की। नौकरी के दौरान आपने एस.ए.एस. एवं बिजनेस मैनेजमेन्ट का डिप्लोमा प्राप्त किया। आपने उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों को ट्रेनिंग कोर्स में लेक्चर भी दिए। आपने भारत सरकार के उपक्रम एन.एस.आई.सी. में डेपूटेशन पर 2 वर्ष तक कार्य किया। आपने यू.एन.ओ. की संस्था UNCTADII सचिवालय में डेपूटेशन पर कार्य किया। FCI Sport Control Board में कोषाध्यक्ष रहे। AIFCP Officers Association में Vice President भी रहे। आपका विवाह श्रीमती मिथलेश सुपुत्री स्व. श्री हरि शंकर एवं श्रीमती वृन्दावती के साथ 11 दिसम्बर 1960 को हुआ। 1961 में आप दिल्ली भार्गव सभा के कार्यकारिणी सदस्य बने। 1973 में आगरा भार्गच सभा के सचिव, 1980 में दिल्ली भार्गव सभा के संयुक्त सचिव एवं 1981–83 मे आप दिल्ली भार्गव सभा के मंत्री चुने गये। स्थानान्तरण के कारण आपको बीच में ही त्याग पत्र देना पड़ा। आप 1987–1990 तक लखनऊ भार्गव सभा के मंत्री रहे तथा सभा को पुनः प्रारम्भ किया। आप दिल्ली भार्गव सभा के उप मंत्री, मंत्री, उपाध्यक्ष व अध्यक्ष रहे। 1994 में अखिल भारतीय भार्गव सभा का अधिवेशन आपकी प्रधानता में हुआ। 1999–2001 में आप दिल्ली भार्गव सभा के पुनः प्रधान रहे जब 1999–2000 में दिल्ली भार्गव सभा ने अपना शताब्दी वर्ष धूमधाम से मनाया। जिसका समापन फिक्की सभागार में किया गया। अ. भा. भा. सभा में आप अनेक वर्षों कार्यकारिणी के सदस्य रहे। 1985–86 में सहायक मंत्री रहे। 1985–86 में समाज कल्याण समिति के संयोजक रहे। 1990 में चुनाव अधिकारी व 1997 से 99 तक कोषाध्यक्ष रहे। आप समन्वय समिति के 1991 से 1994 तक संयोजक रहे।

संत चरणदास द्विशताब्दी समारोह समिति के कोषाध्यक्ष पद पर रहकर आपने प्रशंसनीय कार्य किया तथा स्मारिका के संकलन एवं प्रकाशन में अपना सहयोग प्रदान किया। आप इसके मंत्री व उपाध्यक्ष रहे। आप धार्मिक कार्यों में रुचि रखते हुए हरिद्वार में धार्मिक आयोजन करते रहे हैं। समाज की सेवा करने के लिये हर समय तत्पर रहते हैं। श्री कमलेश्वर प्रसाद भार्गव, दिल्ली सन् 1961 से भार्गव जाति की सेवाकार्य में रत हैं तथा विभिन्न पदों पर कई शहरों की भार्गव सभाओं व अखिल भारतीय भार्गव सभा में कार्य का अनुभव रखते हैं। आप पांच दशकों से निष्पक्ष भाव व कर्तव्यनिष्ठा से कार्य कर रहे हैं। आप अनुभवी, सुशिक्षित, प्रगतिशील, विचारक, कुशल प्रबन्धक व समाजसेवी होने के साथ–साथ वर्षों से भार्गव समाज की सेवा कर रहे हैं। दिल्ली भार्गव सभा द्वारा आपको Life Time Achievment Award दिया जा चुका है।

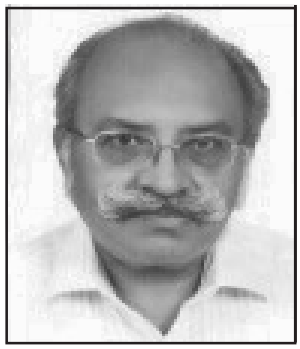

श्री ओम प्रकाश ''ओमी'' प्रधान 1995–96
प्रधान अ.भा. भार्गव सभा 2017–19

श्री ओम प्रकाश ''ओमी'' का जन्म 11 अप्रैल 1950 को डा. मुरारी लाल, न्यू रोहतक रोड के यहाँ हुआ। अपनी शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात आपने अपने पिता के व्यापार अमोनिया सप्लाई कं. में 1972 से बैठना प्रारम्भ किया। आप का विवाह सौ. निशा भार्गव के साथ 4 दिसम्बर 1973 को हुआ। आप अपने पिता के पद चिन्हों पर चलते हुए समाज सेवा में अग्रसर रहने लगे।

सन् 1995–96 में आप दिल्ली भार्गव सभा के प्रधान रहे। अखिल भारतीय भार्गव सभा के 2003–17 तक 14 वर्ष कोषाध्यक्ष एवं 2017–19 में प्रधान पद पर भी रहे। आप मैसोनिक लाज के मैम्बर व अमोनिया एसोसिएशन के उपप्रधान हैं।

आप के एक पुत्र जितिन व दो पुत्रियाँ हैं। पुत्र का विवाह श्रीमती हर्षिता के साथ हुआ। आप बेनी प्रसाद ट्रस्ट के ट्रस्टी सैकेटरी हैं। आपकी समाज के प्रति सेवा को देखते हुए दिल्ली भार्गव सभा द्वारा आपको 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' भी दिया जा चुका हैं।

e-mail : signcityadve@gmail.com Jitender : 9818925208

Sign city
advertising

the complete solution of intrior, exterior advertising display

All Type of : Indoor Signage, Outdoor Signage, Wall Graphic
3m & Imp. Decorative Films, Safety & Sun Control Films
Neon & Deabond Singage, Fire, Toilet & Direction Plates
Brass, Steel & Metal Letters, Indoor Corporate Signs
All Acrylic Display Items

Office : A-87, Lane No. 8, Shastri Park, Delhi-110053

श्री बालकृष्ण 1996–97

श्री बाल कृष्ण भार्गव का जन्म 18 मार्च 1938 को झांसी में पं गोविंद प्रसाद –शारदा भार्गव के यहां हुआ। स्नातक व साहित्य रत्न की उपाधि प्राप्त कर आई.जी.एफ. आर.आई.,झांसी में जूनियर साइंटिफिक अस्सिटेंट के पद से स्थानांतरित होकर आई.सी.ए. आर.,दिल्ली से सेक्शन ऑफिसर के पद से अवकाश प्राप्त किया।

बाल कृष्ण जी लगभग चार दशकों से भार्गव सभा को समर्पित हैं। अ. भा. भा. सभा – अडहॉक मैनेजमेंट कमेटी के चीफ कन्वीनर (89– 90), सेक्रेट्री, (88– 93), सेंट्रल प्रॉपर्टी कमेटी (92 –93), फाइनेंस कमेटी (2001–03), ट्रेजरर (99–03), कन्वीनर वंश वृक्ष उप समिति (07–09), एग्जीक्यूटिव मेंबर ऑफ सैंटीनरी सेलिब्रेशन व भार्गव आश्रम कमेटी, पूर्व सब एडिटर भार्गव पत्रिका और अन्य समिति। दिल्ली सभा में प्रधान (96–97), जनरल सेक्रेटरी (1983–95, 1998–99), चीफ कन्वीनर शताब्दी समारोह समिति (2000)। वर्ष 2000 में दो दिवसीय शताब्दी समारोह फिक्की ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। इस अवसर पर चांदी के सिक्कों का निर्माण कराया गया था। वर्तमान में सलाहकार समारोह आयोजन, जनरल सेक्रेटरी आर. डवलू. ए., पैटर्न ब्राह्मण सभा, मेम्बर ऑफ ट्रिब्यूनल, दिल्ली सभा और सब एडिटर समाचार दर्शिका।

आप ही के कार्यकाल 1990 में सभा का पंजीकरण हुआ। सभा में प्रथम बार निधियां बनना आप ही की सूझबूझ रही। आपने स्वयं अखिल भारतीय भार्गव सभा, अ.भा.महिला सभा, दिल्ली सभा व महिला सभा में निधियों का गठन किया है। सभागार में स्नेह सम्मेलन नाम आप ही की देन है। आप अच्छे लेखक हैं जिनके लेख व कविताएं समय–समय पर छपते रहते हैं। भार्गव सभा के लिए स्मृति पुस्तिका, संक्षिप्त रामायण मय गोत्र व कुलदेवी, 25 वर्ष का भार्गव सभा का इतिहास (1989 से 2014) तथा वंशावली नामक पुस्तकों का संयोजन, लेखन, व संपादन आप ही ने किया। आपको भार्गव पत्रिका व राघव नाथ अवार्ड से सम्मानित किया गया। दिल्ली सभा व अ.भा.भा सभा से लाइफ टाइम अवार्ड तथा अन्य अवार्डस से सम्मानित किया गया। स्व. श्री रवि शंकर जी ने आप ही के कार्यकाल में भृगवंशी संदेश नामक पत्रिका का रजिस्ट्रेशन कराकर प्रकाशन आरम्भ किया। आपका विवाह संतोष जी (सुपुत्री मा. रामजीलाल– बसन्ती) से हुआ। स्व. संतोष जी दिल्ली सभा में सह मंत्री और महिला सभा में मंत्राणी व कोषाध्यक्ष के पद पर सुशोभित रहीं। आपके सुपुत्र स्व. विनीत जी भी दिल्ली सभा (96–97) व युवा संघ के भी महामंत्री रहे। यह समय था जब पिता प्रधान एवं पुत्र महामंत्री रहे। आपके छोटे सुपुत्र नीरज (कालरा हास्पिटल मे कार्यरत) युवा संघ व सभा में सह मंत्री पद पर रह चुके हैं। आपके परिवार में बड़ी पुत्रवधू अल्पना (सुपुत्री स्व धीरेंद्र नाथ जी, रायबरेली), छोटे सुपुत्र नीरज व उनकी पुत्रवधू अनिता (सुपुत्री श्री अशोक जी दिल्ली) और अपने पोते, पोतियों डां. मेघना, हिमानी, युवराज, नव्या एवं स्व. विनिता एवं शालिनी है।

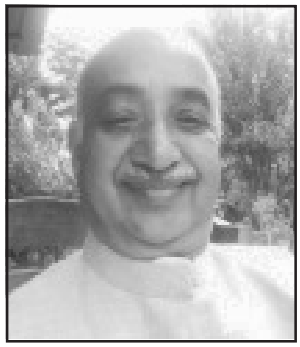

श्री सुधीर भार्गव, प्रधान 1997–1998

श्री सुधीर भार्गव जन्म सन् 4 फरवरी 1952 को श्री धनपत राय भार्गव के यहां हुआ। आप स्नातक की डिग्री प्राप्त कर बिजली के व्यवसाय में लग गये। आपका विवाह 1980 में श्रीमती अनिता (सुपुत्री श्री त्रिलोकी नाथ, जयपुर) से सम्पन्न हुआ।

आपके वैभव –स्वाति (इन्दौर) तथा अंकित – नेहा (मथुरा) दो पुत्र– पुत्रवधु हैं। दिल्ली भार्गव युवा संघ के आप कई वर्षों तक संयुक्त सचिव, सचिव रहते हुए प्रधान एवं अखिल भारतीय युवा संघ के 1987–89 महामंत्री रहे। संघ के कार्यों हमेशा तत्पर रहते हैं व प्रत्येक कार्य रुचि के साथ करते हैं। अधिवेशन अवसर पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम के संयोजक रहे। 1978 में आप शतरंज के चैम्पियन (राज.) दिल्ली स्टेट से रहे हैं। आप इलेक्ट्रिक ट्रेडर्स एसोसिएशन के 1985 में प्रधान रहे। आप दिल्ली भार्गव सभा के महामंत्री एवं 1997–98 में प्रधान रहे।

श्री विष्णु कुमार प्रधान 1998–99

श्री विष्णु कुमार सुपुत्र स्व. श्री कैलाश नारायण का जन्म सन् 1938 में हुआ। आपका विवाह श्रीमती करुणा भार्गव से हुआ। आप किशोरी रमण महाविद्यालय मथुरा की कार्यकारिणी के सदस्य तथा लायन्स क्लब कनॉट प्लेस दिल्ली के अध्यक्ष रहे। दिल्ली प्रशासन द्वारा मनोनीत सेल्स टैक्स एडवाइजरी कमेटी तथा कन्ज्यूमर्स प्रोटेक्शन काउन्सिल के सदस्य थे। आप राजस्थान चेम्बर ऑफ कामर्स के सदस्य तथा कार्यकारिणी के चार वर्षों तक सदस्य रहे। सन् 1975 में अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ के अध्यक्ष रहे तथा भार्गव समाचार दर्शिका के संस्थापक हैं। आप अखिल भारतीय भार्गव सभा के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। आपने पिताश्री की स्मृति में स्थापित ट्रस्ट से स्व. श्री कैलाशनारायण द्वारा लिखित ''शांति पथ'' एवं ''रोड़ टू हैप्पिनैस'' पुस्तकों का प्रकाशन किया। शांति पथ के तृतीय संस्करण का 1988 में उपराष्ट्रपति माननीय श्री शंकरदयाल शर्मा द्वारा विमोचन किया गया। सन् 1976 में विष्णु कुमार जी तथा श्रीमती करुणा ने द्वितीय विश्व हिन्दी सम्मेलन मारीशस में भारत का प्रतिनिधित्व किया जिसके अध्यक्ष तत्कालीन शिक्षा मन्त्री माननीय डॉ. कर्ण सिंह थे। दिल्ली भार्गव सभा के 1998–99 में प्रधान रह चुके हैं। आपके तीन पुत्रियाँ रुचि, शचि, पारुल व सुपुत्र नितिन हैं।

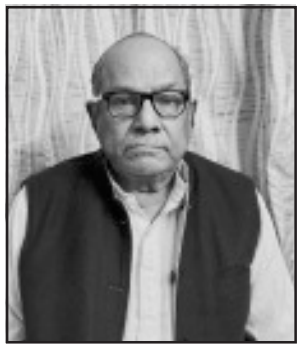

श्री कन्हैया लाल प्रधान 2001–03

श्री कन्हैया लाल का जन्म प्रसिद्ध पेपर व्यवसायी स्व. नत्थीमल भार्गव के यहां 15 अगस्त 1942 को हुआ। अपनी शिक्षा प्राप्त कर आप दिल्ली जल बोर्ड मे कार्यरत हुए और एडीशनल कमिश्नर के पद से सेवानिवृत हुए। आपका विवाह श्रीमती रमा लक्ष्मी के साथ 25 फरवरी 1962 को हुआ। आप के दो पुत्र व तीन पुत्रियां हैं। दिल्ली युवा संघ की कार्यकारिणी के कर्मठ सदस्य रहे। आप के.के. कोआपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी लि. भृगु एपार्टमेंट के प्रधान व झण्डेवालान देवी मंदिर के प्रबंधक थे।

आप दिल्ली भार्गव सभा के सह–सचिव व सचिव 1975 से 1977 तक व 2001–2003 तक प्रधान रह चुके हैं। आपकी समाज के प्रति सेवा को देखते हुए दिल्ली भार्गव सभा द्वारा आपको 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' भी दिया जा चुका हैं।

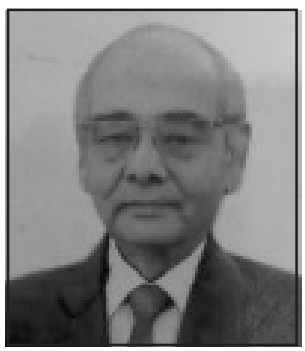

श्री देवेंद्र भार्गव प्रधान 2003–07

श्री देवेंद्र भार्गव का जन्म 19 दिसंबर 1939 को दिल्लीवासी श्री सुंदरलाल जी भार्गव और अशर्फी देवी के यहां हुआ। आपका विवाह कानपुर निवासी शशी भार्गव के साथ 1964 में हुआ था। आपने अपना जीवन का ध्येय वाक्य ''तन समर्पित मन समर्पित भार्गव समाज तेरे लिए मेरा जीवन समर्पित'' बनाया हुआ है। 1965 से आप भार्गव सभा के सक्रिय सदस्य हैं। आपने अखिल भारतीय युवा संघ का नेतृत्व दो बार किया। 1972 आप अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ के अध्यक्ष थे। 1977 में आप पुनः अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ के अध्यक्ष के रूप में स्थापित हुए। दोनों कार्यकाल में आपने दिल्ली भार्गव युवा संघ की कांफ्रेंस दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न करवाई। आप दिल्ली भार्गव सभा के 2003 से 2007 तक अध्यक्ष रहे। आपने अपने इस कार्यकाल में दिल्ली में अखिल भारतीय भार्गव सभा की कॉन्फ्रेंस सफलतापूर्वक कराई। आप अखिल भारतीय भार्गव सभा के कई बार वाइस प्रेसिडेंट रह चुके हैं। आप पिछले 30 सालों से बेनी प्रसाद ट्रस्ट के एग्जीक्यूटिव मेंबर हैं। आपके दो पुत्र अरविंद (पुत्रवधू नीता), प्रवीण (पुत्रवधू ऋचा) और एक पुत्री शोभना (दामाद आनंद भार्गव) है। सभी भार्गव समाज के लिए सदैव समर्पित रहते हैं। आपकी समाज के प्रति सेवा को देखते हुए दिल्ली भार्गव सभा द्वारा आपको 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' भी दिया जा चुका हैं।

श्री शशी भूषण भार्गव प्रधान 2007–08

श्री शशि भूषण का जन्म 20 जुलाई 1937 को स्व. विद्यावती–स्व. श्याम सुंदर भार्गव कानपुर के एक संपन्न, संस्कारित और प्रतिष्ठित परिवार में हुआ। शिक्षा कानपुर से पूर्ण की और आगे चलकर DTM की उपाधि प्राप्त की। वर्ष 1963 में उनका विवाह श्रीमती राजेश्वरी भार्गव से हुआ। उनके तीन पुत्र हुए। कानपुर में कार्यरत रहते हंए वर्ष 1990 में वे अपने काम के सिलसिले में इंडोनेशिया चले गए, जहाँ उन्होंने उच्च पदों पर रहते हुए शानदार प्रतिष्ठा अर्जित की। अपने 44 वर्षीय करियर में टेक्सटाइल उद्योग में विशेष नाम कमाया। हिमसन टेक्सटाइल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज प्रा. लि. में Chief Operating Officer के पद पर कार्यरत रहे और हेड R&D के रूप में कार्य किया। उन्होंने भारत में पहली बार ऊर्जा की बचत और बेहतर यार्न क्वालिटी के लिए 3 नए तकनीकी सिस्टम विकसित किए, जिन्हें उद्योग में अत्यंत नवाचारी माना गया। 22 वर्ष जे.के. कॉटन स्पिनिंग एंड वीविंग मिल्स कानपुर, 6 वर्ष पी.टी. इंदोरामा, 6 वर्ष एलएमएल कानपुर, 5 वर्ष रिलायंस इंडस्ट्रीज में कार्य कर 2001 में रिलायंस इंडस्ट्रीज से सीनियर वाइस–प्रेसिडेंट के पद से सेवानिवृत्त हुए। आप वर्ष 2007–09 में दिल्ली भार्गव सभा के प्रधान बने। वर्ष 2009 में ABBS हरिद्वार अधिवेशन में उनके द्वारा किए गए विशेष कार्यों के लिए शिखर भार्गव मेमोरियल सम्मान से सम्मानित किया गया। आप अगस्त 2013 में वे सबको छोड़कर स्वर्ग सिधार गए।

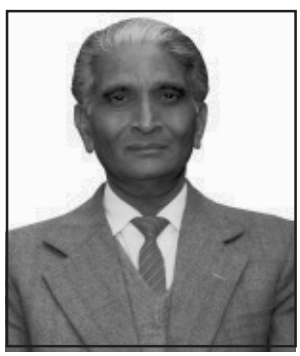

श्री सुरेन्द्र नाथ भार्गव प्रधान 2008–09

आपका जन्म दिल्ली के प्रतिष्ठित परिवार निरंजन लाल जी के यहां 15 अक्टूबर 1934 को हुआ। आपकी प्रारंभिक शिक्षा दिल्ली में हुई। बी.एसी करने के बाद आपने दिल्ली सरकार में सरकारी नौकरी की। आपका विवाह श्रीमती राजकुमारी सुपुत्री श्री प्रेम स्वरूप जोधपुर के साथ 5 फरवरी 1967 को हुआ।

आपके 1 पुत्र राजीव और 1 पुत्री हुए। आपका पूरा परिवार सामाजिक कार्यों में लगा रहता है। दिल्ली भार्गव सभा के वर्षों कार्यकारिणी सदस्य और उप प्रधान रहे। सभा के लिए चंदा एकत्र करने के लिए अपना भरपूर योगदान देते थे। 2007 में दिल्ली भार्गव सभा के प्रधान रहे। आपकी पत्नी राजकुमारी जी भी उनका पूरा साथ देती थी। वो स्वयं भी भार्गव महिला सभा दिल्ली के सभी पदों पर रहते हुए प्रधान पद पर रही इसके साथ भार्गव सभा की भी कार्यकारिणी सदस्य एवम उप प्रधान रही। आपके पुत्र राजीव मो. 9810440015 भी सभा के कार्यों में अपना पूरा योगदान देते है और दिल्ली भार्गव युवा संघ के प्रधान भी रह चुके है। सुरेन्द्र नाथ जी अपने अंत समय तक सभा की सेवा करते रहे। आपका निधन 18 फरवरी 2018 को हुआ।

श्री योगेश भार्गव प्रधान 2009–13

श्री योगेश भार्गव का जन्म स्वतन्त्रता वर्ष 1947 में 21 सितम्बर को दिल्ली के प्रतिष्थित परिवार श्री केदारनाथ एवं श्रीमती शान्ति देवी के यहाँ हुआ। अपनी प्रारम्भिक शिक्षा दिल्ली व आगरा में प्राप्त कर इन्स्टीट्यूट ऑफ प्रिंटिंग टैकनालॉजी, इलाहाबाद से प्रिटिंग का डिप्लोमा लेने के पश्चात् प्रिंटिंग प्रेसों में रचनात्मक कार्य किया। आपको 1968 में मुद्रम दीप पत्रिका का सम्पादक बनाया गया तथा उस पत्रिका के प्रकाशन में Running Shield प्राप्त की। विरासत में मिली सामाजिक सेवा में सदैव तत्पर योगेश जी पर शताब्दी वर्ष की स्मारिका का पूर्ण दायित्व था। आप अ. भा. भार्गव युवा संघ के कोषाध्यक्ष एवं प्रधान पद पर आसीन रह चुके है तथा छठे अखिल भारतीय भार्गव युवा सघ (1985) के सभापति रह चुके है। दिल्ली युवा संघ के संस्थापक तथा स्थानीय मार्गव समा के महामंत्री वर्ष 1997–98 में व कार्यकारिणी के कर्मठ कार्यकर्ता तथा भार्गव समाचार दर्शिका के सम्पादक होने के साथ–साथ आप स्वभाव से नम्र, हसमुख एवं मिलनसारी में प्रसिद्ध हैं।

आपका विवाह जयपुर निवासी श्री राम नाथ जी की सुपुत्री सौ. मधु से सम्पन्न हुआ। आपके एक पुत्र व एक पुत्री है। पुत्री का विवाह भिलाई निवासी श्रीमती मालती भार्गव के पुत्र प्रिय मनीष से हुआ। आपके सुपुत्र श्री मंयक का विवाह श्रीमती मिनाक्षी (सुपुत्री श्रीमती कनक लता–श्री राम किशोर, रामपुर) के साथ सम्पन्न हुआ।

के.के को आपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी के प्रधान भी रह चुके हैं। आप भार्गव पत्रिका की सलाहकार समिति के सदस्य है तथा अखिल भारतीय भार्गव सभा के उपप्रधान भी रह चुके हैं। 2007 के अखिल भारतीय भार्गव सभा के 117वें अधिवेशन के अवसर पर आपका विशेष योगदान रहा। स्मारिका का प्रकाशन आपकी देख रेख में हुआ। इनकी धर्मपत्नी श्रीमती मधु जी के आकस्मिक निधन के बावजूद विज्ञापन एकत्र करने व अधिवेशन के आयोजन में इनकी भूमिका सराहनीय रही। अ. भा. भार्गव सभा की खेल कूद समिति के सदस्य भी रह चुके हैं। धार्मिक रामलीला कमेटी सुभाष मैदान के उप प्रधान रह चुके है। 4 वर्ष लखनऊ प्रवास के दौरान शिथिल पढ़ चुकी लखनऊ भार्गव सभा के मंत्री रह कर वहां की सभा को क्रियाशील करने में इन्होने सहयोग प्रदान करा।

आप दिल्ली भार्गव सभा 2009–2013 तक प्रधान रह चुके हैं। इनकी समाज के प्रति सेवा एवं समपर्ण को देखते हुए दिल्ली भार्गव सभा द्वारा आपको 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' भी दिया जा चुका हैं।

श्रीमती नीरा भार्गव प्रधान 2013–15, 2023–25

श्रीमती नीरा भार्गव का जन्म 24 जनवरी, 1954 को में स्व. श्री राम शंकर जी एवं स्व. श्रीमती सुशीला भार्गव के वहाँ हुआ। इन्होने दिल्ली विश्वविद्यालय से एम. ए., बी. एड. की डिग्री प्राप्त की। इनका विवाह की श्री सुरेश भार्गव पूर्व प्रधान अखिल भारतीय भार्गव सभा, बांदीकुई निवासी के साथ 1980 में हुआ। आप ज्योतिषाचार्या के रूप में प्रख्यात हैं व इस कार्य में निःशुल्क सेवा देती हैं। भार्गव युवा संध दिल्ली की सचिव, अखिल भारतीय भार्गव युवा संध की सहसचिव व सांस्कृतिक समिति की संयोजिका रह चुकी है। दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय भार्गव सभा के अधिवेशन 1997 व 2006 में सांस्कृतिक संयोजिका रही। दिल्ली भार्गव सभा द्वारा ढ़ोसी मन्दिर का कार्य अपने हाथ में लेने के उपरान्त आप ही के निर्देशन में वहाँ का कायाकल्प हुआ। ढ़ोसी मन्दिर निरन्तर जाती रहीं। इनके सहयोग से नगेन्द्र प्रकाश जी एवं पुष्पा जी ने इस ढोसी मन्दिर का जीर्णोद्धार किया। ढोसी धाम व हेरिटेज समिति में भी आपका काम अत्यन्त प्रशंसनीय रहा।

कई वर्ष अखिल भारतीय भार्गव सभा की कार्यकारिणी सदस्य रहने के बाद वर्ष 2017–18 में अखिल भारतीय भार्गव सभा की वरिष्ठ उप–प्रधान पद पर रहते हुए कैरियर डक्लपमेंट एवं उत्तम शिक्षा अभियान के अर्न्तगत नगर – नगर जाकर छात्राओं को काउंसलिंग कर प्रोत्साहित किया। अखिल भारतीय भार्गव सभा की विभिन्न समितियों जैसे समन्वय समिति, संविधान समिति, शिक्षा समिति, कन्या विवाह समिति में इनका निरन्तर सकरात्मक सहयोग रहा।

भार्गव महिला सभा दिल्ली की तीन वर्ष कार्यकारिणी सदस्या, 2 वर्ष सचिव, 2008–10 तक प्रधान रह चुकी हैं। महिला सभा का संविधान संशोधित करने का कार्य आपके द्वारा ही करा गया। तीज उत्सव के आयोजन में आप बढ़ चढ़ कर अपना सहयोग देती हैं।

दिल्ली भार्गव सभा की कई वर्षों से कार्यकारिणी सदस्या व उप–प्रधान रह चुकी हैं। श्रीमती नीरा भार्गव दो बार 2013–15 एवं 2023–25 में दिल्ली भार्गव सभा के प्रधान पद को सुशोभित कर चुकी हैं। भार्गव समाचार दर्शिका की प्रबन्ध सम्पादक हैं। इन्होने सभा की आर्थिक स्थिति को सुढड़ करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

इनकी समाज के प्रति सेवा एवं समपर्ण को देखते हुए दिल्ली भार्गव सभा द्वारा आपको इस वर्ष 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' भी दिया जा रहा हैं।

श्री संजीव भार्गव प्रधान 2015–19

श्री संजीव भार्गव का जन्म दिनांक 19 जनवरी 1972 को श्री नवीन चन्द्र भार्गव संस्थापक भार्गव समाचार दर्शिका एवं श्रीमती पुष्पा भार्गव के यहाँ हुआ। प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् आपने दिल्ली विश्वविद्यालय से बी काम की परीक्षा उत्तीर्ण करी। शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् आपने अपना व्यवसाय आरम्भ किया। होनहार बिरवान के होत चीकने पात कहावत संजीव जी पर पूर्ण रूप से चिरतार्थ होती है। अपने पिता के पद चिन्हों पर चलते हुए भार्गव सभा के कार्यों में रुचि लेते हुए सन् 1996 से भार्गव सभा की कार्यकारिणी से नाता जोडा। इनकी सभा के प्रति लग्न तथा कार्यक्षमता को देखते हुए सभा ने वर्ष 1999–2001 के लिये आपको निर्विरोध सभा का महामंत्री चुना। इस कार्यकाल में कई रोचक कार्य हुए विशेषकर कारगिल के शहीदों के लिए धन एकत्रित कर डिफेंस फंड में देना। इस कार्यकाल में सभा का शताब्दी वर्ष मनाया गया जिसमें दो दिन का विवाह परामर्श शिविर स्व. गिरधारी लाल जी के आवास पर लगाया जिसका समापन फिक्की सभागार में किया गया।

वर्ष 2003 में पुनः मुख्य सचिव चुने गए और 2015 तक लगातार 12 वर्ष तक इस पद पर रहे। इस कार्यकाल में सभा के कोष में अत्यधिक वृद्धि हुई। आपके कार्यकाल में कमजोर वर्ग को सहायता देने के लिए समाज कल्याण कोष एवं डॉ. सुभाष भार्गव मेड़िकल कोष की स्थापना की गई। समाज के कमजोर वर्ग की हर सम्भव सहायता आर्थिक रूप में और किसी को भी चिकित्सा सहायता के रूप में एवं कमजोर वर्ग की कन्या के विवाह जैसे कार्य आज तक निर्विधन रूप से कर रहे है। वर्ष 2015 से 2019 तक दिल्ली भार्गव सभा के प्रधान पद पर रहते हुए सभा को मजबूती प्रदान करी। आप भार्गव समाचार दर्शिका के सम्पादक हैं।

अखिल भारतीय भार्गव सभा से लगभग 25 वर्षो से जुड़े हुए हैं। 2009 से 2015 तक सभा कार्यालय में सचिव के रूप में कार्य करा। सभा के 2014 के संविधान को बनाने में सचिव के रूप में पूरा सहयोग दिया। भार्गव पत्रिका के सह सम्पादक के रूप में 6 वर्ष तक कार्य करा। शिक्षा समिति, समन्वय समिति में सचिव के रूप में कार्य करा। इस कार्यकाल में सभाओं को देने वाले पुरस्कार के प्रारूप को बदला गया। हेरिटेज समिति के सचिव, संयोजक एवं प्रधान के रूप के उल्लेखनीय कार्य करा। मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य हुआ। उतम शिक्षा समिति के सचिव के रूप में प्रारम्भ करा जिसके अर्न्तगत अभावग्रस्त बच्चों को पढाई के लिए पूरी आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। आपका विवाह श्रीमती अनु भार्गव सुपुत्री श्री यादेश बाबू भार्गव के साथ 1999 में सम्पन्न हुआ। आपके दो पुत्री एवं एक पुत्र है।

श्री राजेश कुमार भार्गव प्रधान 2019–23

श्री राजेश कुमार भार्गव का जन्म 20 दिसंबर 1954 को शाजापुर मध्य प्रदेश में श्री श्री हरलाल भार्गव और सुमित्रा देवी के यहां हुआ। आपका विवाह मधु भार्गव सुपुत्री जोधपुर निवासी स्वर्गीय श्री बृजमोहन लाल भार्गव व स्वर्गीय कांता देवी भार्गव के साथ 1 जुलाई 1979 में हुआ था। आपने अपनी शिक्षा दिल्ली में की। दिल्ली विश्वविद्यालय से अपने बी.कॉम. ऑनर्स , एम.काम., तथा एम . फिल . दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से की तथा दिल्ली यूनिवर्सिटी में लगभग 42 वर्षों से अधिक वर्षों तक एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर अध्यापन कार्य करके सुपर एनुएशन प्राप्त किया।

आप अपने महाविद्यालय में स्टाफ एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके है तथा आपने 20 वर्षों से अधिक समय तक 'बर्सर' (वित्तीय प्रबन्धक) की भूमिका निभाई। अपने कार्यकाल के दौरान आप दिल्ली विश्वविद्यालय में पेपर मॉडरेशन कमेटी, सिलेबस रिफॉर्मिंग कमेटी तथा पेपर सेटिंग कमेटी के सदस्य रहे। आप भारत सरकार के फौरन असाइनमेंट विभाग की तरफ से सन् 1980 से 1984 तक असमारा यूनिवर्सिटी ,इथियोपिया में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर डेपुटेशन पर रहे। आप राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ''वनवासी रक्षा परिवार फाउंडेशन'' की शाखा से सक्रीय रूप से जुड़े हुए है।

दिल्ली भार्गव सभा से आप लगभग 50 वर्षों से अधिक समय से जुड़े हुए हैं। आपने सभा को विभिन्न पदों पर रहकर अपना योगदान दिया। आपने अपने आप को तन, मन और धन से सभा को समर्पित किया हुआ है। आप दिल्ली भार्गव सभा 2019–2023 तक प्रधान रह चुके हैं। आप के कार्यकाल के दौरान ही विश्व ''कोरोना '' जैसी महामारी से जूझ रहा था। इस समय में आपने जूम और गूगल जैसी नवीनतम तकनीक की मदद से सभा की कार्यकारिणी की बैठक, भजन संध्या, सुंदरकांड का पाठ, अखिल भारतीय भार्गव सभा का स्थापन दिवस, स्वामी चरणदास दिवस एवं भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर रोचक व ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताये जैसे कार्यक्रम करके समाज को एक दूसरे से जोड़े रखा।आपने अखिल भारतीय भार्गव सभा का कई वर्षों तक मनोनीत सदस्य रहकर अपना योगदान प्रदान किया।

आपकी धर्मपत्नी मधु , पुत्र मोहित पुत्रवधू डॉक्टर मधुलिका पुत्री सलोनी तथा दामाद ईशान सभी आपकी प्रेरणा से भार्गव सभा की गतिविधियों में तन, मन धन से सदैव समर्पित हैं।

श्री आनन्द भार्गव प्रधान 2025–27

श्री आनंद भार्गव का जन्म 21 जून 1959 को अलवर राजस्थान निवासी श्री महेश चंद्र भार्गव एवं श्रीमती सुमित्रा देवी के यहां हुआ। आप 6 भाई बहनों में सबसे छोटे हैं।

आपने प्रारंभिक शिक्षा अलवर में प्राप्त करी। उच्च शिक्षा के लिए आप विदेश गए। चेकोस्लोवाकिया से आपने metallurgy में B.Tech की डिग्री प्राप्त की। जिस में आप को गोल्ड मेडल से सम्मानित करा गया। आपके नाम से यूनिवर्सिटी में मैथ्स की इक्वेशन भी दर्ज है ''आनंदस इक्वेशन''। शिक्षा प्राप्त करने के बाद आपने सूर्य एग्रो ऑयल में जनरल मैनेजर के पद पर 3 साल तक काम किया। वर्तमान में आपका चाय का व्यवसाय है।

आप सामाजिक कार्यों में विशेष रूचि रखते हैं। अपने 2005 से लेकर 2025 तक सह सचिव और उपाध्यक्ष रहकर दिल्ली भार्गव सभा में सक्रिय योगदान दिया।

दिल्ली भार्गव सभा में सहसचिव और उप प्रधान के दायित्व में पूर्वी दिल्ली के सभी भार्गव परिवारों से आपका अच्छा संपर्क रहा है। आप सत्र 2025 से 2027 के लिए दिल्ली भार्गव सभा में प्रधान पद पर निर्वाचित हुए हैं।

आप क्षेत्र के सभी सामाजिक कार्यों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते हैं। आप भारत विकास परिषद से भी जुड़े हैं जहां विभिन्न पदों पर आपने कार्यभार संभाला और आप वर्तमान में आईपेक्ष शाखा के सचिव हैं।

आपका विवाह श्रीमती शोभना भार्गव सुपुत्री श्री देवेंद्र कुमार दिल्ली निवासी के साथ 1987 में हुआ। शोभना जी पेशे से टीचर थीं। रिटायरमेंट के बाद वर्तमान में आप समाज सेवा में संलग्न हैं। आपके पुत्र पारित भार्गव भी समाज सेवा से जुड़े हैं। वर्तमान में आप दिल्ली भार्गव युवा संघ के सचिव हैं।

श्री जगतनारायण सचिव 1943–44, 45–46

श्री जगतनारायण भार्गव का जन्म सन 1906 में आगरा में श्री माधव प्रसाद भार्गव – मुन्नीदेवी के यहां हुआ था। आगरा में उच्च शिक्षा लेकर जोधपुर के कॉलेज में अध्यापक की नौकरी करते हुए 1930 में बड़े भाई श्री शिवनारायण भार्गव के साथ बिजनेस करने के लिए दिल्ली बुलाया और S J NORAIN & BROTHERS कंपनी जो Import का कार्य करती थी शुरु करी। आपका विवाह आगरा की राधाप्यारी के साथ 1932 में हुआ। क्लॉथ मार्केट दिल्ली में रहते हुए भार्गव सभा से जुड़े और समाज की सेवा करने में लगे रहे। आप RSS के भी सदस्य थे अपनी धार्मिक भावना के अनुसार समाज के प्रति अपने दायित्व को निभाते हुए वह रामायण कि परीक्षा बहुत सारे स्कूल में नियमित रूप से करवाते थे। धर्म और संस्कार से लोगों को जोड़ने में उनकी अहम भागीदारी रही है। आप बहुत ही सरल स्वभाव के मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे। आपकी तीन पुत्रियाँ कुसुम, स्व. विमला, सुषमा व एक पुत्र स्वर्गीय राज नारायण भार्गव है। पुत्र राज नारायण ने अपना व्यवसाय Gasket & material के नाम से 1973 में शुरु करा। आज इस कंपनी को उनके पोत्र पारस मो. 9810158418 अपने बेटे तेजस के साथ मिलकर नित नई ऊंचाइयों पर पहुँचा रहे हैं। जगत नारायण भार्गव का स्वर्गवास सन 1975 में हुआ।

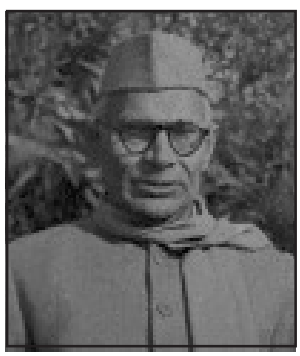

मास्टर रामजी लाल सचिव 1945–46, 52–53

मास्टर रामजी लाल का जन्म 1897 में अलवर में हुआ। आप डी.ए.वी. स्कूल के उप प्रधानाचार्य थे। आप सच्चे, ईमानदार व धार्मिक प्रवृत्ति के थे। 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन के समय आपने अपने विदेशी कपड़े जलाकर खादी को अपनाया। काफी समय तक आप अपने ताऊ के सुपुत्र डा. गोपी चन्द जी पंजाब के मुख्य मंत्री के पास रहे। दूसरे विश्वयुद्ध के समय अपने प्रमुख शिष्य व स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह और सुखदेव को अपने घर में शरण दी जब कि पुलिस उन दोनों के पीछे लगी थी। लेकिन सुबह होते ही वह चले गए ताकि गुरुजी पर आंच न आये। यह थी गुरू शिष्य की परम्परा। आपने इतिहास, गणित आदि पर पुस्तकें लिखी। आर्य समाज मंदिर के प्रधान, कांग्रेस कमेटी के सदस्य, दिल्ली स्कूल एसोसिएशन के सचिव, महासभा के प्रधान, दिल्ली भार्गव सभा के मंत्री और भार्गव पत्रिका के सह सम्पादक थे। इनका विवाह श्रीमती बसंती देवी जी झेलम से हुआ जो स्वयं मृदुभाषी धार्मिक प्रवृत्ति की थीं एवं महिला सभा की सक्रिय सदस्या होते हुए विभिन्न पदों पर सुशोभित रहीं। आपकी चार पुत्रियां व एक सुपुत्र श्री देवेन्द्र कुमार हैं। इनका निधन 24.अक्टूबर 1976 को हुआ। आपके पोत्र पंकज मो. 9889170124 छतरपुर में निवास करते हैं।

प. मोती लाल भार्गव सचिव 1958–61, 77–79

पं. मोती लाल का जन्म 1909 में श्री मुक्ता प्रसाद जी गुजरात पाकिस्तान में हुआ। एम.ए. करने के पश्चात सरकारी लेखा विभाग में कार्य करते हुए 60 वर्ष की आयु में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से सहायक सचिव के पद से अवकाश ग्रहण किया। आपका विवाह 1928 में मुलताई निवासी श्री सूरजभान जी की पुत्री श्रीमती कमला देवी से हुआ। आपके ज्येष्ठ पुत्र अशोक जी सेवानिवृत–अतिरिक्त महाप्रबंधक, दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान व कनिष्ठ पुत्र कर्नल अनिल भार्गव 9799484833 एवं तीन पुत्रियां श्रीमती पुष्पा, ऊषा व निशा हैं। 1958 में दिल्ली भार्गव सभा के सचिव पद पर नियुक्त हुए। आपके प्रयास से 1959 में भार्गव महिला सभा दिल्ली की स्थापना हुई। बेनी प्रसाद ट्रस्ट के अन्तर्गत धर्मशाला में प्रगतिशील रहे। रीति संग्रह का नवीनीकरण करते हुए भार्गव सभा की डांवाडोल स्थिति को सुधारने हेतु 1977 से 1979 तक दुबारा मंत्री पद सम्भाला। अशोक जी की पत्नी श्रीमती अनु 9871837059 भी दिल्ली भार्गव महिला सभा व अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा की मंत्री व प्रधान रहीं हैं। आपका निधन 25–11–1982 को हुआ।

पं. विश्वेश्वर नाथ भार्गव सचिव 1965–66

पं. विश्वेश्वर नाथ भार्गव का जन्म 1 अगस्त 1929 को आगरा में पं. गोपीनाथ जी के घर हुआ। 1936 में वे अपने माता पिता के साथ दिल्ली आ गये और हाई स्कूल व इंटर करने के पश्चात् श्रीराम कालिज ऑफ कामर्स से बी.काम. हार्नस की डिग्री 1949 में प्राप्त की। एम. काम. में प्रवेश लिया ही था कि टीटागढ़ पेपर मिल्स के कलकत्ता कार्यालय में आपकी नियुक्ति हुई। उन्होंने बाद में सहायक मैनेजर के पद पर कार्य किया। उनके पिता पं. गोपीनाथ जी इसी कार्यालय में शाखा प्रबन्धक थे। 1965 से मैनेजर का पद सम्हाला। 1956 से ही भार्गव पत्रिका के सम्पादक मंडल में रहे और सही मूल्य पर भार्गव सभा को कागज दिलाया। 1966 में लखनऊ अधिवेशन में भार्गव सभा ने उन्हें पत्रिका का भार सौंपा। दस वर्ष तक समस्त परिवार, भार्गव पत्रिका को हर माह समय से सब भार्गव बन्धुओं को मिलती रहे इसमें लगा रहता था। 1967 से 1969 तक दिल्ली भार्गव सभा के मंत्री पद पर सुशोभित रहे। आपका निधन 47 वर्ष की अल्प आयु में ही 1976 में हुआ। आप अपने पीछे अपनी पत्नी सरोजनी जी मो. 9810022715 व तीन पुत्रों को छोड़ गये जो इस समय उनका कार्यभार सम्हाल रहे हैं।

श्री नवीन चन्द्र भार्गव सचिव 1969–71

श्री नवीन चन्द्र का जन्म भाई दूज के दिन 1 नवम्बर, 1942 को पं. केदारनाथ भार्गव के यहां देहली में हुआ। आपकी शिक्षा देहली एवं मंदसौर में हुई। समाज सेवा के कार्यों में आपकी प्रारम्भ से ही विशेष रुचि रही अतः 20 वर्ष की आयु में ही आपने अपने प्रयास से मंदसौर में सन् 1962 में स्थानीय भार्गव सभा की स्थापना की और सन् 1965 में आप हयूमेन सोसायटी के उपप्रधान निर्वाचित हुये। 38 वर्ष की अल्प आयु में नवीन जी 13 संस्थाओं से जुड़कर उनके प्रधानमंत्री, उपमन्त्री, कोषाध्यक्ष आदि पदों पर निर्वाचित होते रहे जो आपकी सामाजिक सेवा के क्षेत्र में कार्य पटुता एवं लोकप्रियता के गुणों का द्योतक है। सन् 1968 के बनारस सम्मेलन अवसर पर आपने अल्प समय में स्व० पं० जितेन्द्र नाथ भार्गव व श्री विष्णु कुमार जी के सहयोग से दिल्ली के विवाह योग्य युवक युवतियों की सूची तैयार की। सन् 1968 में ही आप भार्गव सभा के उपमन्त्री रहे। सन् 1971 की जनगणना उपसमिति के संयोजक आप ही थे ।

दिल्ली भार्गव सभा के मंत्री पद का कार्यभार आपने सन् 1969–71 तक वहन किया। अपने मंत्री काल में उन्होंने सबसे बड़ा कार्य जो किया वह था दिल्ली के भार्गवों को एक दूसरे के निकट लाना। उन्हीं के अथक प्रयत्नों से दिल्ली के बिखरे हुए भार्गव एक ही छत के नीचे इकट्ठे हुए। उन्हीं के मंत्री काल में भार्गव सभा दिल्ली ने बड़े–बड़े सांस्कृतिक कार्य किये तथा प्रत्येक बैठक में अपार जन समुदाय जो देखा गया, वह उन्हीं के मंत्री काल में ही देखा गया।

सभा के कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों को प्रेम सूत्र में बांधने हेतु ''भार्गव समाचार दर्शिका'' नामक पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ किया। समाजसेवा के इस निष्ठापूर्ण वृती का जिससे समाज को बहुत आशायें थीं दुर्भाग्यवश असामयिक निधन 4 मार्च 1980 को हो गया, एक सुगंधित कलिका प्रस्फुटित होने के पूर्व ही मुरझा गई। समाजसेवा के क्षेत्र में नवीन जी का उल्लेखनीय योगदान रहा। नवीन जी को हिन्दी साहित्य से अटूट प्रेम था एवं वे स्वयं ही साहित्य रचनायें किया करते थे। पं. दीनानाथ 'दिनेश' आपके ताऊजी थे। अतः परिवार को यह साहित्य प्रेम विरासत में ही प्राप्त हुआ था। आपके भाई श्री योगेश जी इस विधा में प्रवीण हैं।

आपका विवाह श्रीमति पुष्पा सुपुत्री श्री नारायण दास जी किशनगढ़ के साथ 1964 में हुआ। आपके दो पुत्री व एक पुत्र है। बड़ी पुत्री का विवाह श्री अनिल सुपुत्र स्व. श्री राजा राम जी, जयपुर के साथ व छोटी पुत्री का विवाह श्री अनूप सुपुत्र स्व. श्री त्रिलोकी नाथ जी अलवर के साथ हुआ। पुत्र संजीव का विवाह श्रीमति अनु सुपुत्री श्री यादेश बाबू दिल्ली के साथ हुआ।

श्री कृष्ण कुमार सचिव 1971–73

कृष्ण कुमार का जन्म 11 दिसम्बर 1935 को श्रीमती श्यामलता व श्री महावीर प्रसाद जी कें परिवार में हुआ। प्रारंभिक शिक्षा अलवर के यशवंत हाई स्कूल के बाद 1959 में राजस्थान विश्वविद्यालय से गणित में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एस.सी.) लेने के बाद लगभग एक वर्ष भौतिक विज्ञान और गणित के वरिष्ठ अध्यापक का कार्य किया। लगभग 36 वर्ष आकाशवाणी में समाचार वाचन, अनुवाद, सम्पादन, संवाददाता (विशेष रूप से खेल संवाददाता) के कार्य करने के बाद 1995 में प्रधान समाचार वाचक–अनुवादक के रूप में रिटायर हुए। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र पुरस्कार योजना पत्रकारिता एवं जनसंचार वर्ग वर्ष 1997 प्रथम पुरस्कार से आप सम्मानित हुए। आकाशवाणी और विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं के लिए ओलिम्पिक खेलों, क्रिकेट, हॉकी, फुटबाल, बैडमिंटन, गोल्फ, घुड़सवारी, बिलयर्ड–स्नूकर, तीरंदाजी आदि खेलों पर समीक्षात्मक लेखन किया। सेना और सैनिकों पर फीचर लिखे। 'कुमाऊँ रेजीमेंट के बढ़ते चरण' फीचर आकाशवाणी से राष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रसारित हुआ ओर रेजीमेंट के अभिलेखागार में वह रिकाडिंग मौजूद है। आकाशवाणी और दूरदर्शन पर बैडमिंटन और तीरंदाजी की अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आंखों देखा हाल सुनाने वाले कृष्ण कुमार जी विदेश भी जा चुके हैं। आपने दूरदर्शन पर समाचार वाचन भी किया है। आप दिल्ली भार्गव सभा में 1971 से 1973 तक महामंत्री पद को सुशोभित कर चुके हैं।

श्री पुरुषोतम दत भार्गव सचिव 1995–96

पुरुषोत्तम दत्त भार्गव का जन्म 10 नवम्बर 1941 को श्री शंभू दयाल भार्गव बीकानेर के यहां हुआ। आपने स्नातक और MBA करने के बाद 1963–64 तक आसाम में चाय के बागान में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर कार्य करा। वर्ष 1976 तक सत्संग भवन में रहते हुए एक फर्म में असिस्टेंट मैनेजर मार्केटिंग के पद पर कार्य करा। 1977 में आपका विवाह रायबरेली निवासी शोभना भार्गव से हुआ। 1980 में एक फर्म प्रोटेक्टिव अपलाईस सर्विसेज शुरू की जिसमें सुरक्षा उपकरणों का निर्माण करने का काम प्रारम्भ किया जो वर्तमान में भी चल रहा है। वर्ष 1968 से दिल्ली भार्गव सभा के वार्ड मेंबर के रूप में कार्य किया। वर्ष 1995–96 में दिल्ली भार्गव सभा में महा मंत्री के पद पर कार्य करा। इनके दो सुपुत्री दर्शना भार्गव व मेधना भार्गव हैं।

श्री कृष्ण प्रसाद रतन सचिव 1974–75

भार्गव जाति के गौरव श्री कृष्ण प्रसाद भार्गव का जन्म 29.12.1936 को एक साधारण मध्यम शिक्षित आय वर्ग, मथुरा वासी स्व. श्री राजेश्वर प्रसाद, सुपौत्र श्री रामचन्द्र भार्गव एवं स्व. श्रीमती बसन्ती भार्गव सुपुत्री स्व. श्री रामजीलाल भार्गव रेवाड़ी के घर दिल्ली में हुआ। आपने होनहार बिरवान के होत चीकने पात मुहावरे को साक्षात् रूप से सच कर दिया। 11 माह की आयु में रेवाड़ी शहर में ब्रिटिशकाल में हुये Baby show में आपने 1937 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। तभी से आपके जीवन में पुरस्कारों का तांता लगा रहा। आगरा से B.Com दिल्ली यूनिवर्सिटी से LLB, Proficiency in Law व M.A. (Economics) अर्थशास्त्र में प्रथम वर्ष। पढ़ाई के साथ साथ आपकी रुचि खेल–कूद में विशेष रूप से रही। आपका विवाह श्रीमती पुष्पा के साथ 15 मई, 1965 को सम्पन्न हुआ। आपके दो पुत्र इंजीनियर और एक पुत्री एवं 4 पोता–पोती और 2 नाती–नातिन हैं।

आपने अखिल भारतीय भार्गव सभा एवं दिल्ली भार्गव सभा में अनगिनत पुरस्कार प्राप्त किये। TT, Badminton, Billiards, Chess, Hockey, Carrom, Cricket आपके प्रिय खेल रहे। DDCA Club की Billiards championship जीती। Times of India, American Embassy, Delhi Bar Association में भी विभिन्न पुरस्कार जीते। दिल्ली में 1972 में अखिल भारतीय भार्गव सभा के अधिवेशन में खेल–कूद के संयोजक पद पर रहे एवं आपने उच्चतम स्तर पर नेशनल स्टेडियम और मौलाना आजाद मेडिकल कालेज में खेलों का आयोजन किया। 1974–75 में सभा के महामंत्री के पद पर आसीन रहकर भार्गव समाज की सेवा की। आप अखिल भारतीय युवा संध सर्पोटस कमेटी के उप प्रधान रहे और युवा संघ की संस्था को उपर लाने में आपका योगदान रहा। आपने दिल्ली भार्गव महिला सभा के कार्यक्रमों में जैसे आनंदमेला के सफल आयोजन में अपना सहयोग दिया।

Times of India में, American E,mbassy US, Swedish embassy में Asstt. Circulation Manager & Information/Cultural/Administrative Officer के पद पर कार्यरत रहे। सन् 1976 में आपने Govt. of Sweden से Cash Award प्राप्त किया और 1977 में Swedish Government के सौजन्य से Stockholm में Conference attend कर देश को गौरवान्वित किया। आपकी खेलों में रुचि, समाज सेवा के कारण, 2006 में Supreme Court Bar Association के Executive Member चुने गये जो कि एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। आपने 5–6 बार Supreme Court में Cricket Tournament जो कि High Court-Supreme Court Lawyers के बीच होता है, 72 साल की उम्र होने तक भाग लिया और एक साल Best Batsman भी हुए जो कि एक सराहनीय बात है। आपको सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल द्वारा सन् 2001 Vidhi Ratan पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आपकी समाज के प्रति सेवा को देखते हुए दिल्ली भार्गव सभा द्वारा आपको 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' भी दिया जा चुका हैं।

श्री विनीत भार्गव सचिव 1996–97

श्री विनीत भार्गव का जन्म 18 दिसम्बर 1968 को संतोष–बाल कृष्ण के यहाँ दिल्ली में हुआ। आपका विवाह श्रीमती अल्पना (सुपुत्री श्रीमती संतोष–स्व. धीरेन्द्र नाथ,रायबरेली) से हुआ। आपने स्नातक की डिग्री प्राप्त कर कम्प्यूटर में डिप्लोमा व उच्च प्रशिक्षण प्राप्त कर ताज ग्रुप आफ होटल्स में फानेंसियल कन्ट्रोलर (पेन इन्डिया) पद पर आसीन थे। अल्पना ,पब्लिक स्कूल में अध्यापिका है और राजौरी गार्डन, दिल्ली में निवास कर रही हैं। आपकी बड़ी पुत्री डा. मेघना एम.डी.एस. के फाइनल इयर में हैं तथा छोटी हिमानी ने आई.एच.एम. मुम्बई से बी.एच.एम.सी.टी. डिग्री प्राप्त कर कार्यरत है।

विनीत जी को समाज सेवा अपने माता– पिता से धरोहर के रूप में प्राप्त हुई। आप दिल्ली युवा संघ के मंत्री व उप–प्रधान पद पर आसीन रहे। आपकी लगन व समाज सेवा को देखते हुए 28 वर्ष की आयु में वर्ष 96–97 में भार्गव सभा का निर्विरोध महामंत्री चुना गया। यह समय ऐसा था जब पिता प्रधान और पुत्र महामंत्री थे। आप अ.भा .भा सभा की चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय भाग लेते रहे। भाग्य की विडम्बना कि वह अल्प आयु में 18 जून, 2020 को ब्रह्मलीन हो हम सबको छोड़ गए।

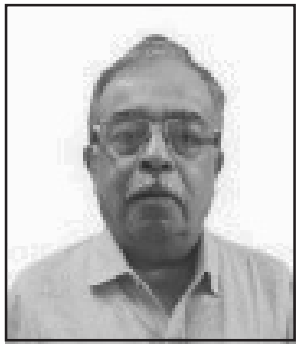

श्री दीपक भार्गव सचिव 2001–03

इनका जन्म मुलताई निवासी श्री वीरेंद्र नाथ एवं श्रीमती पुष्पलता के यहां 18 अप्रैल 1955 को हुआ। आपकी प्रारंभिक शिक्षा मुलताई एवं बैतूल में करने के बाद आपने अपना कागज एवं प्रिटिंग का व्यवसाय दिल्ली में आरंभ किया। आपका विवाह श्रीमती रजनी सुपुत्री श्री प्रकाश चंद एवं श्रीमती रुपरानी भार्गव इंदौर के साथ 13 फरवरी 1981 हो हुआ। आपके 2 पुत्री है जो अपने परिवार के साथ आनंदपूर्वक रह रही है।

आप दिल्ली भार्गव सभा के कई वर्ष कार्यकारिणी सदस्य , सह कोषाध्यक्ष रहने के बाद 2001– 2003 में सभा के मुख्य सचिव रहे। आपके कार्यकाल में दिल्ली की भार्गव डायरेक्ट्री का प्रकाशन भी हुआ। 2023–25 में सभा के उप प्रधान रहे। आप सामाजिक कार्यों में हमेशा रुचि लेते हैं।

श्री अजय भार्गव सचिव 2015–25

अजय भार्गव का जन्म रिवाडी (हरियाणा) में 14 फरवरी 1959 को श्री माया चरण जी एवं श्रीमती द्रौपदी जी के परिवार में हुआ । प्रारंभिक शिक्षा भटिंडा में प्राप्त कर मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा हिसार से करा। इसके बाद आपने Engineers India में नौकरी कर 2019 में आप वही से रिटायर हुए।

आपका विवाह श्रीमती रश्मि सुपुत्री श्री लक्ष्मण स्वरूप भार्गव एवं उमा भार्गव जयपुर के साथ 4 मई 1986 को हुआ। आपके 1 पुत्र एवं 1 पुत्री है। आपने 2006 से दिल्ली भार्गव सभा में सक्रिय रूप से कार्य किया। 2015 में आपने सचिव पद का कार्य संभाला और 2025 तक आप इस पद पर रहे। वर्तमान में दिल्ली भार्गव सभा में उप प्रधान हैं।

श्री दीपक भार्गव सचिव 2025–27

आपका जन्म 1956 में स्व. श्री धनपत राय भार्गव जी व स्व. श्रीमती सोमरानी भार्गव जी के यहां दिल्ली में हुआ। आपने दिल्ली विश्वविद्यालय से बीकॉम पास स्नातक की डिग्री प्राप्त की।

आपका विवाह श्रीमती आरती भार्गव सुपुत्री श्री त्रिलोकीनाथ भार्गव गाजियाबाद निवासी के साथ 1985 में हुआ। आपके दो पुत्रियां व एक पुत्र है।

दीपक जी अनेक वर्षों से दिल्ली भार्गव सभा में सक्रिय सदस्य हैं। दिल्ली भार्गव सभा के कार्यकारिणी सदस्य, सह–सचिव व उपाध्यक्ष पद पर कार्यरत रह चुके हैं। वर्तमान समय में सत्र 2025–27 में आप दिल्ली भार्गव सभा के मुख्य सचिव पद पर कार्यरत हैं।

आप अखिल भारतीय भार्गव सभा के कार्यकारिणी सदस्य हैं। आप 2023 से अखिल भारतीय भार्गव सभा की धार्मिक व नैतिक शिक्षा समिति के प्रधान पद पर कार्यरत हैं। आप 2023 से अर्चट कुलदेवी मंदिर के मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत हैं।

स्व. न्यायमूर्ति श्री शंकर प्रसाद प्रधान 1973,74,77

श्री शंकर प्रसाद का जन्म 19 अगस्त सन् 1911 में उज्जैन में पं. राम प्रसाद जी वकील के यहां हुआ। प्रारम्भिक शिक्षा समाप्त कर आपने कानून की परीक्षा पास की तथा अपने पूज्य पिताजी के पथ प्रदर्शन में अभिभाषक का व्यवसाय ग्रहण कर लिया। वकालत शीघ्र ही चमक उठी और ग्वालियर राज्य एवं तत्पश्चात मध्य भारत के वरिष्ठ वकीलों तथा कानून विज्ञों में आपकी गिनती होने लगी। आपका विवाह झांसी के प्रसिद्ध अभिभाषक स्व. पं. विष्णु नारायण जी की पुत्री सुश्री सावित्री देवी से हुआ। सन् 1960 में आपको न्यायमूर्ति के पद के लिए चुना गया तथा इन्दौर एवं जबलपुर हाई कोर्ट में आपने 13 वर्ष कार्य किया और इस अवधि में आपके कई निर्णय कानूनी विश्लेषण की दृष्टि से देश भर में प्रसिद्ध हुये। 1973 में उच्च न्यायालय से विश्राम लेने के उपरान्त आपकी नियुक्ति औद्योगिक न्यायालय के अध्यक्ष पद पर की गई। सन 1972 में दिल्ली में आयोजित भार्गव सम्मेलन में आप सभापति थे। 1973, 1974, 1977 में अ. भा. भार्गव सभा के प्रधान रहे। आपके परिवार में डां संतोष मो. 9818258758 हैं।

डॉ. सुभाष प्रधान 1989

डॉ. सुभाष का जन्म उज्जैन में 2 फरवरी 1942 को श्रीमती शकुन्तला व श्री प्रकाशनाथ के यहां हुआ। उज्जैन में प्रारम्भिक शिक्षा के बाद ग्वालियर के जी.आर. चिकित्सा महाविद्यालय से सन् 1963 में एम.बी.बी.एस. तथा 1967 में एम.डी. (पैथोलॉजी) की। सन् 1968 में पैथोलॉजी क्लीनिक प्रारम्भ की। डॉ. सुभाष का विवाह सन् 1968 में सुश्री मन्जू सुपुत्री श्री ब्रह्मदत्त दिल्ली निवासी के साथ हुआ। डॉ. सुभाष कई समाज सेवी संस्थाओं से सम्बन्धित रहे तथा जन सेवा हेतु समर्पित रहकर कार्य किया है। समाज में कुरीतियों पर अंकुश लगाना, विधवा, बेसहारा व्यक्तियों की आर्थिक मदद करना और प्रतिभाशाली छात्रों को क्षमतापूर्ण सब प्रकार की सहायता करने हेतु आप निःस्वार्थ भाव से सेवा में लगे रहे हैं। आप दिल्ली मेडीकल एसोसियेशन एवं इण्डियन मेडीकल ऐसोसियेशन देहली शाखा के अध्यक्ष, सह–सचिव तथा कार्यकारिणी एवं डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर आदि पदों पर कार्य कर चुके हैं। सन् 1974 से 1984 तक भार्गव युवा संघ दिल्ली के अध्यक्ष रहे। सन् 1989 में अखिल भारतीय भार्गव सभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। अखिल भारतीय भार्गव सभा की चुनाव ट्रिब्यूनल के मैम्बर, रिवाड़ी प्रापर्टी कमेटी के सदस्य एवं भार्गव समाचार दर्शिका के संरक्षक थे।

श्री विजय नारायण प्रधान, 1995–2001

श्री विजय नारायण का जन्म 6 अक्टूबर 1933 को लखनऊ में हुआ। आपके पिता श्री विष्णु नारायण तथा माता श्रीमती चन्द्रकला लखनऊ के प्रतिष्ठित तथा समाज सहयोगी परिवारों में से थे। आपके परिवार में पत्नी श्रीमती प्रतिमा, ज्येष्ठ पुत्र नीरज (जौनी), पुत्रवधू रितु तथा तीन पुत्रियाँ नीरा, नलिनी और नमिता हैं। सन् 1955 से लखनऊ में अपने पैत्रिक व्यवसाय प्रकाशन एवं मुद्रण में रहे। 1963 में आप दिल्ली आए तथा अपने बहनोई श्री विष्णु कुमार जी के साथ मिलकर एक प्रतिष्ठित संस्थान जे. के. पेपर मिल्स के प्रमुख वितरक के रूप में कार्य प्रारम्भ किया। इसके अतिरिक्त ग्रेटर नोएडा में आपका प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग का भी प्रतिष्ठान है। आप अखिल भारतीय भार्गव सभा के प्रधान 1995 से 2001 तक लगातार चुने गये। भार्गव आश्रम हरिद्वार का नवीनीकरण, आजीवन सदस्यों की सूची, भार्गव पत्रिका, टैक्निकल शिक्षा, नेशनल डायरेक्ट्री योजना, विवाह परामर्श उपसमिति, अधिवेशन मार्गदर्शिका में आपका विशेष सहयोग रहा। आपके कार्यकाल में ही हैरिटेज, अधिवेशन आयोजन, निधियों आदि की नयी उपसमितियाँ स्थापित की गयी हैं तथा इस ओर अब सुव्यवस्थित रूप से कार्य चल रहा है। अपने अंत तक निरन्तर सभा की प्रगति एवं कार्यों में अपना सक्रीय योगदान दिया।

श्री मनमोहन कुमार प्रधान 2015–2017

श्री मनमोहन कुमार का जन्म श्री अनन्तराम जी व श्रीमती त्रिवेणी देवी के परिवार लखनऊ में 4 जनवरी, 1934 को हुआ। पत्नी श्रीमती निर्मल, एकमात्र पुत्र संदीप, पुत्रवधू श्रीमती गुंजन तथा उनके दो पुत्र हैं। मनमोहन जी की प्रारम्भिक शिक्षा दिल्ली में हुई। आपने बी.ए. की परीक्षा लखनऊ विश्वविद्यालय से सन् 1956 में पास की। आपने सर्वप्रथम 1951 में अपने फूफा आदरणीय पं. विद्याशंकर जी के संस्थान सूरज प्रिंटिंग प्रेस में कार्य किया। आपने 27 वर्ष की अल्पायु में ही सरिता, मुक्ता आदि विख्यात पत्रिकाओं के प्रकाशक ''दिल्ली प्रेस'' में प्रबन्धक के पद पर कार्य किया। सन् 1964 में आपने अपना कार्य आरम्भ किया तथा सन् 1968 में कुमार प्रिंटर्स की स्थापना की जो दिल्ली के प्रतिष्ठित तथा अग्रणी प्रेसों में जाना जाता है।

मनमोहन जी वैसे तो सभा के कार्यों में आरम्भ से ही रुचि ले रहे थे, परन्तु सन् 1972 में भार्गव सभा के वार्षिक अधिवेशन के अवसर पर स्मारिका के प्रकाशन में आपका बहुत बड़ा योगदान रहा है। आप दिल्ली भार्गव सभा की कार्यकारिणी की सदस्य तथा उपाध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके हैं। 1994 से 2015 तक प्रधान सचिव एवं 2015–17 तक प्रधान रहे। आपके कार्यकाल में सभा के कार्यों एवं आर्थिक स्थिति में प्रशंसनीय परिवर्तन एवं प्रगति हुई।

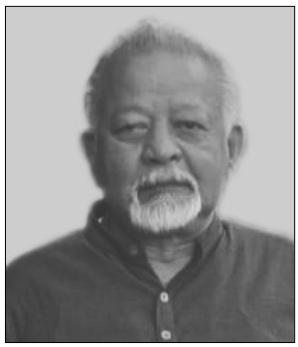

श्री सुरेश कुमार भार्गव, दिल्ली
प्रधान, अ.भा.भा. सभा वर्ष 2001 से 2005

आपका जन्म 26 जून 1952 को ओंकार नाथ जी के यहाँ अलवर में हआ। आपका विवाह श्री रमा शंकर, दिल्ली की सुपुत्री श्रीमती नीरा के साथ 27.4.1980 को सम्पन्न हुआ। आपकी तीन पुत्रियाँ सुनीला, नुपुर, पलक हैं। सुरेश जी कांग्रेस के कर्मठ कार्यकर्ता रहे हैं। आपने स्व. लाला राम चरण अग्रवाल एवं उनके पुत्र जय प्रकाश अग्रवाल के साथ समाज सेवा के कई कार्य करे। Emergency के समय एवं चीन के साथ युद्ध में आप सक्रिय कार्यकर्ता के रुप में रहे। लोगों की हरसंभव सहायता करी।

सुरेश जी स्नातक स्तर तक शिक्षा उत्तीर्ण कर विदेश चले गये थे। अनेकों वर्षों तक वहाँ कार्य करने के उपरान्त दिल्ली आकर रियल एस्टेट कन्सलटेन्ट, प्रमोटर एण्ड डेवलेपर के रूप में विख्यात हुए। आप समाज में तन, मन, धन से सेवा करने के लिए सदैव अग्रणी हैं। आपने कई परिवारों को सहयोग एवं नौकरी दिलाकर अपने पैरों पर खड़ा कराया। आप कनु एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रवीर कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन हैं। एम.एन.सी. एट मिडिल एण्ड ईस्ट अफ्रीका में 1976 से 1986 तक एडमिनिस्ट्रेटिव एक्जीक्यूटिव के पद पर भी आप आसीन रहे हैं।

भार्गव सभा के 1995–2001 तक उप प्रधान व 2001–2005 तक प्रधान रहे। आपके प्रयास व सूझबूझ के कारण सभा की सम्पत्ति के अच्छे प्रबन्धन से सभा को अच्छा लाभ हुआ। उन्हीं के प्रयासों के कारण 174 जोरबाग आजकल भार्गव सभा के पूर्ण अधिकार में है और उससे 1.5 करोड़ की सालाना आय हो रही है। आप ही की अध्यक्षता में 2004 में संविधान संशोधन कर पारित किया गया। हरिद्वार अधिवेशन में आप चेयरमैन तथा 2006 दिल्ली अधिवेशन में आप अधिवेशन में आयोजन समिति के चेयरमैन तथा स्वागताध्यक्ष रहे। सेन्ट्रल प्रोपर्टी कमेटी के चेयरमैन एवं विभिन्न समितियों के सदस्य भी रहे हैं। 2004 से ढोसी मंदिर में आपका प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप में सहयोग प्रशंसनीय है। आप ही के प्रयास से ढोसी मंदिर के जीर्णोद्धार की 20 लाख रुपये से अधिक की योजना श्रीमती पुष्पा–नगेन्द्र प्रकाश, दिल्ली के सौजन्य से पूरी हुई। आपका हर वर्ष ढोसी मंदिर को बेहतर बनाने में आपका महत्वपूर्ण प्रयास रहता है। आपका समाज सेवा में योगदान सराहनीय है। इन उपलब्धियों को देखते हुए आप प्रशंसा के पात्र हैं।

आपकी समाज के प्रति सेवा को देखते हुए दिल्ली भार्गव सभा द्वारा आपको 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' भी दिया जा चुका हैं।

सेठ फतेह चन्द

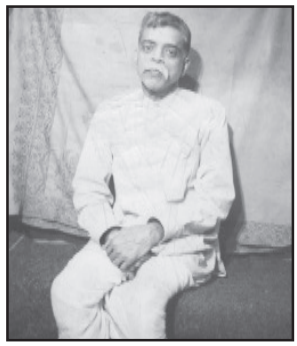

दिल्ली नगर का अत्यन्त पुराना परिवार, सेठ किशोरी लाल, सेठ फतेह चन्द जी का है। इस परिवार ने दिल्ली भार्गव सभा की समय–समय पर सेवा की है। दिल्ली में होली महोत्सव हर वर्ष बड़े अच्छे ढंग से मनाया जाता था। सभी परिवारों के सदस्य होली इस परिवार के निवास स्थान पर खेलने जाया करते थे। अखिल भारतीय भार्गव सभा का अधिवेशन जो 1949 में दिल्ली में हुआ था सेठ फूलचन्द जी के सहयोग से ही आयोजित किया था। यह परिवार दिल्ली में 150 वर्ष से भी अधिक समय से है। इस परिवार से श्री प्रेमचन्द जी, श्री महेश चन्द जी, श्री कैलाश नाथ जी, श्री विजय भूषण आदि हैं अब इनके पुत्र व पौत्र सभा को सहयोग देते रहते हैं।

पं. बेनी प्रसाद

पं. बेनी प्रसाद दिल्ली के पुराने निवासी थे। आप फर्नीचर तथा नीलामी का कार्य करते थे। आप बड़े उदार प्रवृत्ति के थे व भार्गव सभा के कार्यों में बड़ी रुचि लेते थे। उनकी पत्नी भी बिरादरी के कार्यों में हिस्सा लेती थी। उनके यहाँ एक बंगाली क्लर्क तथा डोंडी पीटने वाला चमार पुराने कार्यकर्ता थे जिनके लिए उन्होंने पर्याप्त धन छोड़ा। सन् 1935 में उनका देहान्त हो गया और ठीक 15 दिन बाद उनकी धर्मपत्नी का भी देहान्त हो गया। दिल्ली भार्गव समाज के लिए उन्होंने काफी धन भी छोड़ा था। अपनी जायदाद का आप एक बेनी प्रसाद ट्रस्ट बना गये थे जिसमें उनकी पत्नी आनंदी देवी के नाम से भवन बनना है जिससे समाज के कमजोर वर्ग को सहायता मिल सके। अभी उनके ट्रस्ट में श्री सुरेश भार्गव ट्रस्टी चेयरमैन , श्री ओम प्रकाश ट्रस्टी सैकेटरी, अन्य ट्रस्टी श्री देवेन्द्र कुमार, श्री ब्रिजेन्द्र सिंह, श्री हीरेन्द्र नाथ, श्री संजीव हैं। इस ट्रस्ट ने एक 2000 गज का प्लाट नोएड़ा सेक्टर 146 में खरीदा गया है।

राय साहब गंगा सरनदास

आप दिल्ली के डिप्टी कलेक्टर श्री रामसरनदास जी के पुत्र थे। आपका जन्म सन् 1856 में हुआ। आपका विवाह लखनऊ निवासी मुंशी नवल किशोर भार्गव के प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था। आप धार्मिक प्रवृत्ति तथा रोबेली व्यक्तित्व के धनी थे। आपकी मृत्यु सन् 1933 में हुई। आप के पुत्र श्री निरंजन लाल, पौत्र श्री सुरेन्द्र नाथ दिल्ली भार्गव सभा के प्रधान रहे। आपके प्रपौत्र श्री राजीव दिल्ली भार्गव यूवा संध के प्रधान रह चुके हैं।

डॉक्टर मोती लाल

प्रसिद्ध समाज सेवी राय बहादुर मनोहर लाल जी के आप अग्रज पुत्र हैं। स्नातकोत्तर पढ़ाई के पश्चात मोती लाल जी ने स्काऊट व शिक्षा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया। 1947 के विश्व जैम्बूर, फांस में भाग लिया। D.Phil की प्राप्ती की और डिस्ट्रिकट इंस्पेक्टर ऑफ स्कूल, उत्तर प्रदेश के पद से सेवा अवकाश ग्रहण किया। भार्गव सभा में किसी भी पद पर आसीन न होकर भी आपने अपने सेवाओं से वाह वाह लूटी। 'हेमू और उनका युग' नामक पुस्तक लिखकर हेमू के जीवन पर गहन प्रकाश डाला। 1971 से 1986 की अवधि में अनुसंधान, अध्ययन और लेखक के रूप में उनकी लगन ने, जवाहरलाल नेहरू मैमोरियल ट्रस्ट, ICHR, मेरठ विश्वविद्यालय की फैलोशिप और 'साऊथ ईस्ट' एशिया में भारतीय मूल के निवासियों और स्वतंत्रता संग्राम पर संदर्भ समाग्री का संकलन जैसी परियोजना आप को सौंपी गयी। सन् 1954 से 1992 के काल में डॉक्टर साहव ने व्यापक अनुसंधान किया व 27 पुस्तकें लिखी जिनकी न केवल भार्गव समाज ने अपितु विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों ने भूरी–भूरी प्रंशसा की। कुछ पुस्तकों के नाम यह हैं– संघर्ष कालीन नेताओं की जीवनिया, प्रथम स्वतंत्राता संग्राम की झलकियाँ, पफर्स्ट मार्टियर टू कॉन्सटिट्यूशनल फरीडम, हिस्ट्री ऑपफ मार्डन इंडिया, सागा ऑफ 1857। इतनी उच्च प्रतिभा के कारण जो ख्याति उन्हें मिली वे स्वाभाविक थी। भार्गव समाज उनको नमन करता है व उनकी योग्यता पर गर्व करता है। उनके बड़े बेटे आदित्य कुमार ने उनके द्वारा रचित सभी पुस्तकों का एक संकलन अ. भा. भा. सभा को संग्रहित करने हेतु भेंट किया। आपका जन्म जनवरी 17, 1917 को हुआ व मृत्यु जून 25, 1993 को हुई।

श्री रामेश्वर दयाल

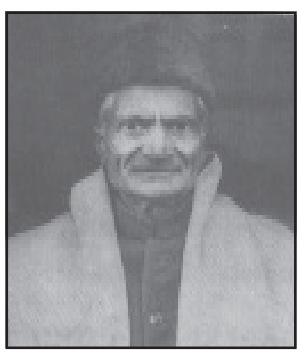

श्री रामेश्वर दयाल का जन्म 1910 में श्री श्याम सरन भार्गव, हाथरस निवासी के यहाँ हुआ। साधारण परिवार में जन्म होने के कारण आपकी शिक्षा ना के बराबर हुई। 12 वर्ष की आयु से ही आपको कार्यरत होना पड़ा। दिल्ली आने के पश्चात् आप चीरे खाने में रहने लगे तथा भार्गव सभा की गतिविधियों में रुचि लेने लगे। किसी के यहां शादी हो या मृत्यु हो आप किसी भी कार्य में पीछे नहीं हटते थे। आपके पुत्र सत्यनारायण जी सभा के कार्यों में रुचि रखते हैं। आप की एक विशेषता थी कि सभा द्वारा जब भी खाना होता था जो भी सामान बचता था आप उसे वहीं पर बेच कर सभा को किसी भी प्रकार के नुकसान से बचाते थे। आपका स्वर्गवास 1988 में हुआ।

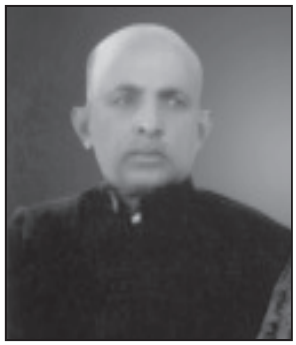

श्री राधा रमन

पं. वासुदेव सहाय जी के सबसे छोटे पुत्र श्री राधा रमन भार्गव का जन्म सन् 1904 में भटिन्डा में हुआ, जहां उनके पिता रेलवे में चीफ क्लर्क के पद पर थे। थोड़े दिन बाद उनका परिवार दिल्ली आकर बस गया जहाँ उन्होंने गवर्नमेंट स्कूल से मैट्रिक किया, और हिन्दू कालेज में दाखिला ले लिया। जहां पढ़ाई–लिखाई से अधिक उन्होंने हॉकी और टेनिस खेलने में दिलचस्पी दिखाई। 1925 में आप का विवाह आँवला निवासी पं. गंगा प्रसाद जी की सुपुत्री आयु. कमलावती से हुआ। उन्होंने ''दिल्ली इन टू डेज'' के नाम से दिल्ली में आने वाले पर्यटकों के लिए एक गाइड़ निकाली। वर्षों उन्होंने 'दिल्ली डाइरेक्टरी' का सम्पादन व प्रकाशन किया, कृपाशंकर रविशंकर के नाम से कागज का व्यवसाय किया, म्युनिसिपल प्रैस में चीफ प्रूफ–रीडर के पद पर काम किया, कैक्सटन प्रैस में भाइयों के साथ काम किया एवम् दिल्ली डाइरेक्टरी प्रेस के नाम से छापाखाना चलाया। दिल्ली भार्गव यंगमैन ऐसोसियेसन, दिल्ली भार्गव सभा और दिल्ली भार्गव क्लब की गतिविधियों में सक्रिय भाग लेते रहे। 1980 में आपका स्वर्गवास हो गया। आपके पुत्र स्व. श्री रविशंकर, स्व. श्री ध्रुव, स्व. श्री प्रेमनाथ हैं।

श्री केदार नाथ

त्याग, प्रेम और कर्म की मूर्त श्री केदार नाथ का जन्म रक्षा बंधन के दिन 16 अगस्त 1913 को श्री शम्भू दयाल जी के यहां हुआ। आप पं. दीनानाथ भार्गव 'दिनेश' के अनुज भ्राता थे। भार्गव सभा के कार्यों में आपकी रुचि हमेशा ही रही। दिल्ली भार्गव सभा के आप कई वर्षों तक उप–प्रधान रहे। सन् 1930 में आपने जमना प्रिंटिंग वर्क्स के नाम से कार्य प्रारम्भ किया। आपके छः पुत्र एवं एक पुत्री थी। आपकी धर्मपत्नी शान्ति देवी भी समाज के कार्यों में उनका साथ देती थी। आपका निधन 12 मार्च 1994 को हुआ।

पं. रोशन लाल

आप मथुरा निवासी थे। आपके छोटे भाई का नाम श्री फूलचन्द जी था। बचपन में ही पिता की मृत्यु हो जाने के कारण आपका पालन पोषण माता ने ही किया था। आपके एक लड़का और एक लड़की थी। संयोग की बात है कि आपकी लड़की, दामाद, पुत्र, श्रीमती तथा भाई एक–एक करके थोड़े ही समय में स्वर्गवासी हो गये। आरम्भ में रेलवे में नौकरी करने के उपरान्त थौमस कुक के यहां भी की। बाद में किशोरी लाल एन्ड संस में पं. सुन्दरलाल जी के साथ कागज का काम किया। आप दिल्ली भार्गव सभा के लिए काफी धन छोड़ गये।

श्री नगेन्द्र प्रकाश भार्गव

श्री नगेन्द्र प्रकाशं भार्गव आत्मज श्री प्रभू दयाल भार्गव आगरा का जन्म 9 फरवरी 1933 ई. को मथुरा में हुआ। आपका विवाह श्रीमती पुष्पा सुपुत्री श्री रामेश्वर दयाल से 3 जुलाई 1957 को हुआ। आपने बी. ए. करने के पश्चात अपने पिता के साथ मिडलेण्ड फ्रुट एण्ड बेजिटेबल प्रोडक्ट्स में कार्य करना प्रारंभ किया एवं उसकी प्रगति बढ़ाकर वर्तमान ख्याति पूर्ण स्थिति में लाये हैं। इस क्षेत्र में यह भारत के प्रमुख उद्योगों में गिना जाता है। आपने ऊष्ण क्षेत्र के फलों के रस 68 ब्रिक्स तक सांद्रीकरण करने पर शोध की है। आपको लाय संसाधन के क्षेत्र में सर्व श्रेष्ठ कार्य के लिये कशालकर स्मृति अवार्ड प्रदान किया गया। आप रोटरी क्लब के सदस्य हैं एवं उसके माध्यम से अपंग एवं नेत्रहीन लोगों के लिए सामाजिक सेवा योजनाओं में कार्य करते रहे हैं। औद्योगिक एवं सामाजिक क्षेत्र में किया जा रहा आपका योगदान प्रशंसनीय है।आपने दिल्ली भार्गव सभा में समाज कल्याण एवं चिकित्सा सहायता के लिए निधियां स्थापित कर रखी है। अखिल भारतीय भार्गव सभा में आपातकालीन चिकित्सा कोष, कन्या विवाह कोष एवं 25 लाख रुपये की ढोसी मंदिर की व्यवस्था के लिए निधि एवं अनेक पुरस्कार की निधियां स्थापित कर रखी हैं। आपने ढोसी मंदिर का जीर्णोद्धार भी स्वयं के द्वारा कराया। सभा ऐसे दानवीर का स्वागत करती है।

श्री हरिहर नाथ

श्री हरिहर नाथ का जन्म पहली फरवरी 1912 को स्व. पंडित रामदास भार्गव के परिवार में वाराणसी में हुआ। पंडित राम दास जी के 3 पुत्र और एक पुत्री थी जिनमें हरिहरनाथ सबसे छोटे थे। हरिहर नाथ ने इलाहाबाद में शिक्षा प्राप्त की। उनका विवाह आगरा निवासी हरिहर नाथ भार्गव की पुत्री गोमती रानी के साथ 30 जनवरी 1933 को हुआ। दामाद और ससुर का नाम एक होने के कारण दामाद का नाम प्यार से हल्लू जी रख दिया गया। समाज में वे इसी नाम से प्रसिद्ध थे। उन्होंने इंडिया पेपर पल्प कंपनी में सेवा की। वे 1930 में वाराणसी से आकर दिल्ली में बस गये। दिल्ली भार्गव सभा के लिए जी जान से कार्य किया। वर्षों तक वे दिल्ली भार्गव सभा के कोषाध्यक्ष रहे और उन्होंने इस पद पर पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम किया। वे बहुत ही सज्जन पुरुष थे। आपका स्वाभाव बहुत ही शांत और सौम्य था। उसके तीन पुत्र और तीन पुत्रियां थी।

उनका स्वर्गवास 31 जनवरी 1989 को दिल्ली में हुआ। आपके पुत्र श्री अनिल भी वर्षों दिल्ली भार्गव सभा के कोषाध्यक्ष रहे। आपके पौत्र श्री पराग बैंगलोर में निवास करते हैं।

प्रो. डॉ. दयानन्द भार्गव

प्रोफेसर डॉ. दयानन्द भार्गव का जन्म बेरोज, अलवर निवासी श्री चिरंजी लाल एवं श्रीमती सूरज कला के यहां फरवरी, 1936 में हुआ। एम.ए. एवं पी.एच.डी. करने के उपरान्त आप दिल्ली यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट और असोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत रहे। प्रिंसिपल पद पर जम्मू में कार्य किया। आपका विवाह श्रीमती लक्ष्मी देवी के साथ 7 मार्च, 1964 को हुआ। आपके तीन पुत्र व पुत्रवधू–डॉ. वरुण–डॉ. अनु, अनन्त–डॉ. रीना, प्रणव–मणी हैं। आपके पौत्र–पौत्री विदेश से उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

आप जोधपुर में प्रोफसर और हेड तथा डीन फैकल्टी ऑफ आर्ट्स एवं एजुकेशन रहे। जोधपुर में प्रेसिडेंट भार्गव सभा 20 वर्ष रहे और भृगुवंश नाटक लिखा जिसमें भार्गव लोगों का इतिहास लिखा। भार्गव सभा ने इसे छापा और मंचित किया। इन्हें निम्न पुरस्कारों से हिन्दुस्तान में सम्मानित किया गया–1.राष्ट्रपति पुरस्कार; 2. होनरारि डी.लिट.; 3. शिक्षा भूषण पुरस्कार; 4. वेदव्यास पुरस्कार; 5. प्रेक्षा पुरस्कार; 6. हस्तिमल पुरस्कार। **राजस्थान में पुरस्कार**–1. शिक्षा सम्मान; 2. शिक्षा विभाग सम्मान; 3. प्रथम चाणक्य अलंकरण; 4. राजस्थान संस्कृत अकैडमी सम्मान; 5. अमृत सम्मान; 6. सवाई प्रताप सिंह अवार्ड।

अखिल भारतीय भार्गव सभा 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' 100 वर्ष और 125 वर्ष पर दिये गये। आपने अनेक पुस्तकें लिखी हैं और देश–विदेश में भारतीय संस्कृति का प्रचार किया।

प्रोफेसर डॉ. दयानन्द भार्गव को भार्गव समाज में उनके योगदान और भार्गव समाज के इतिहास से समाज का परिचय करवाने तथा विश्व के अनेक देशों में भारतीय दर्शन का प्रचार करने हेतु दिल्ली भार्गव सभा द्वारा भी सम्मानित करा गया।

श्री अनिल

आपका जन्म श्री हरिहर नाथ भाग 'हल्लू जी' एवं श्रीमती गोमारानी के यहां 13 जून 1948 को हुआ। बी.कॉम. करने के पश्चात् आपने अपने पिताजी के अनुभव का लाभ उठाते हुए कागज का व्यवसाय 1971 में प्रारम्भ किया। आपका विवाह श्रीमती कुसुम सुपुत्री श्री मदन गोपाल जी, जयपुर निवासी के साथ 1976 में सम्पन्न हुआ। आपके एक पुत्र पराग व सुपुत्री कुमारी नुपुर हैं। आप दिल्ली भार्गव सभा के वर्षो कोषाध्यक्ष रहे। आपके पुत्र पराग मो. 9818587728 बैंगलोर में निवास करते हैं।

श्री अमरेश्वर सहाय भार्गव

श्री अमरेश्वर सहाय भार्गव का जन्म 10 नवम्बर 1944 को श्री जगदीश्वर सहाय भार्गव तारा देवी भार्गव अनूपशहर के यहां हुआ। प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण करने के बाद आपने B Pharma बनारस हिन्दु विश्वविघालय से डिग्री प्राप्त की। आपने 1970 से दवाई बनाने का काम शुरु करा। Gracure Pharmaceuticals Ltd. के रूप में उनकी कंपनी प्रगति कर रही है उनके भिवाड़ी में 2 प्लांट लगे हुए हैं। जिसको उनके साथ पुत्र श्री पराग एवं पुत्रवधु श्री संभाल रहे हैं। आपका विवाह रागिनि भार्गव सुपुत्री श्री विषणु चन्द भार्गव औरैया निवासी के साथ दिल्ली में 26 जनवरी 1968 को हुआ। शांत प्रवृत्ति के सामाजिक व्यक्ति अमरेश्वर सहाय जी रोटरी क्लब और बहुत सी संस्थाओं से जुड़े हुए है। आप सभी की सहायता के लिए तत्पर रहते हैं जो समाज के प्रति उनके सहयोग को दर्शाता है। आप इस उम्र में भी अपने कार्य के प्रति पूर्ण समर्पित हैं। आपकी घर्मपत्नी भी समाज सेवा में अग्रणी रहती हैं। अखिल भारतीय भार्गव सभा, दिल्ली भार्गव सभा एवं भार्गव महिला सभा दिल्ली में समय–समय पर पूर्ण सहयोग करते रहते है। आपकी समाज के प्रति सेवा को देखते हुए दिल्ली भार्गव सभा द्वारा आपको 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' भी दिया जा चुका हैं।

श्री उमेश चन्द्र भार्गव

उमेश चन्द्र जी का जन्म 7 मई, 1943, को स्व. श्री मुकुंद देव भार्गव एवं स्व. श्रीमती शांति भार्गव के यहाँ मथुरा में हुआ। आपकी शिक्षा मथुरा में सम्पन्न हुई। आगरा विश्वविधालय से स्नातक करी। मथुरा भार्गव हॉकी टीम के सदस्य, जिन्होंने 1963 में मथुरा सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार जीता। इनका विवाह 01 जून 1972 को श्रीमती प्रभा सुपुत्री स्व. श्री रमेश चंद्र भार्गव एवं स्व. श्रीमती तारा भार्गव के साथ हुआ। आप प्रीमियर प्रा. लि. 1.5 साल, लखन पाल प्रा. लि. लगभग 1 साल और कोरेस इंडिया लि. लगभग 34 साल नौकरी करने के बाद 2003 में सेवानिवृत्त हुए। आपका भार्गव सभा में भी विशेष योगदान रहा है। दिल्ली भार्गव सभा में अनेक वर्षों तक उप प्रधान के पद पर रहे। सभा के लिए चन्दा एकत्र करने के विशेष सहयोग रहता है। जनवरी 2020 में दिल्ली भार्गव सभा द्वारा 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

श्री अशोक भार्गव

श्री अशोक भार्गव का जन्म 10 मई 1951 को श्री जगदीश्वर सहाय भार्गव – श्रीमती तारादेवी भार्गव अनूपशहर निवासी के यहाँ हुआ। श्री ओमेश्वर सहाय भार्गव एवं श्रीमती कैलाशवती भार्गव ने अशोक जी को गोद ले लिया था। प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् बैचलर ऑफ फार्मेसी (गोल्ड मैडलिस्ट) 1973 की डिग्री, सागर यूनिवर्सिटी, मध्य प्रदेश से प्राप्त की। आपका विवाह रीता सुपुत्री श्री कृष्ण चन्द्र – श्रीमती निर्मल भार्गव, औरेया निवासी के साथ 15 फरवरी 1975 को सानन्द सम्पन्न हुआ। आपके सुपुत्र राहुल एवं सुपुत्री प्रियंका हैं। अशोक जी गत 50 वर्षों से फार्मास्युटिकल बिजनेस में संलग्न है। मैसर्स एक्स.एल लेबोरेटरीज प्रा. लि., जो दवाइयों के निर्यात में अग्रसर है, के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। दो मैन्युफैक्चरिंग यूनिट, भिवाड़ी राजस्थान और नीमराना राजस्थान में स्थापित है, जिसके द्वारा 40 से अधिक देशों के साथ अपने उत्पादन का निर्यात कर रहे है। श्री अशोक भार्गव एवं श्रीमती रीता भार्गव गरीब बच्चों के उत्थान हेतु विभिन्न संस्थाओं में दान करते रहते हैं। अखिल भारतीय भार्गव सभा, दिल्ली भार्गव सभा एवं भार्गव महिला सभा दिल्ली में समय–समय पर पूर्ण सहयोग करते रहते है। आपकी समाज के प्रति सेवा को देखते हुए दिल्ली भार्गव सभा द्वारा आपको 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' दिया जा चुका हैं।

श्री नरेन्द्र भार्गव

श्री नरेन्द्र का जन्म 9 मार्च 1970 में श्री राजेन्द्र नाथ एवं पुष्पा कान्ती के यहां हुआ। शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात आप का विवाह श्रीमती गुंजन सुपुत्री स्व॰ श्री प्रभात कुमार, नोएडा निवासी से हुआ। 1986–88 में भार्गव युवा संघ दिल्ली की खेल व सांस्कृतिक समिति के सचिव रहे। 1987 अधिवेशन में विशेष कार्यकर्ता, 1988 से 1991 तक भार्गव युवा स्पोर्ट्स एवं रिक्रेशन क्लब दिल्ली का सहायक सचिव, कोषाध्यक्ष रहें। 1994 में अ. भा. भार्गव सभा के अधिवेशन में भोजन समिति के सक्रिय कार्यकर्ता रहे। 2005 अधिवेशन में पंडाल व्यवस्था अधिकारी व 2005 से दिल्ली भार्गव सभा में बिभिन्न पदों पर समाज की सेवा करते हुए 2008 से अखिल भारतीय भार्गव सभा के कार्यकारिणी सदस्य रहते हुए सभा की विभिन्न समितियों में सेवा करी विशेषकर हैरिटेज समिति मे ढोसी मंदिर पुनः उद्वार कार्यक्रम में सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में योगदान रहा। 2010 में अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ के पुर्नगठन पर 2010–12 के प्रधान सचिन के रूप में सेवा दी है। आप दिल्ली भार्गव सभा के वर्ष 2007 से 2019 एवं 2025–27 में कोषाध्यक्ष रहे हैं। आपके एक पुत्र व एक पुत्री है।

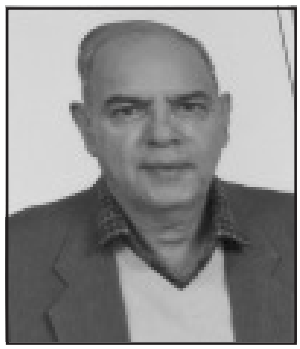

श्री राकेश भार्गव

श्री राकेश भार्गव का जन्म 28 मई 1950 को डॉक्टर सत्य प्रकाश एवं श्रीमती पदमा के यहां बनारस में हुआ। प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण करने के बाद आपने B Pharma की डिग्री प्राप्त की। कुछ समय नौकरी करने के बाद आपने दवाई बनाने का काम शुरु करा। आज वह कंपनी देहरादून में Cooper Pharma Ltd. के रूप में प्रगति कर रही है। आपका विवाह लता भार्गव सुपुत्री ओमेश्वर सहाय अनूप शहर के साथ दिल्ली में 9 दिसंबर 1974 को हुआ। आपके 3 पुत्र है जो इसी कार्य में लगे हुए है। शांत प्रवृत्ति के सामाजिक व्यक्ति राकेश जी रोटरी क्लब और बहुत सी संस्थाओं से जुड़े हुए है। आपका भार्गव सभा में पूर्ण योगदान रहता है। दिल्ली भार्गव सभा आप प्रतिवर्ष असहाय कमजोर वर्ग की सहायता के लिए 51000 देते है जो समाज के प्रति उनके सहयोग को दर्शाता है। आप सभी की सहायता के लिए तत्पर रहते हैं। अखिल भारतीय भार्गव सभा में भी आपका आर्थिक योगदान मिलता है। समाज के ऐसे दानवीर को हमारा नमन। इनकी समाज के प्रति सेवा को देखते हुए दिल्ली भार्गव सभा द्वारा आपको इस वर्ष 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' दिया जा रहा हैं।

श्री गोपाल कृष्ण भार्गव

इनका जन्म 4 मई, 1949, को स्व श्री बनवारी लाल भार्गव एवं श्रीमती कमल कांति भार्गव के यहाँ गुरुग्राम में हुआ। आपकी शिक्षा जयपुर में सम्पन्न हुई। सन् 1969 में दिल्ली आकर करोलबाग में 250 रुपये प्रति माह के वेतन पर अपनी जीवन की नई शुरुआत की। आपने अपने छोटे भाई श्री राधा कृष्ण भार्गव के साथ मिलकर सन् 1972 में अपने व्यवसाय की शुरुआत की। आपका विवाह श्रीमती शर्मिष्ठा भार्गव, पुत्री श्री रघुवीर प्रसाद भार्गव एवं श्रीमती कृपा कांति भार्गव मथुरा निवासी के साथ 15 फरवरी, 1975 को हुआ। जिम्मदारियाँ पूरी करते–करते आपकी आँखों की रोशनी कम होने लगी। आपकी पत्नी ने साये की तरह आपकी यथासम्भव सेवा की। पूर्ण दृष्टिहीन होने पर आपकी आँखें बनी। Confidence और Leadership आप में कूट–कूट कर भरी थीं। आप धार्मिक प्रवृति के थे। कृष्णानगर में श्री दुर्गा मंदिर में विशेष योगदान दिया। आपका भार्गव सभा में भी विशेष योगदान रहा है। दिल्ली भार्गव सभा में अनेक वर्षों तक कोषाध्यक्ष का पद सम्भाला। दो वर्ष उपाध्यक्ष भी रहे। अपने पुत्र मोहित को इस कार्य के लिए प्रेरित किया। जनवरी 2020 में दिल्ली भार्गव सभा द्वारा 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया। 25 मई, 2022 को आप अपने भाई के साथ दमन से ट्रेन से लौट रहे थे और भगवान ने हमेशा के लिए हमसे छीन लिया।

श्री नरेंद्र कुमार भार्गव

श्री नरेंद्र कुमार का जन्म कानपुर निवासी श्रीमती विद्यावती एवं श्री राम प्रसाद जी के यहां 11 फरवरी 1938 को हुआ। प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत आपने एम ए तक की शिक्षा प्राप्त की। शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत आपने दिल्ली में अपना स्वयं का डायरी कैलेंडर और नोवल्टी आइटम का व्यवसाय आरंभ करा। आपका विवाह श्रीमती कुमुद सुपुत्री श्री श्रीकृष्ण जी मथुरा के साथ 23 फरवरी 1966 हुआ। आप दोनो ही शुरू से समाज सेवा के लिए समर्पित रहे। आप धार्मिक प्रवृत्ति के सामाजिक व्यक्ति हैं।

आप हमेशा से दिल्ली भार्गव सभा एवं अखिल भारतीय भार्गव सभा में अपना योगदान देते रहे हैं। स्व. पंडित किशोरी लाल जी के बाद से आज तक दिल्ली भार्गव सभा के बर्तन जो सत्संग भवन में रखे है उस बर्तन समिति के संयोजक है। श्री नरेंद्र जी के प्रस्ताव पर सर्वप्रथम 1985 में 2 अक्टूबर को स्नेह सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसके आप संयोजक भी थे जो बहुत सफल रहा। यह स्नेह सम्मेलन आज तक निर्विघ्न हर वर्ष आयोजित होता है।

स्वर्गीय पंडित बेनी प्रसाद जी को नमन करते हुए दिल्ली भार्गव सभा में एक निधि रु 50000 की पंडित किशोरी लाल बेनी प्रसाद निधि की स्थापना सन 2019 में करी जिसके ब्याज से दिल्ली के समाज कल्याण से सहायता प्राप्त सदस्यों को वर्ष में एक बार अन्न दान किया जाता है। अब इसमें 71,000 रु की राशि बढा कर कुल निधि रु 1,21,000 की हो गई है।

श्री नरेंद्र जी ने अखिल भारतीय भार्गव सभा में समाज के कमजोर वर्ग जिसको समाज कल्याण से सहायता मिलती है उनके लिए वर्ष 2006 में अपने पिता जी स्व. राम प्रसाद जी की शताब्दी वर्ष में रु 61000 की राशि से श्रीमन नारायण कोष, 5 सितंबर 2002 को अपने पूजनीय मामाजी श्री किशोरी लाल जी के 90 वर्ष पूर्ण होने के शुभ अवसर पर भार्गव आश्रम हरिद्वार के भूमि दानदाता स्व. कोशल किशोर जी रेवाड़ी को श्रद्धांजलि देते हुए राजा भगीरथ कोष जो अब 100936 को शुरु करा जो आज तक निर्विघ्न रूप से सभी सदस्यों के सहयोग से चल रहे हैं।

श्री नरेंद्र जी के माध्यम से सत्संग भवन के द्वार सभा के किसी भी कार्यक्रम को करने के लिये खुले हुए है जिसमे आप स्वयं भी अपने योगदान देते रहें है। कार्यकारिणी बैठक, परशुराम दिवस, होली उत्सव आदि कार्यक्रम यहां आयोजित होते रहे है। आपने कई वर्ष होली उत्सव में भोजन भी प्रायोजित करा। सभा द्वारा ऐसे कर्तव्यनिष्ठ समाज सेवी का सम्मान करते हुए उन्हे वर्ष 2024 में लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित करा।

श्री किशन नारायण भार्गव

आपका जन्म 12 मई 1941 को स्व० श्री लक्ष्मीनारायण भार्गव के यहाँ हुआ। बी. ए. करने के पश्चात आप बैंक ऑफ टोकियो लि० में कार्यरत थे। सामाजिक कार्यों में आपकी विशेष रुचि है। आपका विवाह श्रीमती कुसुम भार्गव सुपुत्री स्व० श्री हर किशोर भार्गव, अजमेर के साथ हुआ। आप के 2 पुत्र और 1 पुत्री है। दिल्ली भार्गव युवा संघ के आप सेकेट्ररी व अ० भा० भार्गव युवा संघ के आप संयुक्त सचिव रह चुके हैं। इसके अतिरिक्त आप बैंक ऑफ टोकियो युनियन के संयुक्त सचिव, बाल कला निकेतन के जनरल सेक्रेटरी व नवयुवक संघ, छत्ता मदन गोपाल के साँस्कृतिक मंत्री रह चुके है। आप दिल्ली भार्गव सभा के कई वर्षों तक उप प्रधान रहे। आपने कई वर्षों दिपावली मंगल मिलन के कार्यक्रम आयोजन में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। आपकी पत्नी भी महिला सभा के सभी कायों में अपनी रुचि रखती हैं। आपके पुत्र आशीष मो. 9899766620 दिल्ली भार्गव सभा व अखिल भारतीय भार्गव सभा में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। आपका निधन 5 दिसम्बर को हुआ।

श्री हरीकांत

आपका जन्म, 26 अगस्त 1954 को श्री द्वारका प्रसाद एवं माता देवकी के यहाँ हुआ। आपके माता–पिता धार्मिक विचारों वाले होने के कारण उनका प्रभाव शुरू से ही आपके जीवन में रहा। आपके एक भाई व 3 बहनें हैं। आप ने 12वीं तक की शिक्षा सिकन्दराबाद में रहकर पूरी की और स्नातक की पढ़ाई के साथ प्राइवेट कम्पनी में कार्य करना शुरू कर दिया। 1974 में आपने Cooper Pharma में नौकरी शुरू की और वही से आप श्री अशोक कुमार XL Laboratories के सम्पर्क में आए और तभी से आज तक उनके यहाँ कार्यरत हैं। आपके पिता का स्वर्गवास जल्दी हो गया जिसके कारण आपके ऊपर पारिवारिक जिम्मेदारियाँ को दबाब रहा जिसको आपने माता जी के कुशल मार्ग–दर्शन से निभाया। आपका विवाह 1982 में नीलम भार्गव सुपुत्री श्रीमति सरला भार्गव धर्मपत्नी श्री देवेन्द्र प्रकाश कमला नगर निवासी के साथ हुआ। आपके दो पुत्र हैं – गौरव व निखिल। आप पिछले काफी समय से दिल्ली भार्गव सभा में योगदान देते आ रहे हैं।

दिल्ली भार्गव सभा बर्तन भंडार

आज से लगभग 66 वर्ष पूर्व समाज के वरिष्ठ बंधुओं ने शादी विवाह और अन्य कार्यक्रमों के लिए बर्तन की आवश्यकता को समझते हुए दिल्ली भार्गव सभा का बर्तन भंडार 1941 में भार्गव समुदाय के दानी सज्जनों के सहयोग से शुरु किया गया। समय का चक्र चलता रहा और तीस वर्ष बाद 1971 में काफी बर्तन टूटफूट गये एवं कुछ बर्तन पुराने पड़ जाने के कारण कम उपयोगी रह गये। सभा के भंडार में बहुत कम बर्तन रह गए –रसोई के छोटे बड़े बर्तन कूड़ 8, भगोने छोटे बड़े 18, दक्कन 5, अंगीठी 5 (तीन टूटी हुई हैं) तवे चार, चकले चार, बेलन चार, नहाने धोने के बर्तन – बाल्टी लोहे की 21 (लगभग सभी टूटी हुई), लोटे पीतल के 4, स्टील के बर्तन – 8 बर्तनों बाले सौ सैट–एक सेट में एक थाली, एक गिलास, एक प्लेट, तीन बड़ी कटोरी, एक छोटी कटोरी और एक चम्मच ।

बर्तन उपसमिति जिसके संयोजक किशोरी लाल जी थे, की सिफारिश पर प्रबन्ध समिति ने तय किया कि बर्तनों की संख्या बढ़ाई जाए जिससे कम से कम 5 परिवारों के उत्सवों की आवश्यकताएं एक साथ पूरी की जा सके। इसके लिए कूड़, भगोने ढक्कन, अंगीठी, स्टील के जग, लोहे की बाल्टियां, तवे, चकले, बेलन, पानी के टप, शीशे के गिलास आदि लेने का निर्णय लिया गया जिस पर उस समय लगभग रु 5000 रुपये खर्च का अनुमान लगाया गया प्रबन्ध समिति की बैठक में उपस्थित महानुभावों ने कुछ बर्तन अथवा धन दे कर तुरंत ही पूरा कर दिया। यह बर्तन दिल्ली में तीन सेट बना कर एक सेट ग्रेटर कैलाश में और दो सेट दरिया गंज में रखे गये। एक सेट में निम्नलिखित बर्तन थे–कुंड 3, भगोने में दो बड़े छः बीच के, ढक्कन 8, परात 4, गंगा सागर 4, दुकरें 4, रायते दान 4, लोटे 4, ट्रे स्टील 6, जग स्टील 2, थाल बर्फी 20, चकले 2, तवे 2, बेलन 2. चिमटे 3, बाल्टी लोहे की 6, बाल्टी पीतल बड़ी 2, बाल्टी पीतल छोटी 6, अंगीठी 3, तसले 8, कल्छी 6, कढ़ाई 1, चमचे 4, थाल खाने के 25, रकेवी 50, कटोरी 50, और गिलास 50। उस समय विवाह के अतिरिक्त किसी भी अन्य अवसर के लिए सभा के इस भंडार से बतेन लेने पर शुल्क के रूप में पाँच रुपये देने होते थे।

समय बदलता गया अब सभा के बर्तन सत्संग भवन दरियागंज में रखे हुए है लोगों ने बर्तन लेना काफी सालों से कम कर रखा था तो पीतल के बड़े बर्तन और जो बर्तन खराब हो गए उनको बेच दिया गया। आज सभा के पास स्टील के बर्तन थाली, कटोरी, चम्मच, ग्लास, डोंगे इत्यादि है। किशोरी लाल जी के बाद नरेंद्र जी सत्संग भवन बहुत सालों से संयोजक के रूप में इस कार्य को देख रहे हैं।

भार्गव समाचार दर्शिका

एक दर्पण

किसी भी जाति व समाज की उन्नति में पत्रिका का एक विशेष स्थान होता है। यह एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हम जाति व समाज का रूप प्रत्येक के सामने प्रस्तुत कर सकते हैं व उसमें रहने वाले प्रत्येक वर्ग का सही–सही विश्लेषण कर सकते हैं।

दिल्ली नगरी काफी लम्बे क्षेत्र में फैली होने के कारण हमारी जाति के परिवार भी दूर–दूर तक फैले हुए हैं। उनका आपस में मिलना जुलना तो असम्भव था ही, उसके साथ–साथ वह एक–दूसरे के सुख व दुःख को भी नहीं जान पाते थे। पारस्पारिक मिलनसारी तथा आपसी प्रेम भाव केवल नाम–मात्र को ही था। विवाह योग्य नवयुवक एवं युवतियों की सूची तैयार करने के लिये बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। फिर भी अगस्त सन् 1969 में स्व. पं. जितेन्द्र नाथ जी, स्व. पं. केदार नाथ जी, स्व. विष्णु कुमार जी के सहयोग से स्व. नवीनचन्द्र जी ने इस कार्य को पूर्ण किया।

सन् 1969 में नवीन चन्द्र जी को भार्गव सभा, दिल्ली का मंत्री चुना गया। इस समय उनके सामने अनेकों कठिनाईयाँ उत्पन्न हुई जिसमें सबसे बड़ी थी कि दिल्ली के भार्गव परिवारों को एक दूसरे के निकट किस तरह लाया जाये। इसके लिये कई बैठकें बुलाई गईं पर कोई निष्कर्ष नहीं निकला। प्रत्येक समारोह का बुलेटिन आदि भेजने में अत्यधिक खर्च पड़ने लगा।

अतः विष्णु कुमार जी के निवास स्थान पर एक अत्यन्त आवश्यक बैठक बुलाई गई जिसमें स्व. दीनानाथ दिनेश जी व स्व. जितेन्द्र नाथ जी ने प्रस्ताव पारित किया कि दिल्ली से एक समाचार पत्र हर माह प्रकाशित किया जाये। जिसका नाम भार्गव समाचार दर्शिका रखा जाये। जिसका उद्देश्य था – भार्गव सभा के प्रत्येक वर्ष के डाक व्यय में कमी करना एवं दिल्ली के प्रत्येक भार्गव परिवार को हर प्रकार की सूचना देना तथा पारस्परिक प्रेम व्यवहार बढ़ाना। काफी प्रयत्न करने पश्चात् हमें भार्गव समाचार दर्शिका के नाम से डिक्लेरेशन मिला तथा दिसम्बर मास में हमें डाक कन्सेशन का डी (डी) रजिस्टर्ड नं. भी मिल गया। यह हमारे प्रयास की प्रथम सफलता थी।

सन् 1970 में स्व. केदार नाथ जी ने प्रथम माह की दर्शिका छापकर हमें उत्साहित किया। तत्पश्चात् विज्ञापन दाताओं के सहयोग से इसका कार्य सुचारू रूप से चलाने का प्रयत्न किया गया। सन् 1971 में दर्शिका को एक नया रूप प्रदान किया तथा स्व. पं. ब्रह्मदत्त जी ने दर्शिका के मुख्य पृष्ठ को नया आवरण दिया व काफी समय तक मुख्य पृष्ठ को अपने मुद्रणालय में छापते रहे जिसके लिये समाचार दर्शिका परिवार उनका आभारी है।

समाचार दर्शिका अपने नये रूप, साज–सज्जा में आपवेफ आशीर्वाद व सहयोग से

प्रकाशित हो रही थी कि जुलाई 1972 में दिल्ली से नवीन जी का स्थानान्तरण गाजियाबाद हो गया। दर्शिका के प्रकाशन में मामूली शिथिलता आई जिसका कुछ लोगों ने फायदा उठाने का प्रयत्न किया परन्तु विष्णु कुमार जी, देवेन्द्र जी, पं. मुरारी लाल जी के सहयोग व प्रयत्न से इसका कार्य सुचारू रूप से चलता रहा पर टीका टिप्पणी होती रही व वाद–विवाद इतने बढ़ गये कि अप्रैल व मई 1974 के अंक हम प्रकाशित नहीं कर सके। विष्णु कुमार जी व देवेन्द्र जी के सतत् परिश्रम व प्रयास से जून 1974 से फरवरी 1980 तक दर्शिका बहुत ही सुन्दर ढंग से प्रकाशित हो रही थी कि 4 मार्च 1980 को दर्शिका के संस्थापक व सम्पादक नवीन जी का स्वर्गवास हो गया। अप्रैल 1980 में योगेश जी को दर्शिका का सम्पादक बनाया गया। तब से दिसम्बर 1992 तक दर्शिका का प्रकाशन सुचारू रूप से चलता रहा।

मार्च 1993 में योगेश जी यहाँ से लखनऊ चले गये तथा योगेश जी ने भार्गव सभा के कई कार्यकर्त्ताओं से निवेदन किया कि वे दर्शिका का प्रकाशन अपने हाथ मे लेलें। परन्तु किसी से भी कोई संतुष्ट उत्तर ना मिलने के कारण इसका प्रकाशन बन्द हो गया। अक्टूबर 1995 में पुनः दिल्ली में वापिस आने पर योगेश जी ने दिल्ली भार्गव सभा के कार्यकलापों में रुचि लेनी प्रारंभ की व महसूस किया कि जो दर्शिका दिल्ली के भार्गवों को एक–दूसरे से जोड़ने की कड़ी थी इसके प्रकाशन की दिल्ली के भार्गव परिवारों को अत्यन्त आवश्यकता है। अतः इसके प्रकाशन की पुनः आवश्यकता को देखते हुए जनवरी 1996 में इसके प्रकाशन पर विचार किया गया तथा सर्वश्री विष्णु कुमार, उमेश, डॉ. सतीश, बालकृष्ण, संजीव के सहयोग से इसका प्रकाशन पुनः अप्रैल 1996 से प्रारंभ किया गया। वर्ष 2023 में योगेश जी ने मुझे दर्शिका का सम्पादक बनाया। 1996 से आज तक इस दर्शिका के माध्यम से हम आपकी निरंतर सेवा कर रहे हैं। दर्शिका के सम्पादक मंडल में दिल्ली भार्गव सभा की तरफ से 4 सदस्य, महिला सभा के प्रधान एवं सचिव तथा युवा संध के प्रधान भेजे जाते हैं।

भार्गव समाचार दर्शिका की ओर से समस्त विज्ञापनदाताओं एवं सहयोगियों को धन्यवाद करता हूँ जिनके सहयोग से दर्शिका दिन प्रतिदिन उन्नति के शिखर पर पहुँचती जा रही है तथा अन्त में स्व. पं. दीनानाथ दिनेश, स्वं. पं जितेन्द्र नाथ जी, स्व. केदार नाथ जी एवं दर्शिका के संस्थापक स्व. नवीन चन्द्र जी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ जिन की प्रेरणा से दर्शिका का जन्म हुआ व आज तक प्रकाशित हो रही है। मै आभारी हुं प्रबन्ध सम्पादक नीरा जी एवं मुख्य संरक्षक योगेश जी का जिनके निर्देशन में मैं यह कार्य कर पा रहा हुं।

समाचार दर्शिका परिवार की ओर से आप सबकों नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं।

वी–182/3, अरविन्द नगर,
धौड़ा, दिल्ली–110053

संजीव भार्गव
सम्पादक

MOHIT BHARGAVA
9810818585

VATIYAANA
Jewels
House of Fashion Jewellery

The Ultimate
One-Stop Shop for
All Your Fashion Jewellery.

START YOUR OWN BUSINESS

Associate with Our Brand
Women Empowerment
No Investment
Work from Home
Good Earning

Join Us!!

FOR MORE DETAILS - 9911004143

B-120, SECTOR 67, NOIDA 201301
WWW.VATIYAANA.COM

In Loving Memory of .....

Shri Kedar Nath Bhargava
16/8/1913 - 12/3/1994

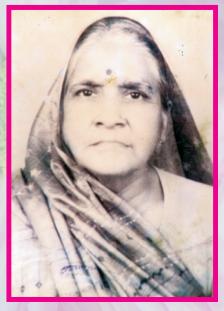

Smt. Shanti Devi
5/6/1922 - 26/1/1997

Shri Navin Chandra
1/11/1942 - 4/3/1980

Smt. Pushpa
6/12/1943 - 15/11/2007

Shri Umesh Chander
24/5/1944 - 8/2/2011

Smt. Madhu
30/9/1952 - 26/10/2006

Shri Satish Chandra
29/10/1949 - 24/12/2013

Shri Sanjeev - Smt. Annu, Miss Aditi, Miss Anshika, Master Akshat
V-182/3, Arvind Nagar, Ghonda, Delhi - 110053 • Mob. : 91362 29066

Smt. Manju, Shri Sanjay - Dr. Niharika, Samarth, Gaurangi
C-4/99, Sector - 31, Noida - 201301 • Mob. : 98111 50777

Shri Yogesh, Shri Mayank - Smt. Meenakshi, Master Daksh, Miss Aadhaya
A-1/24, DLF, Dilshad Extn. - 2, Sahibabad, Ghaziabad (U. P.) - 201005 • Mob. : 93122 43182

Smt. Anjana, Dr. Pankaj - Smt. Vaishali, Shri Nishith - Smt. Ratna
Miss Deetya, Master Shivin, Miss Samriddhi, Master Yakshit, Master Dhairya
110, Vigyan Vihar, Delhi - 110092 • Mob. : 81307 12247

Dr. Rakesh - Smt. Amita, Shri Kunal - Smt. Nidhi
F-4046, Gaur Green City, Indirapuram, Ghaziabad (U. P.) • Mob. : 93130 11052

With Best Compliments from....

B. B. Bhargava - Meena Bhargava

Son - Daughter in law
Jayant Bhargava - Priya Bhargava

Grand Son
Shaurya Bhargava

Daughter - Son in law
Kanika Bhargava - Mayank Bhargava

Grand Son
Rian Bhargava, Siddhan Bhargava

Daughter
Richi Bhargava

C-3, Pandav Nagar, Delhi - 110 092
Mob. : 91366 20604, 99533 67990
E-mail : meenabhargva1@gmail.com

New NFO Launch a ₹10/-

- Diversified Fund - Series 2
  (23% return achieved in Series 1)
- Lifetime Family Protection

Instant Lifetime Income Plan

- Get ₹40,000/-immediately
  by investing just ₹1,00,000/-

Presented by

HDFC Life

Sar utha ke jiyo!

For Special Community Offer, Contact :

MANISH BHARGAVA

9212221113

Insurance Plans
With Savings

TERM PLAN

SBI Life

Apne liye. Apno ke liye.

GUARANTEED INCOME

GET ₹2 CR LIFE COVER
IN JUST ₹11,646/- PER YEAR

GET ₹10 LAKH MEDICLAIM
IN ₹9,000/- P. A. FOR YOUR FAMILY

PAY

₹100,000 p.a.
for 10 years

Total Premium
₹10,00,000

GET

₹97,670 X 25 years
₹24,41,750

Maturity Benefit
₹11,00,000

Total Benefit
₹35,41,750

*Life cover for entire policy term (50 years)

MANISH BHARGAVA

9212221113

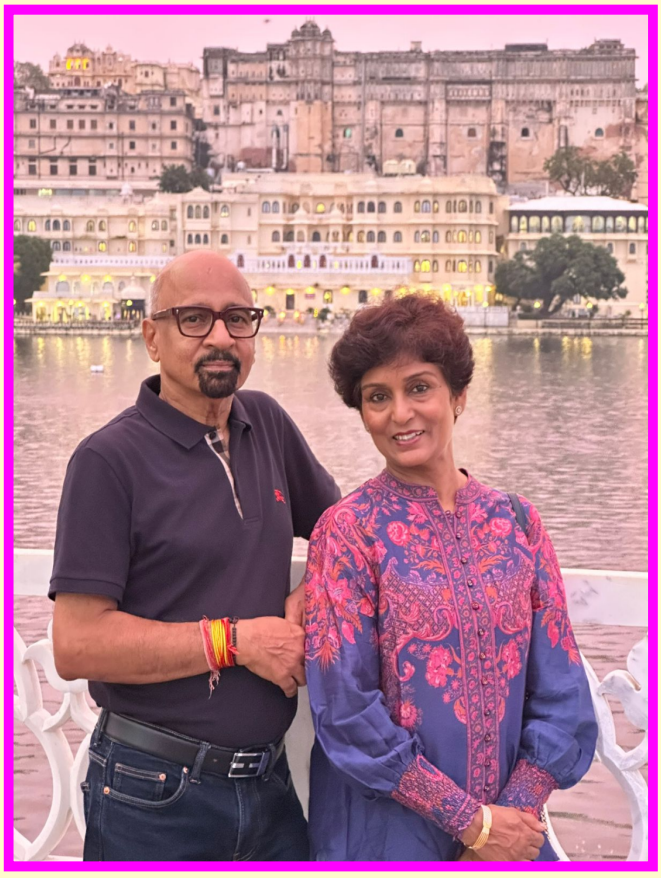

Leap Edtech Learning (P) Limited

Corporate Affairs & Public Policy Advisors to MNCs & Indian Corporates

Sandeep Bhargava
CEO

Renu Bhargava
Director

Contact: 9899115341

Email : sandeep@leapedtech.com

भार्गव महिला सभा दिल्ली का इतिहास, उद्‌भव व विकास

भार्गव महिलाओं के उत्थान के लिए दिल्ली में भार्गव महिला सभा का जन्म भी कुछ ऐसे समय में हुआ जिस समय सामाजिक संस्थाएँ आमोद–प्रमोद आदि कुछ कार्य, भार्गव सभा नहीं कर सकती थी। अतः हमारे पूज्य जनों ने उसके लिए महिलाओं का संगठन बनाना आवश्यक समझा व समय की मांग को ध्यान में रखते हुए आज से 66 वर्ष पूर्व 1959 में समाज सुधारक स्व. श्री मोती लाल जी, स्व. श्री मनोहर लाल जी. स्व. गीता वाचस्पति माननीय दीना नाथ दिनेश जी जैसे कर्मठ कार्यकर्ताओं के प्रोत्साहन व प्रेरणा तथा भगवान की अनुकम्पा से आपसी प्रेम व महिलाओं की जागरूकता हेतु भार्गव महिला सभा का बीजारोपण किया गया। संस्था के बीजारोपण के उपरान्त इस सभा को आगे बढ़ाने में व उसके प्रचार में सर्वप्रथम स्व. श्रीमती विद्यावती जी (पत्नी श्री किशन भार्गव) का अत्यधिक प्रयास रहा। भार्गव सभा के सुझाव से सन् 1959 में स्व. श्रीमती सरला जी जोरबाग (धर्मपत्नी स्व. श्री कृष्णा चन्द्र जी) को सभा का संचालन भार सौंपा गया। वह किचिन गार्डन संस्था की भी संस्थापक थीं जो दिल्ली में ही नहीं अपितु अन्य शहरों में भी जारे–शोर से चल रही है। भार्गव महिला सभा की संस्थापिका के रूप में स्व. श्रीमती द्रोपदी भार्गव (पत्नी श्री हरि कृष्ण जी) को प्रथम प्रधान पद पर आसीन किया गया। मंत्राणी का पद स्व. श्रीमती सरला जी जोरबाग को दिया गया। श्रीमती रतन जी (पत्नी श्री लक्ष्मण देव जी) को कोषाध्यक्ष व स्व. श्रीमती कांति जी (पत्नी श्री महावीर प्रसाद जी) व स्व. श्रीमती ज्ञानवती जी (पत्नी श्री रामेश्वर प्रसाद जी) उपमंत्राणी चुनी गई। स्व. श्रीमती गायत्री देवी (पत्नी फूल चन्द जी) व स्व. श्रीमती प्रकाशवती जी (पत्नी श्री गोपीनाथ जी) ने उपाध्यक्ष पद ग्रहण किए।

सन् 1959 से 60 तक कार्यकारिणी समिति के गठन के पश्चात् सभी भार्गव महिलाओं तक संस्था की आवाज पहुँचाने व सभा को व्यापक रूप देने व जोड़ने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में महिला सभाएँ आयोजित की गईं। जिनमें महिला सभा के उद्देश्यों की चर्चा के अतिरिक्त आपस में प्रेम कैसे बढ़े व किस प्रकार एक दूसरे के सुख–दुःख में हाथ बटा सकें आदि बातों पर जोर दिया गया। विद्यावती जी व गायत्री जी ने इस कार्य में अथक परिश्रम किया। धीरे–धीरे बच्चों के प्रोग्राम आदि भी इस सभा के कार्यों के अंग बनते गए। प्रदर्शनी कढ़ाई, बुनाई, हस्तकला, पेंटिंग, ड्राइंग, व्यंजन, नृत्य, संगीत, खेलकूद, वाद विवाद आदि प्रतियोगिताएँ महिलाओं व बच्चों के मध्य अत्यन्त रोचक व सफलतापूर्वक मनाई जाने लगीं। धीरे धीरे इसका रूप विस्तृत होकर अन्य प्रतियोगिताओं में बदलता जा रहा है। इन सबके साथ–साथ पिकनिक आदि का आयोजन, तीज उत्सव, आनन्दमेला, वार्षिक उत्सव, होली उत्सव आदि आयोजनों का प्रादुर्भाव

1959 में ही प्रथम बार हुआ जो आज तक नियमित रूप से चल रहा है। संस्था के संस्थापन के एक वर्ष बाद दिल्ली राज्य संघ में लागू संस्था पंजीकरण अधिनियम 1960 पंजाब संशोधन अधिनियम 1957 के आधीन भार्गव सभा से पहले पंजीकृत कर लिया गया। सन् 1972 में सरला जी (जोरबाग) के कार्यकाल में सभा का प्रथम संविधान बना।

महिला सभा के उद्देश्य भी भार्गव सभा की भांति आपसी भाईचारा, सामाजिक उत्थान, सौहार्द की भावना जागृत करना तथा दूसरों के सुख दुख में भागी होना, सामाजिक समस्याओं, दहेजप्रथा आदि कुरीतियों का निवारण करना व उन्हें जड़ से मिटाना, विधवाओं व निराश्रितों की सहायता, कन्या विवाह, पढ़ाई हेतु छात्रवृत्ति तथा अन्य प्रकार की सुविधा देना, दहेज रहित विवाह व विवाह–संबंधी समस्याओं को हल करना आदि।

राष्ट्रीय संकट में सहायता राष्ट्रीय संकट के समय 1962 में चीन युद्ध में 1968 में पाकिसान युद्ध में देश की आर्थिक सहायतार्थ नेतृत्व में जवानों के लिए धन. 100 नाइट सूट, खाने के पैकेट तथा रेलवे स्टेशन पर कैंटीन में कार्य किया। भारत को प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की अपील पर दो दिन में 1000 पजामे सिलकर जवानों के लिए दिए तथा 5000 रु. का कपड़े, बिस्कुट के पैकेट, साबुन आदि सामान दान स्वरूप दिए। युद्ध में वीरगती प्राप्त हुए जवानों को विधवाओं को साड़ियों व अन्य सहायता दी। भूकम्प व बाढ़ पीड़ितों को भी हर तरह से सहायता दी। महिला सभा जाति की गरीब बहिनों को साड़िया, कपड़े, धन सिलाई मशीन गरीब जातीय कन्याओं के कन्यादान हेतु धन, बर्तन व अन्य जरूरत की वस्तुएँ सहायतार्थ देती आई हैं।

सन् 2003 से सभा को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने का पूर्ण प्रयास किया गया है। वैसे सभा पहले से ही आर्थिक रूप से मजबूत है। सभी कार्यक्रमों पर चाहे वह सांस्कृतिक हो, प्रतियोगिता अथवा धार्मिक आयोजन हो सभी का स्तर बढ़ाने का पूर्ण प्रयास किया गया है। सभी के सहयोग से कार्यक्रम अत्यधिक सफल रहे। मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया जाता है।

महिला सभा में सदस्याओं के जन्म दिन व शादी की वर्ष गांठ के उपलक्ष्य पर उपहार प्रदान किये जाते हैं व उनको बधाई देकर दीर्घ आयु व स्वस्थ जीवन की कामना की जाती है। दिल्ली भार्गव सभा के साथ चरणदास दिवस व भंडारा, परशुराम दिवस, स्नेह सम्मेलन, होली उत्सव व अखिल भारतीय सभा के अधिवेशन आदि का आयोजन करती है। हमारा भार्गव समाज एक सुशिक्षित व सामाजिक दृष्टि से अत्यन्त प्रगतिशील समाज है। इस संदर्भ में सामाजिक चेतना जाग्रत रखने व प्रगति पथ पर अग्रसर रखने में भार्गव महिला सभा दिल्ली का महत्वपूर्ण योगदान सराहनीय है।

महिला सभा की प्रधान

स्व, श्रीमती द्रोपदी देवी संस्थापक प्रधान (1959–1963)

आपका जन्म अजमेर में हुआ। आपका विवाह श्री हरिकृष्ण, वकील दिल्ली के साथ सम्पन्न हुआ जो भार्गव सभा दिल्ली व अखिल भारतीय भार्गव सभा के सक्रिय सदस्य व प्रधान थीं। आप भार्गव महिला सभा दिल्ली की संस्थापक प्रधान थी। आपने 1959–63 तक प्रधान पद को सुशोभित किया। आपका निधन 14 जनवरी 1981 को हुआ।

स्व, श्रीमती प्रकाशवती पूर्व प्रधान (1963–1966)

श्रीमती प्रकाशवती जी का जन्म श्री प्यारेलाल एवं श्रीमती बसंती देवी जयपुर निवासी के यहां हुआ। 10वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् आपका विवाह श्री गोपीनाथ आगरा निवासी के साथ हुआ। 1929 में आप दिल्ली आ गए। आपके पति टीटागढ़ पेपर मिल्स में कार्यरत थे। आपके एक सुपुत्र श्री बशेश्वर नाथ जी टीटागढ़ पेपर मिल्स में थे तथा कई वर्ष तक भार्गव पत्रिका का सम्पादन किया। बड़ी पुत्री सुधा का विवाह श्री विजय दिल्ली के साथ हुआ तथा द्वितीय पुत्री सविता का विवाह श्री अशोक जयपुर के साथ हुआ। आप संगीत में काफी निपुण थीं तथा किचन गार्डन एसोसिएशन की सदस्या थीं। आपका निधन सन् 1974 में हुआ।

स्व, श्रीमती बसन्ती पूर्व प्रधान (1966–1968)

श्रीमती बसन्ती कुमारी जी का जन्म 11 जनवरी 1910 को महेन्द्रगढ़ में हुआ। आप लेफ्टिनेन्ट कर्नल डॉ. मनोहरलाल जी एवं श्रीमती राजदुलारी जी की ज्येष्ठ पुत्री थीं। घर में उस समय के चलन के अनुसार आपकी सामान्य शिक्षा घर पर ही दी गई, पुस्तकें आपको बहुत प्रिय थीं। आप रूढ़िवादित के सुंकुचित दायरे में विश्वास नहीं करती थीं। 12 वर्ष की आयु में आपका विवाह मथुरा के प्रतिष्ठित एवं अग्रणी वकील श्री द्वारकानाथ जी के ज्येष्ठ पुत्र श्री कैलाशनाथ जी के साथ सम्पन्न हुआ। कैलाशनाथ जी ने दिल्ली आकर नोवैक्स ड्रायक्लीनर्स की स्थापना की। आपकी संतानों में तीन पुत्रियाँ उर्मिला, अरुणा एवं मंजुला हैं। बसन्त कुमारी जी ने 1966–68 तक भार्गव महिला सभा दिल्ली का अध्यक्ष पद संभाला। उस समय महिला सभा अपनी शैशावस्था में थी तथा उस समय आपका मुख्य उद्देश्य समाज की महिलाओं को सभा की मुख्य धारा में लाना था। सभा की सदस्य संख्या बढ़ाने में आपका काफी योगदान रहा। आपका निधन सितंबर 1991 में हुआ।

स्व, श्रीमती सरला, जोरबाग पूर्व प्रधान (1968–1975)

श्रीमती सरला जी का जन्म श्री वैदेही शरण जी (अजमेर) के यहाँ 1 जनवरी 1922 को हुआ। आपका विवाह श्री कृष्ण चन्द्र जी के साथ 1939 में हुआ। दुर्भाग्य से एक वर्ष बाद ही आपके पति का देहान्त हो गया और 6 माह बाद आपने एक कन्या को जन्म दिया। शादी के बाद में आपने एम.ए., हिन्दी विशारद व रूसी भाषा की परीक्षाएँ उत्तीर्ण कीं। आपने महिला सभा बनने से पूर्व भार्गव महिलाओं का प्रतिनिधित्व किया तथा महिला सभा की स्थापना 1959 में की। आप (1959–68) तक संस्थापक मंत्राणी रहीं (1968–1975) तक प्रधान पद संभाला। आपने अखिल भारतीय किचिन गार्डन एसोसिएशन की स्थापना की और उसकी मंत्राणी व प्रधान रहीं। आपने अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा के प्रधान पद को भी सुशोभित किया। महिला सभा दिल्ली की मंत्राणी (1959–68) व प्रधान (1968–75) तक रहीं। अ. भा. भा. महिला सभा व दिल्ली भार्गव महिला सभा में सरला कृष्णा चन्द्र पर्यावरण पुरस्कार की स्थापना की। दिल्ली भार्गव सभा में इकोनामिक्स के पुरस्कार तथा समाज कल्याण के लिए निधि की स्थापना की। आपकी एक मात्र पुत्री प्रतिमा जी हैं जो दिल्ली भार्गव सभा में स्थापित समाज कल्याण की निधि में हर वर्ष राशि प्रदान कर रही हैं।सरला जी का निधन 30 नवम्बर 2007 हो हुआ।

श्रीमती प्रेम कुमारी पूर्व प्रधान (1975–1978)

श्रीमती प्रेम कुमारी जो का जन्म सन् 1925 में ऑवला में श्री दामोदर दाम जी के यहाँ हुआ। उन्होंने घर पर रहकर ही इण्टर तक शिक्षा प्राप्त को जो स्वयं में एक उपलब्धि थी। सन् 1943 में वे श्री राघव नाथ जी के साथ परिणय सूत्र में बंधी। आप सन् 1970–73 में भार्गव महिला सभा दिल्ली की मंत्राणी के पद पर, सन् 1973–74 में उपप्रधान के पद पर और 1975–78 में प्रधान के पद पर आसीन रहीं। आपके कुशल नेतृत्व में सभा ने सराहनीय प्रगति की। आप सन् 1979–81 में सुन्दर नगर वीमेन्स वेलफेयर एसोसिएशन की प्रधान के पद पर रहों, 1979–80 में इनर व्हील क्लब आफ दिल्ली मिडटाऊन की मंत्राणी, 1980–81 में उपप्रधान एवं 1981–82 में प्रधान के पद पर आसीन रहीं। आप कई बार डिस्ट्रिक्ट द्वारा पुरस्कार से सम्मानित की गई। आप सन् 1983–84 एवं 1985 में अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा की प्रधान रहीं तथा आपने जाति सेवा के कार्यों में अपना संपूर्ण योगदान दिया। आप सन् 1985 से नई दिल्ली टेडर्स एसोसिएशन के महिला विभाग की प्रधान रहीं और एसोसिएशन के तत्वाधान में समाज सेवा की आपने कई बार अनेक देशों की यात्रा भी की। प्रेम कुमारी जी का निधन 2025 में हुआ।

स्व. श्रीमती सावित्री पूर्व प्रधान (1978–1980)

श्रीमती सावित्री देवी का जन्म ग्राम मऊरानीपुर, जिला झांसी में 16 फरवरी, 1914 को हुआ। प्रारम्भिक शिक्षा झांसी में प्राप्ति की तथा उस समय की प्रथाओं के अनुकूल अल्प आयु में ही आपका विवाह उज्जैन के सुप्रसिद्ध वकील स्व. श्री राम प्रसाद भार्गव के ज्येष्ठ पुत्र श्री शंकर प्रसाद भार्गव के साथ 5 दिसम्बर 1928 को हुआ। विवाह के कुछ वर्ष बाद आपकी सास श्रीमती नन्ही देवी भार्गव का स्वर्गवास हो गया। घर की सबसे बड़ी बहू होने के नाते परिवार का सम्पूर्ण दायित्व आपके कंधों पर आ गया। आपके अन्दर जाति सेवा की भावना कूट–कूट कर भरी थी। आप 1978–80 तक महिला सभा की प्रधान रहीं। 11 जून 2006 को आपका स्वर्गवास हो गया।

स्व. श्रीमती राजकुमारी, सहगल कालोनी पूर्व प्रधान (1980–1982)

स्व. श्रीमती राजकुमारी जी का जन्म अजमेर के श्री गौरी शंकर भार्गव के 21 सितम्बर 1923 को हुआ। राजकुमारी जी का विवाह अजमेर निवासी श्री बाबूलाल की के सुपुत्र श्री जितेन्द्र नाथ जी के साथ 26 अप्रैल 1944 को हुया। श्री जितेन्द्र नाथ जी ने रेलवे बोर्ड में Section Officer के पद पर कार्य किया और बाद में Jolly Engg. Works की स्थापना की। 1968 – 70 तक दिल्ली महिला सभा की मंत्राणी रहीं। 1980 – 1982 तक प्रधान रहीं। ढोसी मन्दिर में भगवान परशुराम की मूर्ति लगवाई। हरिद्वार में अपने पति के नाम का कमरा बनवाया। आप आनन्दपूर्वक जीवन व्यतीत करते हुए स्वर्ग को प्राप्त हुई।

स्व. श्रीमती रत्ना पूर्व प्रधान (1982–1984)

श्रीमती रत्ना जी का जन्म 14 दिसम्बर 1936 को इलाहाबाद में हुआा। आपका विवाह अलीगढ़ के रघुवीर सहाय जी के पुत्र श्री योगेश्वर सहाय जी से 1955 में हुआ। आप मृदुभाषी व मिलनसार महिला थी। शिक्षा व जनसेवा के क्षेत्र में आपकी रुचि रही। आपने अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा के कोषाध्यक्ष पद पर रहकर सभा की सराहनीय सेवा की। भार्गव महिला सभा दिल्ली की उपाध्यक्ष व (1882–84) तक अध्यक्ष रहीं। अपनी निष्ठा, सेवा, लगन व मुदुल स्वभाव के कारण सर्वप्रिय रहीं। आपकी ही प्रेरणा से औषधि निर्माण क्षेत्र में आपके पति श्री योगेश्वर सहाय जी का पदार्पण हुआ और कम्पनी का विकास होता रहा। आपका निधन 25 मार्च 1986 को हुआ।

स्व. श्रीमती शान्ती पूर्व प्रधान (1984–1986)

श्रीमती शान्ती जी का जन्म श्री भगवती प्रसाद जी जयपुर के यहाँ 12 अगस्त 1922 को हुआ। आपका विवाह श्री ईश्वर दयाल जी के साथ 1 जुलाई 1945 को सम्पन्न हुआ। आप भार्गव महिला सभा दिल्ली की कर्मठ कायकर्ता थीं। आपने भार्गव महिला सभा दिल्ली में मंत्राणी (1975–78) तथा (1984–86) तक प्रधान पद को सुशोभित किया। आप महारानी कालेज जयपुर में पूर्व राष्ट्रपति श्री शंकर दयाल शर्मा जी की धर्मपत्नी श्रीमती विमला देवी जी की सहपाठी रहीं। आपको ओल्ड स्टूडैन्ट का सम्मान भी शाल उढा कर उन्हीं के साथ मिला। आप लेखिका व कवियित्री थीं। आपके पुत्र वधु सरिता हैं तथा पौत्री नेहा व पौत्र अभिषेक हैं।

स्व. श्रीमती सरला, नई सड़क पूर्व प्रधान (1986–1987)

श्रीमती सरला जी का जन्म 2 फरवरी 1934 को उन्नाव में पं. शिवशंकर जी–श्रीमती शकुन्तला जी के यहाँ हुआ। आपने स्नातक तक शिक्षा प्राप्त की। आपका विवाह 27 नवम्बर 1956 को श्री रविशंकर जी दिल्ली के साथ सम्पन्न हुआ। आपके एक पुत्र व एक पुत्री है। आपने (1982 से 85) तक मंत्राणी व (1986–87) तक प्रधान पद को सुशोभित किया। 1982–85 तक का महत्वपूर्ण कार्य महिला सभा की रजत जयन्ती व अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा व महिला सभा का अधिवेशन रहा। आप अ. भा. भा. महिला सभा की उप–मंत्री, मंत्राणी व प्रधान रहीं तथा सदैव महिला सभा की बैठकों में भाग लेती रहीं। 3 मार्च 1994 को आपका निधन हो गया।

स्व. श्रीमती सरला, दरियागंज पूर्व प्रधान (1987–1988)

श्रीमती सरला समाज सेवी गांधी आंदोलन सत्याग्रही प्रसिद्ध अधिवक्ता मथुरा निवासी पं. द्वारका नाथ की पौत्री थीं। आपका जन्म सन् 1928 ई. में हुआ। आपने लेडी इरविन कॉलेज देहली में सर्टिफिकेट कोर्स एवं साहित्य सम्मेलन प्रयाग की विशारद की परीक्षा में सफलता प्राप्त की। ललित कलाओं की ओर आपकी रुचि प्रारम्भ से ही रही। 6 वर्ष की आयु में आपने भार्गव सभा के मंच पर नृत्य का प्रदर्शन किया था। आपको कई स्वर्ण एवं रजत पदक प्राप्त हुए। सरला जी का विवाह लाहौर निवासी श्री मोहनलाल के पुत्र श्री कृष्णकुमार से सन् 1948 में सम्पन्न हुआ।

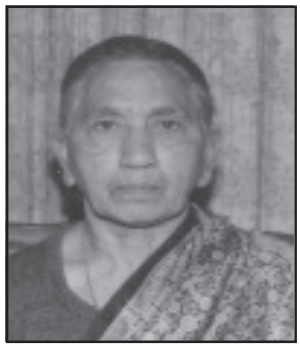

स्व. श्रीमती ज्ञानवती पूर्व प्रधान (1988–1990)

श्रीमती ज्ञानवती जी का जन्म 19 सितम्बर 1921 को श्रीमती द्रोपदी देवी–श्री हरिकृष्ण जी वकील के यहां हुआ। आपका विवाह श्री रामेश्वर प्रसाद जी (सुपुत्र राय साहब केशव देव, लाहौर) के साथ 8 दिसम्बर 1938 को हुआ। आपने भार्गव महिला सभा दिल्ली में सदैव कर्मठ महिला के रूप में कार्य किया। आप भार्गव महिला सभा दिल्ली में (1966–68) मंत्राणी व (1988–90) प्रधान पद पर सुशोभित रहीं। आपका निधन 17 जुलाई 1998 को हुआ।

श्रीमती अनु भार्गव पूर्व प्रधान (1990–1993)

श्रीमती अनु जी का जन्म 11 अगस्त 1940 को श्री विक्रमादित्य – श्रीमती ऊषा कान्ति ग्वालियर के यहां हुआ। कमला राजा महाविद्यालय से सन् 1960 में बी.ए. व महारानी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय से अर्थशास्त्र में एम.ए, किया। माधव संगीत महाविद्यालय में वायलन, कत्थक एवं भरत नाट्यम की शिक्षा प्राप्त की। 1961 में श्री अशोक कुमार सुपुत्र श्री मोतीलाल जी से विवाह हुआ। दिल्ली भार्गव महिला सभा में 1962 से कार्यशील रहीं। 2 वर्ष अध्यक्षा व 3 वर्ष मंत्राणी पद संभाला।

श्रीमती कुमुद पूर्व प्रधान (1993–1995)

श्रीमती कुमुद भार्गव का जन्म 11 अगस्त 1942 को प्रो. श्री कृष्ण चन्द्र मथुरा के यहाँ हुआ। आपका विवाह श्री नरेन्द्र (सत्संग भवन) के साथ 23 फरवरी 1966 को सम्पन्न हुआ। आपने एम.ए. (हिन्दी) तक शिक्षा ग्रहण की। आप भार्गव महिला सभा दिल्ली में कार्यकारिणी सदस्य (1975–81). उपसचिव (1981–84) कोषाध्यक्ष (1985–87), सचिव (1987–91). उपप्रधान (1992–93) तथा प्रधान (1993–95) पदों पर आसीन रहीं। दो बार चुनाव अधिकारी व अ.भा.भा. सभा के अधिवेशन में कला प्रदर्शनी की संयोजिका रहीं। आगरा में भार्गव सभा के 100वें अधिवेशन में अ.भा.भा. महिला सभा से सर्वश्रेष्ठ कार्यकर्ता की ट्राफी प्राप्त की। दिल्ली भार्गव सभा की कर्मठ महिला रहीं। आप ऑल इंडिया किचिन गार्डन एसोसिएशन की कर्मठ महिला रहीं। सभी प्रतियोगिताओं के पुरस्कार प्राप्त किए। आपने रंगोली, न्यूट्रिशन फेस्टीव डेकोरेशन व फल संरक्षण आदि में कई शहरों में जाकर प्रदर्शन किए। सन् 1975 से अब तक भार्गव महिला सभा से जुड़ी हैं व सेवा कर रही हैं।

श्रीमती मिथलेश पूर्व प्रधान (1995–1997)

आपका जन्म अलीगढ़ निवासी स्व. हरीशंकर जी एवं विन्द्रावती के घर में संभलपुर उत्तर प्रदेश में 27.11.1939 को हुआ। आपका विवाह आगरा निवासी श्री कमलेश्वर प्रसाद जी (सुपुत्र स्व. कामता प्रसाद जी एवं स्व. श्याम रानी भार्गव) के साथ 11.12.1960 में सम्पन्न हुआ। पति के साथ जगह–जगह स्थानान्तर होने के कारण आप विभिन्न शहरों की सभाओं से जुड़ी रहीं। आगरा व लखनऊ में उपसचिव, सचिव व प्रधान पद पर कार्य किया। युवा संघ में उपप्रधान रहीं। आपने मिथलेश–कमलेश पुरस्कार की आगरा, लखनऊ, दिल्ली व अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा में स्थापना की। अ.भा. भार्गव महिला सभा में मेडीकल कोष की स्थापना भी की है। अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा में आप 1980 में स्थापना के साथ ही आज तक कार्य कर रह हैं। अभी आप अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा में न्यायाधिकरण में अध्यक्ष पद पर आसीन हैं। आप अनेक मन्दिरों की धार्मिक व सांस्कृतिक समिति की सदस्या हैं। आप संगीत, समाज सेवा व सेवा भारती की झुग्गी झोंपड़ियों की महिलाओं को भजन प्रतियोगिता कराती हैं तथा तन मन धन से उनकी सेवा करती हैं। अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा की अर्चिका पत्रिका में संरक्षिका हैं।

श्रीमती बीना पूर्व प्रधान (1997–1999)

श्रीमती बीना जी का जन्म लखनऊ में स्व. मदन गोपाल भार्गव के यहाँ 26 अक्टूबर 1946 को हुआ। संस्कृत में एम.ए. किया। पिता जी इन्जीनियर थे अतः उनका मार्ग दर्शन कर्मठ जीवन जीने को मिला। माँ स्व. राजकुमारी भार्गव अध्यात्मिक व प्रतिभावान महिला थीं। अतः व्यक्तित्व निखारने में बड़ा सहयोग मिला। 22 जनवरी 1967 में श्री विजय भार्गव के साथ विवाह संपन्न हुआ। महिला सभा दिल्ली की 4 साल मंत्राणी (1993–97) व दो साल (1997–99) प्रधान रहीं। गायन लेखन, नृत्य, बागवानी पाक–विद्या सब में रुची रखती हैं। प्रत्येक तीज उत्सव पर सह परिवार कार्यक्रम करती हैं। सभा में एक शिक्षा निधि भी चला रखी है असमर्थ मेधावी छात्रों के लिए।अखिल भारतीय महिला सभा से सभी लगभग पुरस्कार प्राप्त कर चुकी हैं। इसी तरह दिल्ली महिला सभा से भी। किचिन गार्डन की भी सक्रिय सदस्या हैं व हर वर्ष पुरस्कार प्राप्त करती हैं। अपनी सास व माँ के आशीर्वाद व मार्गदर्शन को अपने जीवन की विशेष उपलब्धि मानती है।

श्रीमती राजकुमारी, नरवाना अपार्टमैन्ट्स पूर्व प्रधान (1999–2001)

आपका जन्म 9 सितम्बर 1943 को श्री प्रेम स्वरूप जी के यहाँ जोधपुर में हुआ। एम.ए. तक शिक्षा प्राप्त कर आपका विवाह श्री सुरेन्द्रनाथ (सुपुत्र श्री निरंजन लाल प्रसिद्ध समाजसेवी) के साथ 5 फरवरी 1967 को सम्पन्न हुआ। समाज सेवा में आपकी विशेष रुचि थी। आप अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा की सह–सचिव (1994–97), सचिव (1999–2000) रह चुकी थी। आप रत्ना पुरुस्कार, सरला कृष्णचन्द पर्यावरण व शान्ती सुन्दर लाल पुरुस्कारों से सम्मानित हुई हैं। 2006 में आपको कर्मठ कार्यकर्ता पुरस्कार प्राप्त हुआ। आप विवाह परामर्श शताब्दि समारोह समिति की सदस्या थीं। आप आल इंडिया किचन गार्डन एसोसिएशन की 1999 से सक्रिय कार्यकर्ता थी। अखिल भारतीय भार्गव सभा व दिल्ली भार्गव सभा में भी आपका योगदान रहता थी। आप शताब्दि समारोह समिति की सदस्या, रंगोली व कारविंग प्रतियोगिता की संयोजिका रहीं। राजकुमारी जी 119वें अखिल भारतीय भार्गव सभा के अधिवेशन पर रजिस्ट्रेशन संयोजिका भी रहीं। आपके पति दिल्ली भार्गव सभा के विभिन्न पदों पर रहते हुए समाज सेवा करते रहे। आपका सुपुत्र राजीव है व सुपुत्री स्व. श्रीमती निधि थीं।

नीलम भार्गव पूर्व प्रधान (2001–2003)

आपका जन्म श्री हरिहर लाल, स्वतंत्रता सेनानी, गुड़घ्गाँव के यहाँ 16.7.1949 में हुआ। आपका विवाह इन्जीनियर श्री राकेश कुमार भार्गव (सुपुत्र श्री मनोहर लाल, दिल्ली) के साथ 5.7.1976 को सम्पन्न हुआ। अ.भा.भा महिला सभा की कोषाध्यक्ष (2000–02. 2010–17). सचिव (1998–2000) सदस्य (1996–98, 2002–04) रही। कमला अभिब्यक्ति मंत्र की संस्थापिका तथा स्थायी संयोजिका है। दिल्ली भार्गव महिला सभा – प्रधान (2001–03), उप–प्रधान (1999–01), सचिव (1997–99), सह–सचिव (1995–97) आदि पदों पर सुशोभित रही।
आ.भा. भार्गव सभाः संयोजिका प्लानिंग एवं डेकोरेशन गुड़गांव अधिवेशन (1996) सह–संयोजिका इंस्टिन एवं हेमू प्रर्दशनी (2000–09) आर्किटेक्ट रिडिजाइनिंग और लेआउट छीतरमल शिवजी मन्दिर रेवाड़ी (1998). सह–संयोजिका परशुराम उप–समिति (2007–11), कार्यकारिणी सदस्य (2005–09), सह–संयोजिका, मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा एवं भंडारा ढोसी मन्दिर रही।

श्रीमती प्रतिमा पूर्व प्रधान (2003–2008)

श्रीमती प्रतिमा का जन्म 1941 में कानपुर में हुआ। आपका विवाह लखनऊ निवासी श्री विजय नारायण के साथ सन् 1960 में हुआ। पति गृह के सभी सदस्य खुले दिल व उच्च विचार के होने के कारण जीना सुखद रहा। विवाह के पश्चात आप दिल्ली आ गई। गृहस्थ जीवन में परिवार की जिम्मेदारियों व बच्चों की देखभाल से जब थोड़ा अवकाश मिला तो 2001 से सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में दिल्ली भार्गव महिला सभा में कार्य करने लगी। आप 2003 से 2008 तक अध्यक्ष पद पर रहीं। इन सबके अतिरिक्त आपकी रुचि पेन्टिंग, किचन गार्डन, सिलाई, कढ़ाई बुनाई में रहीं। अध्यक्ष पद से हटने के पश्चात् भी आप भार्गव महिला सभा व भार्गव सभा के कार्यों में विशेष रुचि रखती हैं।

श्रीमती नीरा पूर्व प्रधान (2008–2010)

नीरा जी के बारे में दिल्ली भार्गव सभा के प्रधान के रुप में दिए गए विवरण में दिया गया है।

श्रीमती मीरा पूर्व प्रधान (2010–2012)

आपका जन्म 1946 में स्व. श्री श्याम सुन्दर एवं स्व.विमला जी के यहाँ चन्दौसी में हुआ। आपने एम.ए. एल. एल. बी. लखनऊ यूनिवर्सिटी से किया। आपका विवाह श्री निहाल भार्गव सुपुत्र श्री अन्नत राम एवं त्रिवेणी जी के साथ 1971 में सम्पन्न हुआ। आप भार्गव महिला सभा दिल्ली की 5 साल (2005–2008) उपाध्यक्ष पद पर रहीं। 2010 से 2012 तक प्रधान पद पर सुशोभित रहीं। अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा की बैठक आयोजित की। आप चार साल तक अर्चिका को सह सम्पादिका रही। भार्गव महिला सभा दिल्ली और राष्ट्रीय भार्गव महिला सभा की चुनाव अधिकारी रही। भार्गव महिला सभा दिल्ली ने आपको निबन्ध प्रतियोगिता और पाक कला तथा भार्गव सभा दिल्ली ने फूल सज्जा में पुरस्कृत किया। आपने रेकी में मास्टरशिप करी हुई है। भार्गव महिला सभा दिल्ली के सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेती आई हैं। आपने भार्गव महिला सभा दिल्ली में मेडिकल कोष की स्थापना 2016 में की। इस कोष से आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

श्रीमती मीना पूर्व प्रधान (2012–2014)

इनका जन्म 1960 में श्रीमती माधुरी देवी एवं श्री पृथ्वीनाथ के यहाँ मुलताई में हुआ था। एम.ए. की डिग्री प्राप्त करने के पश्चात् आपका विवाह श्री मयंक प्रभात सुपुत्र श्री महावीर प्रसाद दिल्ली निवासी के साथ 1982 में हुआ। समाज सेवा में आपकी विशेष रुचि है। दिल्ली भार्गव महिला सभा की सचिव (2003–2006 व 2008–2012) पद पर सुशोभित रहीं। 2012 से 2014 तक प्रधान के पद पर सुशोभित रहीं। 2001 से कार्यकारिणी सदस्य व सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में दिल्ली भार्गव महिला सभा व दिल्ली भार्गव सभा में कार्य करने लगी। आप अखिल भारतीय भार्गव सभा की कार्यकारिणी सदस्य रह चुकी है व विवाह परामर्श समिति की सदस्या भी रह चुकी हैं। अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा की कार्यकारिणी सदस्य व शांति पन्नालाल पुरस्कार की संयोजिका भी रह चुकी हैं। 117 वें वार्षिक अधिवेशन की कला प्रतियोगिता की संयोजिका रहीं। 2013 से 2019 तक राष्ट्रीय भार्गव महिला सभा की कार्यकारिणी सदस्या भी रहीं तथा श्रीमती प्रतिमा, विजय निधि की संयोजिका भी रहीं। आप हर कार्य चाहे वह भार्गव सभा हो या महिला सभा का बड़ी लग्न व तत्परता से उसे करती हैं।

श्रीमती मनी भार्गव पूर्व प्रधान (2014–2016, 2023–2025)

श्रीमती मनी भार्गव का जन्म 26–7–1958 को स्व. श्री योगेश्वर दयाल भार्गव एवं स्व. श्रीमती कृष्णा भार्गव के यहाँ लखनऊ में हुआ था। बी.एस.सी. की डिग्री प्राप्त करने के पश्चात् आपका विवाह दिल्ली निवासी श्री सुधाकर भार्गव सुपुत्र स्व. श्री मोहन लाल भार्गव और स्व. श्रीमती कृष्णा भार्गव के साथ सम्पन्न हुआ। आप 2001 से 2005 तक दिल्ली भार्गव महिला सभा की कार्यकारिणी सदस्या थीं। 2006 से 2010 तक सह मंत्राणी और 2010 से 2014 तक उपप्रधान और 2014 से 2016 एवं 2023 से 2025 तक दो बार प्रधान के पद पर सुशोभित रही। आप 2014 से राष्ट्रीय भार्गव महिला सभा की भी कार्यकारणी सदस्या हैं। आप कमलेश मिथलेश पुरस्कार से भी सम्मानित हो चुकी हैं। आपने अपने कार्यकाल में महिला सभा में एक मेडिकल कोष की स्थापना की और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की पढ़ाई में सहायता करी। वर्तमान में आप अखिल भारतीय भार्गव सभा की कार्यकारिणी सदस्य हैं।

श्रीमती रश्मि पूर्व प्रधान (2016–2018)

आपका जन्म 1962 में स्व. श्री लक्ष्मण स्वरूप व स्व. श्रीमती उमा भार्गव के यहां हुआ। एम.एस.सी, बी.एड. की डिग्री प्राप्त करने के पश्चात् आपका विवाह श्री अजय भार्गव सुपुत्र स्व. श्री मायाचरण एवं श्रीमती द्रोपदी रेवाड़ी निवासी के साथ 1986 में हुआ। अखिल भारतीय भार्गव सभा में 2015–17 में कार्यकारिणी सदस्या व अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा में कार्यकारिणी सदस्या, 2 वर्ष सह–सचिव व 3 वर्षं सचिव पद पर कार्यरत रही हैं। दिल्ली भार्गव सभा में 4 वर्ष कार्यकारिणी सदस्या रहने के बाद गत 4 वर्षों से सह–सचिव पद पर सक्रिय रूप से कार्यरत रही। दो वर्ष उप प्रधान पद पर रही।

भार्गव महिला सभा दिल्ली की 2 वर्ष कार्यकारिणी सदस्या, 2 वर्ष सह–सचिव, 4 वर्षों तक सचिव व 2 वर्ष प्रधान पद पर रहीं। आप हर कार्य चाहे वह भार्गव सभा का हो या महिला सभा का बड़ी लगन व तत्परता से करती हैं। गायन प्रतियोगिता में दिल्ली व अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा से पुरस्कृत की जा चुकी हैं।

श्रीमती अंजू प्रधान (2018–2020)

आपका जन्म 1956 में स्व. श्री प्यारे मोहन जी एवं स्व. श्रीमती पदमा जी के यहाँ ग्वालियर में हुआ। एम.एस.सी कैमिस्ट्री एम.एड, एमफिल एम.ए. सितार की डिग्री प्राप्त करने के पश्चात् आपका विवाह डॉ. प्रदीप कुमार भार्गव सुपुत्र स्व. श्री बी.एन. भार्गव एवं स्व. श्रीमती कमला भार्गव दिल्ली के साथ 1981 में हुआ। नेचुरलपैथी में उपाधि प्राप्त की। डाइरेक्टर ऑफ एजूकेशन में वाइस प्रिंसिपल (पी.जी.टी. कैमिस्ट्री) कार्यरत रहीं (1982 – 2017)। आप अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा में कार्यकारिणी सदस्या, सह सचिव रहीं। दिल्ली भार्गव सभा की कार्यकारिणी सदस्या, उपसचिव और सांस्कृतिक संयोजिका रही।

आप भार्गव महिला सभा दिल्ली में कार्यकारिणी सदस्या (1985–1995) उपसचिव (1995–2003), कोषाध्यक्ष (2003–2008), उपप्रधान (2008–2015), प्रधान (2018 से 2020) पदों पर आसीन रहीं। इन सबके अतिरिक्त आपकी रुचि बागवानी, योगा, गायन, नृत्य, पाक विद्या में है। समाज सेवा में आपकी विशेष रुचि है।

श्रीमती आरती प्रधान (2020–2023)

श्रीमती आरती का जन्म 21 मार्च 1963 को श्री त्रिलोक नाथ जी गाजियाबाद के यहां हुआ। एम.ए. (इंग्लिश) तक शिक्षा ग्रहण करने के बाद आपका विवाह श्री दीपक (सुपुत्र श्री धनपत राय, दिल्ली) के साथ 9 मई 1985 को सम्पन्न हुआ।

आप भार्गव महिला सभा दिल्ली में कार्यकारिणी सदस्या (2012–2014). सह–सचिव (2014–2016), सचिव (2016–2020), प्रधान (2020–2023) तक रही हैं। भार्गव महिला सभा दिल्ली से आपको पूर्ण उपस्थिति का पुरस्कार मिल चुका है। आपकी समाज सेवा में विशेष रुचि है। आपके दो पुत्रियां व एक पुत्र है।

आप मिलनसार हैं व सबकी सहायता करने को सदैव तत्पर रहती हैं। वर्तमान में आप दिल्ली भार्गव सभा में सचिव पद पर हैं।

श्रीमती संगीता प्रधान (2025–2027)

संगीता जी का जन्म 4 मई 1962 में श्री राजेन्द्र नाथ भार्गव एवं श्रीमती कुसम भार्गव के यहां जयपुर में हुआ। बी.ए. को डिग्री प्राप्त करने पश्चात् आपका विवाह श्री राकेश सुपुत्र श्री रमा शंकर जी एवं श्रीमती सुशीला भार्गव दिल्ली के साथ सम्पन्न हुआ। आपके 1 बेटा और 1 बेटी है। पूरा परिवार सामाजिक कार्यों में लगा रहता है। आप भार्गव महिला सभा दिल्ली की 2005 में सदस्य बनी। भार्गव महिला सभा दिल्ली की 2008 से 2014 तक सह सचिव के पद पर कार्यरत रही।

2014 से 2025 तक उपप्रधान के पद पर रहते हुए समय–समय पर योगदान देती रही। भार्गव सभा के कार्यों में आप 2014 से लग्न और तत्परता से भाग लेती रही हैं। वर्तमान में आप 2025–2027 में भार्गव महिला सभा दिल्ली की अध्यक्षा है।

भार्गव युवा संघ दिल्ली

कोई भी देश, जाति व समाज तभी उन्नति कर सकता है जबकि उसका युवा वर्ग जाग्रत हो। उसमें आपसी प्रेम भाव हो, एक दूसरे के सुख दुख को समझने की शक्ति उसमें विद्यमान हो। बौद्धिक नैतिक, सांस्कृतिक व धार्मिक प्रतिमाएँ उसमें पनप रही हों। पर यह तभी सम्मय हो सकता है जबकि समाज में युवावर्ग का एक विशेष स्थान हो। उसे अपना सर्वतोमुखी विकास करने के लिये घर, समाज व राष्ट्र में अपनी बात कहने का स्वतन्त्रीय अधिकार प्राप्त हो।

आज के समय की मांग युवा वर्ग के लिये एक चुनौती है। जिसे सुलझाने के लिये युवाओं को बहुत ही शान्त स्वभाव से सोचना है। उन्हें अपने दिल और दिमाग के बन्द रोशनदानों को खोलना है। बढ़ती हुई अराजकता, बेरोजगारी व अन्धकारमय भविष्य उसके सामने एक ऐसी समस्या है जिसे देखकर वह कांप उठता है और बेबस होकर वह गलत रास्ते की ओर अग्रसर हो जाता है जैसा कि आजकल हम रोज देख रहे हैं।

इन्हीं सब बातो को सामने रखते हुए दिल्ली नगर के कुछ कर्मठ युवकों ने भार्गव युवा संघ की स्थापना हेतु अपना प्रस्ताव रखा तथा सघं को खोलने पर बल दिया। जिसमें सर्वश्री विष्णु कुमार जी, देवेन्द्र जी व योगेश जी का मुख्य हाथ रहा। उन्हीं के प्रयत्नों के द्वारा 14 जुलाई 1974 को संघ की स्थापना हेतु इन्डिया इन्टरनेशनल सेन्टर, नई दिल्ली में एक बैठक का आयोजन किया, जो कि इस प्रयास की प्रथम किरण थी। इसी दिन श्री स्वतन्त्र कुमार जी ने भार्गव समाज में घुस आये कुछ अवांछनीय तत्वो, याद–विवादों एवं स्वार्थीय प्रवृत्तियों की ओर प्रकाश डाला तथा उनका विरोध किया। समाज में घुसे हुए ये तत्व स्वाभाविक रूप से युवा वर्ग के लिये असहनीय थे तथा इन्हीं सब तत्वों को सुलझाने हेतु सघं की स्थापना की गई व प्रस्ताव रखा गया कि दिल्ली के सब युवाओं को सघं का सदस्य बनाया जाये जिससे कि प्रत्येक युवक व युवती कन्धे से कन्धा मिलाकर इस युग में प्रगति की ओर अग्रसर हो सके। उनमें दूरदर्शिता हो, मिलनसारी हो, सुख दुःख में एक दूसरे का हाथ बटा सके। आपस में भाईचारे की भावना अग्रिम रहे। उपरोक्त उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए सघ की पदाधिकारी समिति व कार्यकारिणी समिति निम्न प्रकार से गठित की गई–

प्रधान श्री स्वतन्त्र कुमार उपप्रधान श्री विष्णु कुमार श्री सुरेशचन्द्र, मन्त्री श्री उमेशचन्द्र, उपमंत्री कुमारी नीरा, कुमारी नीलिमा, कोषाध्यक्ष श्री बलराम, सदस्य कार्यकारिणी सर्व श्री देवेन्द्र, योगेश, कन्हैयालाल, सतीश, श्रीमती डा. करुणा, कुमारी नीलम, भोलानाथ, अशोक जी।

संघ 1997 तक निरंतर चलता रहा लेकिन उसके बाद काफी साल कोई गतिविधि नहीं हुई फिर पुनः 2010 में शुरू करा गया जो अभी तक सभा के साथ मिल कर कार्य कर रहा है।

श्री स्वतंत्र कुमार भार्गव

इनका जन्म 1 जनवरी सन् 1935 को रिवाड़ी के खुश्वक्त राय परिवार में पं० सुन्दरलाल जी के यहाँ हुआ। आपने प्रारम्भिक शिक्षा दिल्ली में प्राप्त की तथा लखनऊ विश्वविद्यालय से बी० कॉम किया। यूनाइटेड नेशन्स की फेलोशिप पर, Training in Trade Promotion Course करने 1967 में डेनमार्क गए थे। आपका विवाह सुपरिचित सौ० आशा से हुआ तथा नीता, नूपुर और विक्रम के पिता हैं। दिल्ली भार्गव युवा संघ के संस्थापक प्रधान एवं द्वितीय युवा सम्मेलन व स्वागताध्यक्ष थे। आपकी जाति सेवा एवं मिलन–सारी से सभी भली भांति परिचित हैं। आप लायन्स क्लब दिल्ली सेंट्रल एवं लायन्स क्लब दिल्ली साउथ के प्रधान रह चुके हैं। इसके प्रतिरिक्त मेम्बरशिप डवलपमेंट व इन्टरनेशनल रिलेशनस् के आप डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन रह चुके हैं। कन्वेनसन 1981–82 के आप डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन हैं। पाँचवें अ० भा० भार्गव युवा संघ सम्मेलन के आप चुनाव अधिकारी थे। आपका निधन 5 जनवरी 2016 को हुआ।

श्री उमेश भार्गव

इनका जन्म 24 मई 1944 में दिल्ली के सुप्रसिद्व सपरिवार में श्री केदारनाथ जी भार्गव के यहां हुआ। आपने दिल्ली विश्वविद्यालय से 1964 में बी०ए० (कॉम) की परीक्षा उत्तीर्ण की। इन्होने ला० हंसराज गुप्ता ग्रुप में एकाउन्ट्स विभाग में कार्य किया जो कि आपके स्वभाव के प्रतिकूल रहा व वहां से कार्य छोड़कर अपने पिताजी के साथ मुद्रण व्यवसाय में प्रवेश किया। आपके अथक परिश्रम व प्रयास के फलस्वरूप ही आपके मुद्रणालय जमना प्रिटिंग वर्क्स की गिनती दिल्ली के प्रथम श्रेणी के मुद्रणालयों में होती थी। आप जाति सेवा में सदेव तत्पर रहते थे तथा जो भी कार्य करते उसमें एक चित्त तल्लीन हो जाते थे। दिल्ली भार्गव युवा संघ के आप संस्थापक मंत्री व अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ के कर्मठ सदस्य रहे। आपका विवाह रिवाड़ी निवासी थी पन्नालाल जी एडवोकेट की सुपुत्री सौ० मंजू के साथ सम्पन्न हुआ। इसके अतिरिक्त उमेश जी कई सामाजिक संस्थाओं में कार्य करते थे तथा केरम व शतरंज आपके प्रिय खेल थे। आपका निधन 8 फरवरी 2011 को हुआ। आज आपके परिवार में पुत्र संजय मो. 9811150777 समाज सेवा में लगे हुए हैं।

श्री अरविंद भार्गव प्रधान दिल्ली भार्गव युवा संध वर्ष 2010–2012

श्री अरविंद का जन्म दिल्ली निवासी देवेंद्र कुमार जी के यहा 26 अक्टूबर 1968 को हुआ। बचपन से ही आपकी रुचि खेलकूद में रही और खेलकूद में आपने अखिल भारतीय भार्गव सभा में एवं दिल्ली भार्गव सभा में अनेक पुरस्कार प्राप्त किए। आपका विवाह खतौली निवासी श्री रामनाथ भार्गव की सुपुत्री नीता जी से सन 1992 में संपन्न हुआ। समाज सेवा में रुचि पारिवारिक वातावरण के कारण प्रारंभ हुई और शनैः शनैः विकसित होती गई।

सन 2010 से 2012 तक आप दिल्ली भार्गव युवा संघ के अध्यक्ष पद पर रहे। 2 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण करने के पश्चात भी आप सभा को अपनी सेवाएं निरंतर दे रहे हैं। दिल्ली भार्गव सभा से आप शुरू से ही जुड़े हुए हैं समय–समय पर अनेक पदों को सुशोभित करते हुए वर्तमान में उपाध्यक्ष के पद पर कार्य कर रहे हैं। आप अखिल भारतीय सभा में कार्यकारिणी पद पर दिल्ली का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। आपकी पत्नी एवं आपके दोनों पुत्र भी सभा में अपनी सेवाएं निरंतर दे रहे हैं। आपका मो. नं. 81783 32744 है।

श्री राजीव भार्गव प्रधान दिल्ली भार्गव युवा संध वर्ष 2012–2014

डिजाइन और मीडिया संचार के क्षेत्र में एक दूरदर्शी, पुरानी दिल्ली की ऐतिहासिक गलियों में जन्मे और पले–बढ़े, श्री राजीव भार्गव का जन्म श्री सुरेन्द्र नाथ एवं राजकुमारी जी के परिवार में 31 जुलाई 1968 को हुआ। 1986 में वाणिज्य में स्नातक की डिग्री पूरी की। आपकी रचनात्मक यात्रा ने अक्षय एजेंसियों के साथ उड़ान भरी, जहाँ भारतीय सेना, वायुसेना, नौसेना और तटरक्षक बल के लिए प्रभावशाली अभियान बनाते हुए अपने डिजाइन कौशल को निखारा, जो हमारे राष्ट्र की सेवा करने वालों की सेवा करता है। आपका मीडिया करियर टाइम्स ऑफ इंडिया, दिल्ली के साथ अत्यधिक ऊँचाइयों पर पहुँचा, जहाँ असाधारण प्रतिभा ने उन्हे लगातार तीन पदोन्नतियाँ दिलाईं, अंततः उसे दिल्ली टाइम्स का प्रमुख बना दिया, जो भारत के प्रमुख समाचार पत्र का सबसे प्रसिद्ध परिशिष्ट है। इंडिया टुडे में 10 साल आर्ट डायरेक्टर रहने के बाद प्रधान मंत्री कार्यालय द्वारा प्रकाशित न्यू इंडिया समाचार पत्रिका के वरिष्ठ डिजाइनर के रूप में कार्य करा। कई वर्षो से अखिल भारतीय भार्गव सभा के कार्यकारिणी सदस्य हैं। दिल्ली भार्गव युवा संध के आप 2012–2014 में प्रधान रहे। आपके परिवार में पत्नी मोना, पुत्री कृति एवं पुत्र नमन हैं। राजीव जी का मो. 9810440015 है।

श्री मोहित भार्गव प्रधान दिल्ली भार्गव युवा संध वर्ष 2014–2018

सरल हृदय, समाज सेवा में समर्पित, व्यवसायी मोहित जी का जन्म दिल्ली में 30 अक्तूबर 1975 को श्री गोपाल कृष्ण भार्गव एवं श्रीमती शर्मिष्ठा भार्गव के पुत्र के रूप में हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय से बी.कॉम. एवं एमबीए की शिक्षा पूर्ण कर दिल्ली में Construction का काम शुरु किया। वह ज्वेलरी व्यवसाय से 2020 से जुड़े हुए हैं और वर्तमान में अनेक महिलाओं को रोजगार प्रदान कर रहे हैं।

दिल्ली भार्गव युवा संघ की पुर्नस्थापना में सक्रिय भूमिका निभाई। 2010–2012 तक दिल्ली भार्गव युवा संघ के सचिव रहे। 2012–2014 तक दिल्ली भार्गव युवा संघ के उपप्रधान रहे। 2014–2018 तक दिल्ली भार्गव युवा संघ के प्रधान पद को सुशोभित किया। दिल्ली भार्गव युवा संघ को नई उचाइयों पर पहुँचाने और युवा वर्ग को समाज से जोड़ने में प्रशंसनीय भूमिका निभाई। 1994 से ही दिल्ली भार्गव सभा में सदस्य के रूप में भार्गव समाज की सेवा का कार्य आरंभ किया, उसके बाद उप सचिव के पद पर भी पूर्ण योगदान दिया। गत 30 वर्षों से तन मन धन से दिल्ली भार्गव सभा में योगदान दिया। 2023–2025 में दिल्ली भार्गव सभा में उप प्रधान रहते हुए अपना योगदान दिया। 2019–2021 में अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ में उपप्रधान रह कर अपना योगदान दिया। अखिल भारतीय भार्गव सभा के साथ 2012 से जुड़े रहकर विभिन्न समितियों में अपना योगदान दिया। वर्तमान में अखिल भारतीय भार्गव सभा 2025–2027 में वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर सेवायें दे रहे हैं। भार्गव समाज के आर्थिक रूप से कमजोर सदस्यों के लिए कोरोना के मुश्किल समय में हर तरह से मदद की। भार्गव समाज के अलावा वे सामाजिक तौर पर सक्रिय रहते हैं। पुष्पांजलि वेलफेयर एसोसिएशन में प्रधान पद पर रह कर सेवा कर रहे हैं। सेंट्रल रेवन्यू कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी में उपप्रधान पद पर रहकर सेवा कर रहे हैं। श्री आद्या कात्यायनी शक्ति पीठ ट्रस्ट के सचिव हैं। Masonic Fraternity के साथ भी गत 11 वर्षों से जुड़ कर कार्य कर रहे हैं ।

श्रीमती रितु भार्गव प्रधान दिल्ली भार्गव युवा संघ वर्ष 2018–2019

श्रीमती रितु भार्गव का जन्म 29 दिसंबर को गाजियाबाद के उमाशंकर जी एवं श्रीमती कीर्ति भार्गव के प्रतिष्ठित परिवार में हुआ। बी काम, एम.ए. इग्लिश, LLB में करने के बाद 24 जनवरी 1996 को उनका विवाह श्री सौरभ भार्गव से हुआ। उनके दो प्यारे बच्चे हैं स्नेहिल और सौमित्र। आप IELTS AND VISA की founder हैं एवं Study Abroad का बिजनेस हैं। एक कुशल IELTS ट्रेनर और स्पोकन इंग्लिश कोच हैं, जिन्हें इस क्षेत्र में 15 वर्षों का अनुभव है। British Council of India, Mac Millan Education and Trinity College of London जैसी कई प्रतिष्ठित संस्थाओं से जुड़ी रही हैं और विद्यार्थियों को भाषा व व्यक्तित्व विकास में मार्गदर्शन देती रही हैं। दिल्ली भार्गव युवा संघ की 2016– 2018 में सचिव 2018– 2019 में प्रधान, इंद्रप्रस्थ रामलीला समिति में सांस्कृतिक मंत्री, कार्यकारिणी सदस्य Wow India, लीबल एडवाईसर IPEX Ladies Club हैं। आप पर Delhi English Project के नाम से Documemtary बनी हैं। वे विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लेती हैं। उनकी सबसे बड़ी रुचि है लोगों से संवाद करना, घूमना–फिरना और नए अनुभवों को अपनाना।

श्री दिवाकर भार्गव प्रधान दिल्ली भार्गव युवा संघ वर्ष 2019–2020

श्री दिवाकर भार्गव का जन्म 25 नवम्बर 1974 को श्री उमाशंकर एवं श्रीमती कीर्ति भार्गव के परिवार में हुआ। आपका विवाह श्रीमती नीलू भार्गव के साथ हुआं आपके तीन संतानें पुत्री दिशा, निहारिका एवं पुत्र शिवांग हैं। आपको आयकर एवं जीएसटी प्रैक्टिशनर में 20 वर्षों का अनुभव है। आप कार्यकारी सदस्य बार एसोसिएशन, गाजियाबाद (2019–20), सचिव सीजीएसटी बार एसोसिएशन गाजियाबाद (2022–23), सचिव इनकम टैक्स बार एसोसिएशन गाजियाबाद, सदस्य दिल्ली बार एसोसिएशन 2014 से, कोषाध्यक्ष बार एसोसिएशन गाजियाबाद (2025–26) हैं।

आप कार्यकारी सदस्य, गाजियाबाद भार्गव सभा (2017–18), अध्यक्ष दिल्ली भार्गव युवा संघ (2019–20) एवं कार्यकारिणी सदस्य अ.भा.भा. सभा (सत्र 2025–27) में रहे। आप सामुदायिक सहभागिता में समिति सदस्य, दूधेश्वर नाथ सिद्ध पीठ मंदिर, गाजियाबाद 2012 से एवं ट्रस्टी, गंगा आश्रम हरिद्वार एवं चेतन ज्योति आश्रम, हरिद्वार के हैं। दिवाकर जी ने अपनी कानूनी विशेषज्ञता और सामुदायिक सेवा के माध्यम से समाज में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनकी सक्रिय भागीदारी, पेशेवर उत्कृष्टता और सामाजिक कल्याण के प्रति अटूट समर्पण को सभी सराहते हैं।

श्रीमती ऋचा भार्गव प्रधान दिल्ली भार्गव युवा संध वर्ष 2020–2022

श्रीमती ऋचा भार्गव का जन्म 11 दिसंबर 1974 को विजय कुमार जी एवं स्व श्रीमती सुलोचना भार्गव इंदौर के एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ। उन्होंने कलकता विश्वविधालय से बी.काम एवं बिरला इंसटिटयूट कलकता से PGDBM की शिक्षा प्राप्त करने के बाद आपका विवाह दिल्ली के प्रतिष्ठित श्री देवेन्द्र एवं श्रीमती शशी के सुपुत्र श्री प्रवीन के साथ 14 जुलाई 1997 को हुआ। आपके एक पुत्री है जो UK से LLM कर वकालत की प्रैक्टिस कर रही है। आप दिल्ली भार्गव युवा संघ की सचिव 2014–2016 तक एवं दिल्ली भार्गव युवा संघ की अध्यक्ष 2021– 2022 में रही। आप दिल्ली भार्गव सभा की 2023–2025 में सचिव रही। वर्तमान में आप भार्गव महिला सभा दिल्ली की मुख्य सचिव हैं। आप विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लेती हैं। ऐंकरिंग का भी शौक रखती हैं। दिल्ली के अलावा अखिल भारतीय भार्गव सभा में भी अपनी ऐंकरिंग से सबका मन मोह लिया। उनकी सबसे बड़ी रुचि है लोगों से संवाद करना। Trousseau पैकिंग एंड कारपोरेट गिफ्टिंग का व्यवसाय है।

श्रीमती गरिमा भार्गव प्रधान दिल्ली भार्गव युवा संध वर्ष 2022–2024

सौम्य, रचनात्मक एवं ऊर्जावान व्यक्तित्व की धनी श्रीमती गरिमा का जन्म 13 मई 1979 को श्री अशोक कुमार भार्गव एवं श्रीमती दीपशिखा भार्गव बयाना (राजस्थान) के परिवार में हुआ। आपने स्नातक एवं स्नातकोत्तर की शिक्षा देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर से प्राप्त की तथा चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से बी.एड. किया। आपका विवाह दिल्ली के श्री मोहित भार्गव (सुपुत्र श्री गोपाल कृष्ण भार्गव) से हुआ। आप सामाजिक रूप से अत्यंत सक्रिय हैं और अनेक संस्थाओं से जुड़कर कार्य कर रही हैं। पेशे से आप एक प्रसिद्ध फूड कंटेंट क्रिएटर हैं और 'Delicious by Garima' नाम से सोशल मीडिया पर लाखों लोगों के बीच अपने स्वादिष्ट व्यंजनों और सरल रेसिपीज के लिए जानी जाती हैं। 2022–24 में दिल्ली भार्गव युवा संघ की अध्यक्ष के रूप में उत्कृष्ट नेतृत्व प्रदान किया है तथा वर्तमान में दिल्ली भार्गव सभा की कार्यकारिणी समिति की सक्रिय सदस्य हैं। आपकी रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और समाज सेवा के प्रति समर्पण आपको विशिष्ट बनाते हैं।

श्री निखिल भार्गव प्रधान दिल्ली भार्गव युवा संध वर्ष 2024–2025

निखिल भार्गव का जन्म 22 मई 1975 को दिल्ली निवासी श्री उमेश चंद्र भार्गव एवं स्व. श्रीमती प्रभा भार्गव के यहा हुआ। प्रारम्भिक शिक्षा दिल्ली में करने के बाद 1996 में दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक तथा 1997 में IHM लखनऊ से होटल मैनेजमेंट की डिग्री प्राप्त की। इनका विवाह श्रीमती भारती सुपुत्री श्री सुरेंद्र मोहन एवं श्रीमती मंजू लता भार्गव के साथ 14 अक्टूबर 2002 को हुआ। इनके 1 पुत्र एवं 1 पुत्री है। आपने ट्राइडेंट जयपुर में F&B एसोसिएट के रूप में (1997–1999) में कार्य किया , 2000–2012 में पीयर्सन एजुकेशन में सेल्स, मार्केटिंग और सर्विसेज मार्केटिंग में कार्य किया, 2012–2014 Bookadda-com में AVP बुक्स कैटेगरी, 2014–2025 ब्लूम्सबरी में हेड शैक्षणिक सेल्स और मार्केटिंग (2014–2025) एवं वर्तमान में Bluone Ink Publishers में हेड, सेल्स और मार्केटिंग के रूप में कार्यरत हैं। आप दिल्ली युवा संध के कई वर्ष उप प्रधान रहने के बाद वर्ष 2024 में प्रधान बने।

श्री हितेन्द्र भार्गव प्रधान दिल्ली भार्गव युवा संध वर्ष 2025–2027

श्री हितेन्द्र भार्गव, जिन्हें स्नेहपूर्वक हितेन कहा जाता है, का जन्म 6 अक्टूबर 1977 को दिल्ली में स्व. श्री सुरेश चंद भार्गव और स्व. श्रीमती बिमला देवी भार्गव के यहाँ हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय से बी.कॉम की डिग्री प्राप्त कर एपटेक से सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में डिप्लोमा किया। 19 वर्ष की आयु में, पिता और बहन के निधन के बाद, उन्होंने जीवन की जिम्मेदारियों को संभाला, जो सरल शुरुआत से शुरू हुई। हितेन्द्र का विवाह 16 मार्च 2002 को प्रीति सुपुत्री श्री तेज कुमार भार्गव और श्रीमती कुसुम भार्गव से विवाह हुआ। आपके तीन बच्चे किशोरियां निष्ठा और अवनी, और पुत्र कव्यांश। इन्होने बैंकों, एनबीएफसी, सॉफ्टवेयर और फिनटेक कंपनियों में कार्य किया है, जिससे उन्होंने निजी क्षेत्र में 25 वर्षों से अधिक का स्थिर करियर स्थापित किया। दिल्ली भार्गव युवा संघ के सचिव (2022–2025), वर्तमान में (2025–2027) दिल्ली भार्गव युवा संघ के अध्यक्ष के रूप में सेवा दे रहे हैं। अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ के (2025–2027) में उपाध्यक्ष हैं। इनको संगीत, फिल्में, क्रिकेट, रोलप्ले गतिविधियों और उभरती हुई सॉफ्टवेयर तकनीकों को एक्सप्लोर करना पसंद करते हैं। उनकी यात्रा समर्पण, संतुलन और लगातार प्रयास को दर्शाती है, जो उनके चारों ओर के हर किसी के लिए प्रेरणा है।

दिल्ली भार्गव सभा समाज कल्याण समिति

उद्देश्य

प्रथम : शिक्षा अनुदान और छात्रवृति योग्यता और आवश्यकता के आधार पर भार्गव छात्र–छात्राओं को अनुदान और कोई बोर्ड अथवा विश्वविधालय में विशिष्ट सफलता प्राप्त करने पर छात्रवृति।

द्वितीय : चिकित्सा अनुदान – जरुरत मंद परिवार के रोगी सदस्य का चिकित्सा के खर्च में यथा संभव हाथ बटाया जाये।

ततीय : विवाह अनुदान – कन्या के विवाह के लिए जरुरत मंद परिवार को अनुदान /अनुदान वस्तु के रूप में भी दिया जा सकेगा।

चतुर्थ : निराश्रित अनुदान – बेसहारा और जरूरतमंद स्त्री अथवा पुरुष को पुनर्वास के लिए अनुदान।

पंचम : राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट सफलता प्राप्त करने वाले दिल्ली के व्यक्ति को सम्मानार्थ पुरस्कार।

नियम

1. अनुदान अथवा पुरस्कार दिल्ली के ही किसी भार्गव परिवार के सदस्य को मिल सकेगा अमुक परिवार, दिल्ली की भार्गव सभा से सम्बंधित होना का चाहिए।

2. कल्याण निधि के मूल धन को खर्च नहीं किया जायेगा। मूल धन पर अनन्तः अधिकार भार्गव सभा दिल्ली का होगा लेकिन वह भी इसे खर्च नहीं कर सकेगी। इससे प्राप्त ब्याज की राशि निर्धारित उद्देश्यों को पूरा करने पर खर्च की जाएगी।

3. निर्धारित उद्देश्यों को बदलने का अधिकार दिल्ली भार्गव सभा को होगा। किसी मद में कितना खर्च किया जाये यह आवश्यकतानुसार समिति की बैठक में तय किया जा सकेगा।

4. संवैधानिक रुप से गठित समाज कल्याण समिति का संचालन एक समिति करेगी जिसमे न्यायाधिकरण के सदस्यों को छोड़कर दिल्ली भार्गव सभा के समस्त पूर्व प्रधान होंगे। इसका कार्यकाल सभा के कार्यकाल के साथ ही दो वर्ष का होगा। हर सत्र में दो सदस्य दिल्ली भार्गव सभा की कार्यकारिणी चुनेगी। सभा के वर्तमान प्रधान. मुख्य सचिव एवं कोषाध्यक्ष समिति के पदेन सदस्य होंगे। समिति का संयोजक इन पूर्व प्रधान सदस्यों में से एक को समिति चुना करेगी। समिति का संयोजक ही बैठक बुलाएगा। आवेदन प्राप्त करके बैठक में विचारार्थ पेश करेगा और बैठक में दिए गए निर्णयों की रिपोर्ट सभा की कार्यकारिणी में पेश करेगा।

5. बैठक मे उपस्थित वरिष्ठ पूर्व प्रधान सम्बन्धित बैठक का अध्यक्ष होगा।

6. संचालन समिति के किसी सदस्य के त्यागपत्र देने अथवा कोई भी आकस्मिक दुर्घट्ना या और किसी कारण समिति में स्थान रिक्त होने पर समिति के अन्य सदस्यों की सर्वसम्मति से वर्ष की शेष अवधि के लिए नामजद किये जा सकेंगे।

7. अनुदान की राशि यही समिति तय करेगी जो समिति की स्थापित निधियों के ब्याज के अन्तर्गत ही होगी। समिति की स्थापित सभी कोष दिल्ली भार्गव सभा के खाते में अलग सूची में निर्दिश होंगे जिसके ब्याज का उपयोग समिति की अनुशंसा होने पर दिल्ली भार्गव सभा को आवश्यक रुप से करना होगा।

8. समिति के सभी सम्पति की जिम्मेदारी संयोजक की होगी।

9. समिति की बैठक में कोरम चार सदस्यों का माना जायेगा। प्रस्ताव बहुमत से पारित किया जायेगा। मत बराबर होने पर बैठक के अध्यक्ष का अतिरिक्त विशेष मत निर्णायक होगा।

10. इस निधि को बढ़ाने के लिए दान प्राप्त करने तथा अन्य साधनो से धन जुटाने का भी हर संभव प्रयत्न किया जायेगा।

दिल्ली भार्गव सभा में पुरस्कार हेतु निधियां

पृथ्वीनाथ चन्द्रकुमारी पुरस्कार – यह पुरस्कार श्री राजेन्द्र नाथ, श्री देवेन्द्र नाथ व श्री राजेश जी के द्वारा अपने पिता जी की पुण्य स्मृति में वर्ष 2002 में स्थापित किया गया जिसमें जिस छात्र – छात्रा ने 10वीं कक्षा में गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त करे उसको राशि 1100/– का पुरस्कार दिया जाता है। इस पुरस्कार को पौत्र विनीत मो. 9811997963, उदित मो. 9999676844 द्वारा प्रदान किया जाता है।

श्रीमती सरला कृष्णचन्द्र भार्गव पुरस्कार – यह पुरस्कार श्रीमती सरला जी द्वारा वर्ष 2006 में रु 21000 की राशि से स्थापित किया गया जिसमें इसके ब्याज से 12वीं कक्षा में इकॉनामिक्स में 85 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र – छात्रा को पुरस्कार दिया जाता है। इनके परिवार में उनकी पुत्री श्रीमती प्रतिमा झिंगन मो. 9810422945 हैं।

श्रीमती कमला भार्गव पुरस्कार – यह पुरस्कार श्री उमेश – श्रीमती वीना जी पैलिकन प्रैस, दरियागंज द्वारा वर्ष 2006, 2014 एवं 2017 में रु 30000 की राशि से स्थापित किया गया जिसमें इसके ब्याज से 10वीं कक्षा में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र – छात्रा को पुरस्कार दिया जाता है। इनके परिवार में पुत्र श्री उमेश मो. 9810188385 हैं।

श्री बालकृष्ण–श्रीमती संतोष भार्गव – स्व. श्री विनीत एवं श्रीमती अल्पना पुरस्कार– यह पुरस्कार श्री बालकृष्ण जी, स्व. श्री विनीत एवं श्रीमती अल्पना तथा श्री नीरज एवं श्रीमती अनीता द्वारा वर्ष 2023 में रु 60000 की राशि से स्थापित किया गया जिसमें इसके ब्याज से डॉक्टर/इंजीनियर/होटल मैनेजमेंट/कंप्यूटर साइंस के फाइनल में अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले छात्र – छात्रा को पुरस्कार दिया जाता है। इनके परिवार में श्री बालकृष्ण मो. 9891910968, पुत्रवधु श्रीमती अल्पना मो. 9911190968, पुत्र श्री नीरज मो. 9810403898 हैं।

स्व. डॉ. ओमप्रकाश–श्रीमती कमला पुरस्कार – यह पुरस्कार डॉ. पंकज–श्रीमती अपर्णा द्वारा वर्ष 2012 में रु 25000 की राशि से स्थापित किया गया जिसमें इसके ब्याज से 12वीं कक्षा में विज्ञान वर्ग से सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र – छात्रा को पुरस्कार दिया जाता है। इनके परिवार में पुत्र डॉ. पंकज मो. 9810077223 हैं।

स्व. डॉ. ओमप्रकाश–श्रीमती कमला भार्गव पुरस्कार – यह पुरस्कार श्री शरद – श्रीमती कविता द्वारा वर्ष 2012 में रु 25000 की राशि से स्थापित किया गया जिसमें इसके ब्याज से फैशन डिजाइनिंग में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र – छात्रा को पुरस्कार दिया जाता है। इनके परिवार में पुत्र श्री शरद मो. 9810016873 हैं।

डॉ. पुष्पा–रामजी लाल भार्गव पुरस्कार – यह पुरस्कार सुश्री पुष्पा जी द्वारा वर्ष 2014 में रु 25000 की राशि से स्थापित किया गया जिसमें इसके ब्याज से पीएमटी या इंजीनियरिंग के एन्ट्रेन्स एक्जाम क्वालिफाई करने वाले छात्र – छात्रा को पुरस्कार दिया जाता है। इनके परिवार में श्री रामजी लाल के पौत्र श्री पंकज मो. 9889170124 हैं।

स्व. श्री कामता प्रसाद–श्री सुशीला भार्गव पुरस्कार – यह पुरस्कार श्री मकुल–श्रीमती अरुणा, श्री मुकेश–श्रीमती नीलिमा द्वारा वर्ष 2014 में रु 25000 की राशि से स्थापित किया गया जिसमें इसके ब्याज से 12वीं कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र – छात्रा को पुरस्कार दिया जाता है। इनके परिवार में पुत्र श्री मुकुल मो. 9871840508, श्री मुकेश मो. 9871725839 हैं।

स्व. श्री मुकन्द देव–स्व. श्रीमती शान्ति देवी एवं स्व. श्री रमेश चन्द्र–स्व. श्रीमती तारा रानी भार्गव मेडिकल शिक्षा पुरस्कार –यह पुरस्कार श्री सुरेश–श्रीमती कृष्णा, मयूर विहार एवं श्री उमेश–श्रीमती प्रभा, पटपड़गंज एवं श्रीमती प्रभा–श्री उमेश, श्रीमती रेखा–श्री नरेश, श्रीमती कल्पना–स्व. श्री द्वारका प्रसाद द्वारा वर्ष 2023 में रु 40000 की राशि से स्थापित किया गया जिसमें इसके ब्याज से मेडिकल में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र – छात्रा को पुरस्कार दिया जाता है। इनके परिवार में श्री सुरेश मो. 9311795579, श्री उमेश मो. 9870296907, श्रीमती रेखा मो. 9711013482 हैं।

स्व. श्री किशन नारायण–श्रीमती कुसुम भार्गव पुरस्कार –यह पुरस्कार श्री मनीष–श्रीमती मानसी, श्री आशीष–श्रीमती कंचन द्वारा वर्ष 2017 में रु 21000 की राशि से स्थापित किया गया जिसमें इसके ब्याज से 12वीं कक्षा में एकाउन्ट में सर्वाधिक प्राप्त करने वाले छात्र – छात्रा को पुरस्कार दिया जाता है। इनके परिवार में पुत्र श्री मनीष मो. 7217752065 एवं श्री आशीष मो. 9899766620 हैं।

श्री उमाकान्त–श्रीमती संगीता भार्गव पुरस्कार –यह पुरस्कार श्री उमाकान्त – श्रीमती संगीता द्वारा वर्ष 2015 एवं 2024 में कुल रु 50000 की राशि से स्थापित किया गया जिसमें इसके ब्याज से 12वीं कक्षा हिन्दी में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र – छात्रा को पुरस्कार दिया जाता है। इनके परिवार में श्री उमाकांत मो. 9811206450 हैं।

श्री राजेश–श्रीमती मधु भार्गव पुरस्कार – यह पुरस्कार श्री राजेश–श्रीमती मधु द्वारा वर्ष 2019 में रु 31000 की राशि से स्थापित किया गया जिसमें इसके ब्याज से M.A. Sanskrit, M.Phil, Ph.D or D.Lit में सर्वाधिक प्राप्त करने वाले छात्र – छात्रा को पुरस्कार दिया जाता है। इनके परिवार में श्री राजेश मो. 9810130726 एवं पुत्र श्री मोहित मो. 9818180097 हैं।

श्री राजेश–श्रीमती संध्या भार्गव पुरस्कार – यह पुरस्कार श्री राजेश–श्रीमती संध्या भार्गव की स्मृति में श्री विनीत–श्रीमती मानवी एवं श्री उदित–श्रीमती रतनप्रिया एवं पौत्र विवान द्वारा वर्ष 2023 में जे.ई.ई. मेन या आई.आई.टी. प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्र – छात्रा को रु 5,100/ का पुरस्कार दिया जाता है। इस पुरस्कार को उनके पुत्र विनीत मो. 9811997963, उदित मो. 9999676844 द्वारा प्रदान किया जाता है।

समाज कल्याण निधि

दिल्ली भार्गव सभा द्वारा समाज के कमजोर वर्ग को सहायता देने के लिए 2008 में एक समाज कल्याण कार्पस फंड की स्थापना की गई। इसके अन्तर्गत कोई भी सदस्य अपनी या अपने परिजन की स्मृति में निधि स्थापित कर सकता है। इसके ब्याज का 75 प्रतिशत सभा अपने वार्षिक खर्चों में खर्च कर सकती है। बाकि 25 प्रतिशत राशि मूल में जोड़ने का प्रावधान किया गया। इसके अन्तर्गत निम्न निधियाँ हैं :

1. श्री नगेन्द्र प्रकाश भार्गव – श्रीमती पुष्पा निधि – यह निधि श्री नगेन्द्र प्रकाश एवं श्रीमती पुष्पा द्वारा वर्ष 2008 में रु 3,00,000/– की राशि से स्थापित की गई थी। इनके परिवार में श्री नगेन्द्र प्रकाश जी मो. 9810019945 हैं।

2. श्री राजीव श्रीमती आरती भार्गव निधि – यह निधि श्री राजीव – श्रीमती आरती, द्वारा वर्ष 2013 में रु 1,51,000/– की राशि से स्थापित की गई थी। इनके परिवार में श्री राजीव जी मो. 9313064314 हैं।

3. स्व. श्री किशन नारायण–श्रीमती कुसुम भार्गव निधि – यह निधि श्री मनीष–श्रीमती मानसी, श्री आशीष–श्रीमती कंचन द्वारा वर्ष 2015 में रु 16,000/– की राशि से स्थापित की गई थी। आज उनके परिवार में श्री मनीष मो. 7217752065 एवं श्री आशीष मो. 9899766620 हैं।

4. स्व. चन्द्रभान श्रीमती सरोज भार्गव निधि – यह निधि श्री दीपक श्रीमती अंजु द्वारा वर्ष 2016 व 2020 में रु 10,000/–की राशि से स्थापित की गई थी। इनके परिवार में पुत्र श्री दीपक मो. 9311893013 एवं पौत्र श्री हेमन्त मो. 9999412855 हैं।

5. श्री बलराम श्रीमती प्रेमलता भार्गव निधि – यह निधि श्री बलराम श्रीमती प्रेमलता द्वारा वर्ष 2020 में रु 1,00,000/– की राशि से स्थापित की गई थी। आज उनके परिवार में श्रीमती प्रेमलता मो. 9818886373 एवं पुत्र श्री सुदीप मो. 9818093640 हैं।

6. स्व. श्रीमती सरला भार्गव श्रीमती प्रतिमा झिंगन निधि – यह निधि श्रीमती प्रतिमा द्वारा वर्ष 2018 में रु 30,000 एवं उसके बाद 2019 से 2024 तक रु 20000 प्रतिवर्ष वर्तमान में रु 170,000/–की राशि से स्थापित की गई थी। उनके परिवार में उनकी पुत्री श्रीमती प्रतिमा झिंगन मो. 9810422945 हैं जो प्रतिवर्ष राशि बढ़ा रही है।

7. स्व. श्रीमती त्रिवेणी भार्गव निधि – यह निधि श्री कन्हैया लाल श्रीमती रमालक्ष्मी, द्वारा वर्ष 2019, 2020 में रु 20,000/– की राशि से स्थापित की गई थी। इनके परिवार में श्री कन्हैया लाल मो. 9871292072 हैं।

7. स्व. श्री ब्रज किशोर व स्व. श्रीमती देवकी रानी एवं श्री नन्द किशोर व श्रीमती सुषमा भार्गव निधि – यह निधि श्री नन्द किशोर व श्रीमती सुषमा भार्गव एवं श्री गौरव व श्रीमती नीलम, द्वारा वर्ष 2025 में रु 1,00,000/– की राशि से स्थापित की गई थी। इनके परिवार में श्री नन्द किशोर मो. 9650291286 हैं।

डॉ. सुभाष भार्गव मेडिकल कोष

दिल्ली भार्गव सभा द्वारा समाज के कमजोर वर्ग को सहायता देने के लिए 2008 में एक मेडिकल कार्पस फंड की स्थापना की गई। इसके अन्तर्गत कोई भी सदस्य अपनी या अपने परिजन की स्मृति में निधि स्थापित कर सकता है। इसके ब्याज का 75 प्रतिशत सभा अपने वार्षिक खर्चों में खर्च कर सकती है। बाकि 25 प्रतिशत राशि मूल में जोड़ने का प्रावधान किया गया। इस कोष का नाम डॉ. सुभाष भार्गव मेडिकल कोष रखा गया। इस कोष से समाज के बन्धुओं को चिकित्सा के लिए आर्थिक मदद प्रदान की जाती हैं।

इसके अन्तर्गत निम्न निधियाँ हैं :

1. श्री नगेन्द्र प्रकाश भार्गव – श्रीमती पुष्पा निधि – यह निधि श्री नगेन्द्र प्रकाश एवं श्रीमती पुष्पा द्वारा वर्ष 2008 में रु 2,00,000/– की राशि से स्थापित की गई थी। इनके परिवार में श्री नगेन्द्र प्रकाश जी मो. 9810019945 हैं।

2. स्व. डॉ. सुभाष भार्गव–श्रीमती मंजू भार्गव निधि – यह निधि श्रीमती मंजु एवं श्रीमती निधि–श्री रोहित पुत्री एवं दामाद द्वारा वर्ष 2012 में रु 25,000 एवं पुत्री एवं दामाद द्वारा 2012 से प्रतिवर्ष कुछ राशि देकर वर्तमान में रु 190100/– की राशि से स्थापित की गई थी। इनके परिवार में पुत्री एवं दामाद श्रीमती निधि–श्री रोहित मो. +1 267–606 –9760 हैं।

3. श्री शरन – श्रीमती आदर्श भार्गव निधि – यह निधि श्री शरन – श्रीमती आदर्श भार्गव द्वारा वर्ष 2013 में रु 2,00,000/– की राशि से स्थापित की गई थी। इनके परिवार में श्रीमती आदर्श मो. 9815592086 हैं।

4. स्व. श्रीमती चमेली देवी एवं स्व. श्री किशोरीलाल भार्गव निधि–यह निधि श्रीमती शशी–श्री देवेन्द्र, श्री अरविन्द–श्रीमती नीता, श्री प्रवीन–श्रीमती ऋचा, श्रीमती शोभना–श्री आनन्द द्वारा वर्ष 2014 में रु 51,000/– की राशि से स्थापित की गई थी इसके ब्याज से गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को आपातकालीन सहायता प्रदान की जाएगी। इनके परिवार में श्री देवेन्द्र मो. 9871222158, श्री अरविन्द मो. 8178332744, श्री प्रवीन मो. 9810019290 हैं।

5. श्री रविन्द्र नाथ – श्रीमती कामिनी भार्गव निधि – यह निधि श्री रविन्द्र नाथ – श्रीमती कामिनी भार्गव द्वारा वर्ष 2018 में रु 51,000/– की राशि से स्थापित की गई थी। इनके परिवार में श्री रविन्द्र नाथ जी मो. 9911252766 हैं।

6. स्व. श्री ओम प्रकाश – श्रीमती उमा भार्गव निधि – यह निधि श्री मुनीष – श्रीमती कुमुद भार्गव द्वारा वर्ष 2018 में रु 50,000/– की राशि से स्थापित की गई थी। इनके परिवार में श्री मुनीष मो. 9811224772 हैं।

7. स्व. श्री प्रवीन – स्व. श्रीमती सुलेखा भार्गव निधि – यह निधि श्री मानिक – श्रीमती पूजा भार्गव द्वारा वर्ष 2024 में रु 1,00,000/– की राशि से स्थापित की गई थी। इनके परिवार में श्री मानिक मो. 9968605467 हैं।

8. कु. स्नेहिल सुपुत्री श्री सौरभ–श्रीमती रि**तु भार्गव** ने 2016 तीज उत्सव के अवसर पर प्राप्त पुरस्कार की राशि 2,350/– मेड़िकल फंड़ में दी।

संत चरण दास निधि

1. डॉ. नरेश भार्गव निधि– यह निधि डॉ. नरेश द्वारा वर्ष 2002 में रु 5,000/– की राशि से स्थापित की गई थी। इनके परिवार में श्री मुनीश मो. 9611201004 हैं।

2. श्री गौरी शंकर भार्गव निधि – यह निधि श्री गौरी शंकर द्वारा वर्ष 2004 में रु 5,000/– की राशि से स्थापित की गई थी। इनके परिवार में डॉ. राजीव मो. हैं।

3. श्री विष्णु कुमार भार्गव निधि – यह निधि श्री विष्णु कुमार द्वारा वर्ष 2002 में रु 1,000/– की राशि से स्थापित की गई थी। इनके परिवार में श्री नितिन मो 8368377190 हैं।

दिल्ली भार्गव सभा (पंजी.) कार्पस निधियों का विवरण

दिल्ली भार्गव सभा द्वारा 1996 में कार्पस फंड की स्थापना की गई। इसके ब्याज का 75% सभा के वार्षिक खर्चों में खर्च में व बाकि 25 % राशि मूल में जोड़ने का प्रावधान किया गया।

1. पं. गोबिन्द प्रसाद व श्रीमती शारदा भार्गव (झांसी/दिल्ली) निधि – यह निधि श्री बालकृष्ण व श्रीमती संतोष भार्गव द्वारा वर्ष 1996 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में श्री बालकृष्ण मो. 9891910968, पुत्रवधु श्रीमती अल्पना मो. 9911190968, पुत्र श्री नीरज मो. 9810403898 हैं।

2. श्री मोती लाल भार्गव निधि – यह निधि श्री जवाहर लाल भार्गव द्वारा वर्ष 1996 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में पौत्र श्री पंकज मो. 9811300811 कनाड़ा में हैं।

3. श्री विष्णु कुमार व श्रीमती करुणा भार्गव निधि – यह निधि श्री विष्णु कुमार भार्गव द्वारा वर्ष 1996 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। समय समय पर इस राशि में बढ़ोतरी कर अब यह निधि रु 21000 की हो गयी है। इनके परिवार में पुत्र श्री नितिन मो. 8368377190 हैं।

4. श्री हस्पत राय व श्रीमती करम देवी भार्गव निधि – यह निधि श्री रामप्रकाश भार्गव द्वारा वर्ष 1996 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में उनके पौत्र श्री सुभाष चन्द्र मो. 9911121182 हैं।

5. श्री जितेन्द्र नाथ भार्गव निधि – यह निधि श्रीमती राजकुमारी भार्गव एवं श्री राजेश भार्गव द्वारा वर्ष 1996 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में पुत्र श्री राजेश मो. 9958080861 हैं।

6. श्री मनोहर लाल भार्गव निधि – यह निधि श्रीमती प्रेमवती भार्गव द्वारा वर्ष 1996 में रु 10000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में पुत्र श्री राकेश मो. 9868163897 हैं।

7. श्रीमती श्यामलता व श्री महावीर प्रसाद भार्गव निधि – यह निधि श्री कृष्ण कुमार व श्रीमती शान्ता भार्गव द्वारा वर्ष 1996 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में श्री कृष्ण कुमार मो. 9811808598 और पौत्र डॉ. मनु मो. +1 318–792–7055 यू. एस. ए. में हैं।

8. श्रीमती राधा व श्री जगतनारयाण भार्गव निधि – यह निधि श्री राजनारायण भार्गव द्वारा वर्ष 1996 में रु 10000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में पौत्र श्री पारस मो. 9810158418 हैं।

9. श्रीमती सरोज व श्री विशेश्वर नाथ भार्गव निधि – यह निधि श्रीमती सरोज भार्गव द्वारा वर्ष 1996 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में श्रीमती सरोज मो. 9810022715 हैं।

10. श्री विशन नारायण भार्गव निधि – यह निधि श्री विजय नारायण भार्गव द्वारा वर्ष 1996 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में पौत्र श्री नीरज मो. 9958091924 हैं।

11. स्व. श्रीमती त्रिवेनी देवी व स्व. श्री अनन्त राम भार्गव निधि – यह निधि श्री मनमोहन कुमार भार्गव द्वारा वर्ष 1996 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में पौत्र श्री संदीप मो. 9810161806 हैं।

12. स्व. श्रीमती त्रिवेनी देवी व स्व. श्री अनन्त राम भार्गव निधि – यह निधि श्री निहाल व श्री सतीश भार्गव द्वारा वर्ष 1996 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में श्री निहाल मो. 9810234705, श्री सतीश मो. 9810081457 हैं।

13. श्री मक्खनलाल व श्रीमती श्यामा भार्गव निधि – यह निधि श्री रामसरन व श्रीमती विमला भार्गव द्वारा वर्ष 1996 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में पौत्र श्री प्रवीन मो. 9650222222 हैं।

14. श्रीमती निर्मल व रामेश्वर नाथ भार्गव निधि – यह निधि श्रीमती उर्मिला व श्री बृजेन्द्र सिंह भार्गव द्वारा वर्ष 1996 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में श्री बृजेन्द्र सिंह मो. 9811614860 हैं।

15. डॉ. कामता नाथ भार्गव निधि – यह निधि श्रीमती तारा भार्गव द्वारा वर्ष 1996 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में पुत्र डॉ. राकेश मो. 9810127695 हैं।

16. श्री बनवारी लाल भार्गव निधि – यह निधि श्री गोपाल कृष्ण भार्गव द्वारा वर्ष 1996 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में पुत्र श्री राधा कृष्ण मो. 9818818585 पौत्र श्री मोहित मो. 9810818585 हैं।

17. श्रीमती कमला देवी व श्री मोतीलाल भार्गव निधि – यह निधि श्री अशोक कुमार व श्रीमती अनु भार्गव द्वारा वर्ष 1996 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में पुत्र कर्नल अनिल मो. 9799484833, पुत्रवधु श्रीमती अनु मो. 9871837059 हैं।

18. सेठ फूलचन्द भार्गव निधि – यह निधि श्री विजय भूषण व श्रीमती निशा भार्गव द्वारा वर्ष 1997 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में श्री विजय भूषण जी मो. 9310052349 हैं।

19. श्रीमती कमला देवी व श्री फकीर चन्द भार्गव निधि – यह निधि श्री चन्द्रभान व श्रीमती आशा भार्गव द्वारा वर्ष 1997 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में पौत्र श्री अंकुश मो. 9811713538 हैं।

20. श्री ओमकार नाथ भार्गव निधि – यह निधि श्री ओमकार नाथ व डॉ. श्री नाथ भार्गव द्वारा वर्ष 1997 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में डॉ. श्री नाथ मो. 9871547011 हैं।

21. श्रीमती वसन्ती देवी व मा. रामजी लाल भार्गव निधि – यह निधि डॉ. पुष्पा व श्री देवेन्द्र भार्गव द्वारा द्वारा वर्ष 1998 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में पौत्र श्री पंकज मो. 9889170124 हैं।

22. श्री किशन चन्द्र व श्रीमती सरला भार्गव निधि – यह निधि श्रीमती सरला भार्गव द्वारा वर्ष 1998 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में उनकी पुत्री श्रीमती प्रतिमा झिंगन मो. 9810422945 हैं।

23. श्रीमती रमा व डॉ. नरेश चन्द्र भार्गव निधि – यह निधि डॉ. नरेश व श्री मुनीष भार्गव द्वारा वर्ष 1998 में रु 10,000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में पुत्र श्री मुनीश मो. 9611201004 हैं।

24. गुरुदेव बाबा लोचन दास जी पं. दीनानाथ दिनेश व कलावती भार्गव निधि– यह निधि श्रीमती अलका–श्री सर्वेश, सुयश भार्गव द्वारा वर्ष 2000 में रु 11,000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में पुत्र श्री सर्वेश मो. 9312154136 एवं पौत्र श्री सुयश मो. 9350959732 हैं।

25. श्रीमती शांति देवी –श्री केदारनाथ व श्री नवीन चन्द्र भार्गव निधि – यह निधि श्रीमती मन्जू–श्री उमेश, श्रीमती मधु–श्री योगेश, श्रीमती अमिता–श्री राकेश, श्रीमती पुष्पा, श्री संजीव भार्गव द्वारा वर्ष 2001 में रु 11,000 एवं 2016 में रु 10,000 की राशि बढ़ाकर वर्तमान में से रु 21000/– से स्थापित की गई है। इनके परिवार में पुत्र श्री योगेश मो. 9312243182, श्री राकेश मो. 9313011052, पौत्र श्री संजय 9310950777 एवं श्री संजीव मो. 9136229066 हैं।

26. श्रीमती सावित्री व श्री यादेश भार्गव निधि – यह निधि श्री यादेश, श्रीमती सवित्री, श्री रवि श्रीमती प्रीती द्वारा वर्ष 2003 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में श्री यादेश मो. 9871677793 एवं पुत्र श्री रवि मो. 9818540067 हैं।

27. श्री जगदीश प्रसाद भार्गव निधि – यह निधि श्री जगदीश प्रसाद भार्गव सिद्वार्थ एंक्लेव द्वारा वर्ष 2004 में रु 5000/– की राशि से स्थापित की गई है। इनके परिवार में पुत्री रीना एवं दामाद संतोष मो. 9886452422 हैं।

28. श्री राजकुमार भार्गव वेबसाइट डेवलेपमेन्ट निधि – यह निधि श्री राजकुमार भार्गव, रिटायर्ड आई.ए.एस. द्वारा वर्ष 2012 में रु 1,00,000/– की राशि से स्थापित की गई है। इसका ब्याज वेबसाइट डेवलेपमेन्ट कार्यों के उपभोग में खर्च किया जा सकेगा। इनके परिवार में श्री राजकुमार मो. 9871386770 हैं।

29. श्रीमती नर्वदा देवी व डॉ. पी.एन. भार्गव निधि – यह निधि स्व. डॉ. ओ.पी. भार्गव व श्रीमती कमला भार्गव द्वारा वर्ष 2012 में रु 50,000/– की राशि से स्थापित की गई है। इसका ब्याज सांस्कृतिक कार्यकम के उपभोग में खर्च किया जा सकेगा। इनके परिवार में पुत्र डॉ. पंकज मो. 9810077223 हैं।

30. स्व. श्री ओंकारनाथ व स्व. श्रीमती उमा देवी निधि एवं स्व. श्री रमा शंकर व स्व. श्रीमती सुशीला भार्गव निधि – यह निधि श्री सुरेश–श्रीमती नीरा भार्गव द्वारा वर्ष 2013 में रु 50,000/– की राशि से स्थापित की गई है। इसका ब्याज सभा के दैनिक कार्यों के उपभोग में खर्च किया जा सकेगा। इनके परिवार में श्री सुरेश मो. 9811127126 हैं।

31. श्रीमती पुष्पलता व कामता नाथ भार्गव – यह निधि श्रीमती आशा अशोक विहार 9910393705 द्वारा वर्ष 2014 में रु 11,000/– की राशि से स्थापित की गई है। इसका ब्याज सांस्कृतिक कार्यकम के पुरस्कार के उपभोग में खर्च किया जा सकेगा। इनके परिवार में इनका भतीजा श्री अनुज मो. +44 774 775 8199 हैं।

32. स्व. डॉ. नरेश व स्व. श्रीमती रमा भार्गव निधि – यह निधि श्री मुनीश एवं श्रीमती अर्चना द्वारा वर्ष 2017 में रु 1,00,000/– की राशि से स्थापित की गई है। इसके ब्याज से समाज में आवश्यकतानुसार मेडिकल के लिए अन्यथा स्नेह सम्मेलन पर इस्तेमाल किया जाएगा। इनके परिवार में पुत्र श्री मुनीश मो. 9611201004 हैं।

33. श्री कमलेश्वर प्रसाद व श्रीमती मिथलेश भार्गव निधि – यह निधि श्री कमलेश्वर प्रसाद एवं श्रीमती मिथलेश भार्गव द्वारा वर्ष 2017 में रु 1,00,000/– की राशि से स्थापित की गई है। इसके ब्याज से प्रति वर्ष वैवाहिक स्वर्ण जयन्ती हेतु दिए जाने वाले उपहार प्रदान किए जाएंगे। इनके परिवार में श्री कमलेश्वर मो. 9871003806 हैं।

34. स्व. पं. किशोरी लाल भार्गव स्मृति निधि– यह निधि श्री नरेन्द्र भार्गव सत्संग भवन द्वारा वर्ष 2019 में रु 50000 और 2025 में रु 71000 कुल रु 121000 की राशी से स्थापित की गई है। इस निधि से अर्जित वार्षिक ब्याज को स्व. पं. बेनी प्रसाद भार्गव द्वारा दिये गये योगदान को नमन करते हुये वर्ष में एक बार समाज कल्याण से सहायता प्राप्त सदस्यों को अन्नदान किया जायेगा। श्री नरेन्द्र जी का मो. 9313021833 है।

35. स्व. श्री ओंकारनाथ व स्व. श्रीमती उमा देवी निधि एवं स्व. श्री रमा शंकर व स्व. श्रीमती सुशीला भार्गव निधि – यह निधि श्री सुरेश–श्रीमती नीरा भार्गव द्वारा वर्ष 2022 में रु 5,00,000/– की राशि से स्थापित की गई है।इसके ब्याज से प्रति वर्ष वरिष्ठ सदस्यों हेतु दिए जाने वाले उपहार प्रदान किए जाएंगे और स्नेह सम्मेलन पर इस्तेमाल किया जाएगा। इनके परिवार में श्री सुरेश मो. 9811127126 हैं।

36. स्व. श्रीमती कृष्णा – स्व. श्री विष्णु नारायण एवं श्रीमती सविता – डॉ सुभाष भार्गव निधि – यह निधि श्रीमती सविता – डॉ सुभाष भार्गव द्वारा वर्ष 2024 रु में 1,00,000/– एंव 2025 में रु 1,00,000/– कुल रु 2,00,000/–की राशि से स्थापित की गई है। इसके ब्याज का उपयोग स्नेह सम्मेलन के भोजन व्यवस्था में किया जा सकता है। इनके परिवार में डॉ सुभाष भार्गव मो. 8378929633 हैं।

भार्गव फुटवियर

(किनारी बाजार, आगरा)

विश्वास और परंपरा का नाम – भार्गव परिवार की पहचान

पिछले कई वर्षों से आगरा के किनारी बाजार में भार्गव फुटवियर उत्तम गुणवत्ता, सादगी और उचित मूल्य के लिए जाना जाता है।

हमारी विशेषताएँ :

- पारंपरिक व आधुनिक चप्पलें
- सुंदर व टिकाऊ जूतियाँ (जोटी)
- पुरुषों व महिलाओं के लिए विविध डिजाइन
- आरामदायक, मजबूत और किफायती विकल्प
- थोक व खुदरा बिक्री की सुविधा

हर कदम पर भरोसा – हर जोड़ी में गुणवत्ता

आपका विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूँजी है।

विक्की भार्गव – चेतन भार्गव

भार्गव फुटवियर किनारी बाजार, आगरा मो. 9058924601

(भार्गव समाज की 125 वर्ष की गौरवशाली यात्रा को समर्पित)

With Best Compliments from :

Anil Bhargava : 9810024116

Rajat Bhargava : 9873434821

Deals in :

• Paper • Paper Board • Kraft Paper • Waste Paper
• Polyster Film • ITC Make Paper Board
• Sakata Make Offset Inks
• Management Consultancy

PRINCIPALS :

- **Siddharth Papers Pvt. Ltd.**
- **Siddheshwari Paper Udyog Pvt. Ltd.**
- **N S Papers Ltd**
- **Polyplex Corporation Ltd.**
- **Sakata Inx (India) Pvt. Ltd.**
- **Anand Duplex Ltd.**

ABBA CONSULTANTS PVT. LTD.

107, Siddhartha Chambers, 55-A,
Kalu Sarai, Hauz Khas, New Delhi-110016
Email Id: anilbhargava@gmail.com
rajat14@gmail.com

SHAPING SUSTAINABLE DIGITAL GROWTH FOR GLOBAL BRANDS

SocialSynergys is a global digital marketing agency helping brands scale through strategy-driven content, performance marketing, and intelligent brand positioning.

Social Synergy's

Serving Clients Across :

India | UAE | UK | USA | Australia

What We Do

- **Creative Design & Campaign Execution**
- **Social Media Management & Reels Marketing**
- **Performance Marketing (Meta & Google Ads)**
- **SEO & Website Growth Strategy**
- **Lead Generation & Conversion Funnels**
- **Creative Design & Campaign Execution**

Why SocialSynergys

- **Strategy before execution**
- **Performance over vanity metrics**
- **Data-led decision making**
- **Content designed to convert, not just trend**
- **Global execution with local market insight**

Tranform your business with socialsynergys

Contact : NUPUR BHARGAVA

504, KLJ Tower North, Netaji Subhash Place, Pitampura, Delhi – 110034, India

Mob. +91 9810876548, 9891511025 • Email : info@socialsynergys.com

Visit : www.socialsynergys.com

SocialSynergys - A Brand of NerdyNova Technologies Private Limited

With Best Compliments From

AMMONIA SUPPLY COMPANY

Unit No. 1073, Plaza I, Manohar Lal Khurana Marg,
DCM Complex, Bara Hindu Rao, Delhi - 110006
Tel. : (Off.) 23552048, 23623802, 23631941, 49070252
Mobile : 09312401850 • 09350163975
E-mail : jitin@ascoindia.org

Suppliers of :

ANHYDROUS AMMONIA - LIQUOR AMMONIA

In any quantity - anywhere in India

Associates :

- Asco Engineering Company
- Asco Industrial Corporation
- (Prop. Ammonia Supplies Corporation Pvt. Ltd., New Delhi)
- Ammonia Marketing Co., Ghaziabad
- Ammonia Supply Co., Mumbai
- Ammonia Marketing Co., Bangalore
- Vijay Corporation, Coimbatore

FOUNDER

DR. MURARI LAL BHARGAVA

(17-04-1922 — 29-01-1999)

In Memory of ....

Late Shri Kirender Singh
(1926-2020)

Late Smt. Nirmala Devi
(1930-2018)

Son - Daughter in law
Shri Praveen – Late Smt. Abha
Grand Children
Dr. Peeyush – Smt. Sugandha | Shri Rohit – Smt. Prena
Great Grand Children
Akshee, Aahir | Kabir, Ayaan

Son - Daughter in law
Shri Sanjeev – Smt. Geeta
Grand Children
Shri Ankur – Smt. Mili | CA Archit – CS Medha
Great Grand Children
Aashi | Reyansh

Daughter - Son in law
Dr. Namrata – Dr. Pradeep
Grand Children
Smt. Pallavi - Shri Divya Kumar | Dr. Tarpit – Smt. Roopali
Great Grand Children
Rhea, Ishaan | Riyaan, Tara

With
Best Compliments

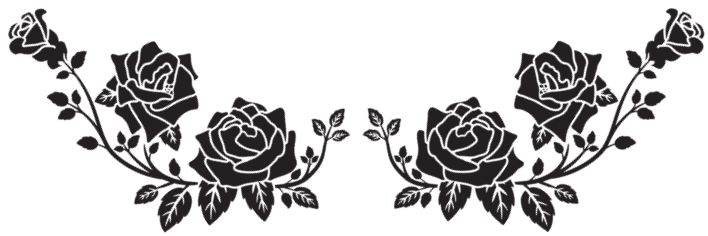

Alok Bhargava 9313460045
Vineeta Bhargava 8527593645
Abhinav Bhargava 9811439304
Apurva Negi 9901523024

Flat No. 69, Pocket- A, 11 Sector, 18
Rohini Delhi-110089

In loving memory of

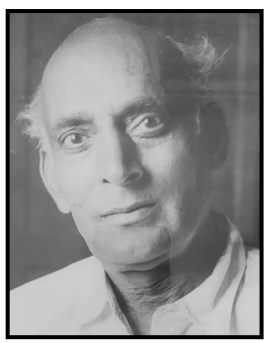

Shri Bankey Lal Bhargava

Smt Anandi Devi Bhargava

Best Regards

Sharar Technologies LLP
SB Advocates
Caxton Press (P) Ltd

Krishan Kumar Bhargava
+91 9818430022

Ranjana Bhargava

Shagun Bhargava, Advocate
+91 9891770449

Siddhartha Bhargava
+91 9868112510

Anupriya Bhargava
Saarthak Bhargava
Shreyas Bhargava

In Memory of...

Lt. Sh. Brij Pal Bhargava - Lt. Smt. Urmila Bhargava

Sh. Rajkumar Bhargava - Smt. Vandana Bhargava

Sh. Sachin Bhargava - Smt. Vidhi Bhargava

Sh. Prashant Bhargava - Smt. Neha Bhargava

Shivin Bhargava, Veda Bhargava

Flat No. - 6282, ATS Dolce Zeta-I, Greater Noida, U. P.
9313681093, 9971407173, 9289443404

In memory of

Lt. Ram Kishore Bhargava **Lt. Ram Murti Bhargava**

PRADEEP SURGICAL CO.

Deals in : All Surgical and Medicine Goods.

1978/14 Bhagirath Palace, Chandni Chowk - 110 006

Pradeep - Prabha **Shivang - Prerna**
Anil - Rashmi **Sanjeev - Arpita**

90, New Rajdhani Enclave, Preet Vihar, Delhi - 110 092
Mobile : 9810735919, 7042576373

In Memory of:

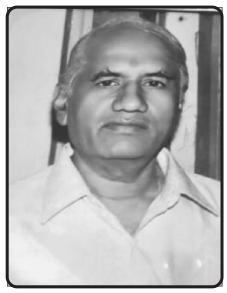

Lt. Shri Hanuman Prasad Bhargava

Lt. Smt. Prem Lata Bhargava

Smt. Renu Bhargava
Sandeep -Sunita Bhargava
Deepak -Shama Bhargava
Pankaj -Archana Bhargava

पुण्य स्मृति में....

स्व० श्री रामाशंकर भार्गव
1920 – 28 दिसम्बर 1973

स्व० श्रीमति सुशीला भार्गव
20 नवम्बर 1924 – 3 जून 2011

पुत्र – पुत्रवधु
राकेश – संगीता

पौत्र – पौत्रवधु
अनिरुद्ध – स्वेच्छा

पौत्री – दामाद
पारुल – अमित

पड़ पौत्र
विहान, व्योम

पड़ दूहिती
मायरा, अव्वन्या

With Best Compliments from....

BHARGAVA BROTHERS

JEWELLERS

Gold, Diamond, 92.5 Silver Jewellery, Articles Utensils, Gift Items & Color Stones

Mayank Bhargava
Sandhya Bhargava

9818027742
9910963639

110, Dariba Kalan, Delhi - 110 006

In memory of.....

Late Shri Suraj Bhan Bhargava - Late Smt Shiv Kumari Bhargava

Uma kant Bhargava - Sangeeta Bhargava
78-A. UGF, Dilshad Garden, Delhi 110095
Mob. : 9811206450

ARCHIS LAB

A Lab for Research in Architecture
Planning and Interior Design

RAHUL BHARGAVA

B. Arch, M. Arch (IIT Roorkee)

Consultancy Services
Architecture, Interior & Valuation of Property
Registered with MCD & House Tax Consutant

Mob. : 9910009241 • ***E-mail :*** rahul.archislab@gmail.com

In loving memory of.....

My Greatest Grand Father : Late Sh. Hari Ram Bhargava, Rewari

My Great Grand Father : Late Sh. Matadin Bhargava, Delhi

My Grand Parents : Late Sh. Kaliash Nath Bhargava & Late Smt. Krishnawati Bhargava, Delhi

My Tau ji & Tai ji : Late Sh. Rajender Nath Bhargava & Late Smt. Pushpanti Bhargava, Delhi

My Parents : Late Sh. Yogender Nath Bhargava & Smt. Sudha Bhargava, Delhi

My Chacha ji & Chachi ji : Sh. Satish Bhargava & Smt. Sunita Bhargava, Jaipur

My Bhaiya & Bhabhi : Mr. Rahul Bhargava & Mrs. Sapna Bhargava, Delhi

RAJUL BHARGAVA & ANURADHA BHARGAVA

181-B, POCKET-B, MAYUR VIHAR-II, DELHI-110091

Mob. : 9999092921 • ***E-mail :*** info.archislab@gmail.com

With Compliments

Sanjeev Bhargava

Manisha Bhargava

Shikhar Bhargava

Bhawna Bhargava

Neo Chem Industries

Deals in :

Latex Adhesive, Liquor Ammonia
Ammonia Gas

B - 11, Tulsi Apartments, Sector - 14
Plot No. - 14, Rohini, Delhi - 110 085
Mobile : 9810039391, 9873094743

In Memory Of

Our Grand Parents

Late Shri Radha Raman & Late Smt. Kamlavati Bhargava

Our Parents

Late Shri Ravi Shanker & Late Smt. Sarla Bhargava
Former President, Delhi Bhargava Sabha
Former President, Akhil Bhartiya Bhargava Mahila Sabha

Our Chacha & Chachi

Late Shri Dhruv Bhargava & Late Smt. Sudha Bhargava

Late Shri Kailash Nath Bhargava

Late Shri Prem Nath Bhargava

Late Shri Yogesh Kumar & Late Smt. Archana Bhargava

Ila & Uday Bhargava, Parbhani (9096337316)
Mohit & Mala Bhargava, Bengaluru (9880565240)

In Memory of Our Father

SHRI GYAN BHARGAVA

MADHUR & COMPANY

Authorised Distributors :

Reid & Taylor

Prop. Madhur Bhargava

422, Katra Choban
Chandni Chowk, Delhi-110006
Phones : 23269173, 23257543
Resi. : 26947140
Mo. : 9312235868, 7048991041
E. mail : madhurgyan@hotmail.com

In everlasting memory of
Shri Vijai Narain Bhargava

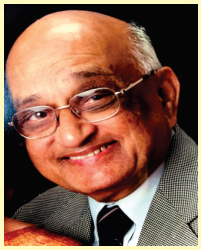

Managing Director	:	*Rajiv Bhargava*
Director	:	*Neeraj Bhargava*
Executive Director	:	*Sanjay Bhargava*
Executive Director	:	*Seema Bhargava*

HBD Packaging Pvt. Limited

An ISO 9001:2015 (QMS) ; ISO 22000:2018 (FSMS) ; HACCP & FSC Certified Company

19, Udyog Kendra Industrial Area, Ecotech III, Greater Noida (U.P.) - 201 306

Tel. : +91 9810150447 • Email : info@hbdpackaging.com

Manufacturers of :

Products : Manufacturers of Folding Cartons • Litho Laminated (3 ply) Cartons • Blister Cards • 4/6 Corner Boxes Trays • Liner Cartons • Food Packaging Cartons • Rigid Boxes • Sleeves • Point of Sale Dispenser • Catch Cover Labels & Literature Sheets (Leaflets) etc. • ***Capabilities :*** UV & LED printing on Met-pet Sheets Texture Coating (Drip off) • Thermal, Window and Normal Film Lamination on Automatic Machines Board to Board Pasting • Flute Lamination on Automatic Machines • Offline Blanking Double Piece Carton Gluing (3ply); Window Patching • Screen Printing & Coating Effects on Automatic Machines etc.

Serving Packaging requirments for more than 40 years

Everest Square

A UNIQUE APPROACH IN SHOPPING

One roof.
Every solution.
Endless possibilities.

Haldiram's

ANYTIME FITNESS

श्री | SHREE

PURPLE UNITED KIDS

LAKSHITA

Anil Bhargava, Sunil Bharagava, Vijay Bhargava

Office Address - Sec 26, Garhi Bolni Road, Rewari, Haryana

For inquiries - +91-9812061008, 8397861008, 8950149054

www.everestsquare.com

with best compliments from

Dinesh Bhargava, Advocate | Smt. Priti Bhargava | Saurabh Bhargava, Advocate

Social Status

- Ex. State Treasurer (Rajasthan), Bharatiya Janata Party Kisan Morcha.
- President, Alwar District Boxing Association.
- President, Aravali Artist Academy, Alwar.
- President, Deed Writer & Stamp Venders Joint Samiti, Alwar.
- Pradhan, Samaj Kalyan Samiti (A.B.B.S.) 2009-2025.
- Vice President, Akhil Bhartiya Bhargava Sabha 2013-2017, 2019-2025.
- Ex-Observer, Central Jail, Alwar by Govt. of Rajasthan.
- Ex-President, Alwar Bhargava Sabha & Dehra Utsav Samiti, Alwar.
- Ex-President, Sangeet Sankalp, Alwar.
- Ex-Convener, Bhargava Ashram, Alwar.
- Revenue Advisor, Government of Rajasthan.
- Patron, Vriddha Seva Ashram, Alwar.
- Lifetime Member of Bhargava Dharamshala, Chakleshwar, Goverdhan, Mathura.
- Member, Art & Cultural Uththan Samiti, Rajasthan.
- Member, Jai Krishna Club, Alwar.
- Member, Kaumi Ekta Sahitya Sansthan, Alwar.
- Member, Society for Protection of Union Child.
- Member, Jai Complex Vyapar Samiti, Alwar.

Matasya Fort & Resorts Pvt. Ltd.

Directors :
Dinesh Bhargava
Priti Bhargava
Saurabh Bhargava

"SHRADDHA" Plot No. 592,
Vivek Vihar, Scheme No. 10,
Near Jain Mandir, Alwar-301001 (Raj.)
Mob.: 9414016610, 8696875500, 9414789910
e-mail: d_bhargavalw@yahoo.co.in

KLA
KISHORI LAL AGENCIES

PRINT PRO
Offset Printing Division

Calendars, Notebooks, PU Notebooks, Diaries, Planners, Poster, Dangler, Catalogue, Annual Report, Foam Banner, Carry Bags, Rigid Board Box, Monocartons

59, Patparganj Industrial Area, Delhi-110092 E-mail : printproppg@gmail.com

Davender Bhargava # 9312973134, Arvind Bhargava # 8178332744
Praveen Bhargava # 9810019290, Harshit Bhargava # 9871236197

73, Chawri Bazar, Delhi- 110006 E-mail : kishorilal73@gmail.com fortunecallsyou@gmail.com

Over 50 Years
Quality Healthcare

Cooper Pharma Limited

Rakesh Bhargava
Managing Director
09810348149

Lata Bhargava
Director
09910045970

Abhishek Bhargava
09958677899

cGMP, WHO-GMP & ISO 9001:2000 Certified

Regd. Office: 12/12, Shakti Nagar, Delhi - 110 007 (INDIA)
Tel.: (011) 26841442
Head Office: Plot no-5, Nidhi Plaza IInd floor, L.S.C., Gulabi Bagh, Shakti Nagar, Delhi - 52
Tel.: (011) 23653404, 23653537, 23653405
Works at : C-3, Industrial Area, Selaqui, Chakrata Road, Dehradun - 248197 (Uttarakhand)
Tel.: (0135) 2698730, 2698686
E-mail : cooperpharma@hotmail.com **Visit us at :** www.cooperpharma.com

XL LABORATORIES PVT. LTD.

Plant-I Bhiwadi

TABLETS
HARD GELATIN CAPSULES
SACHET
ORAL LIQUIDS

Plant-II Neemrana

SOFT GELATIN CAPSULES

We are a Research Driven Pharmaceutical Finished Dosage Forms manufacturing company based out of New Delhi, India with 2 manufacturing sites accredited with EU GMP, TGA-Australia, ANVISA-Brazil, Thailand FDA, PIC/s, WHO GMP etc.

Recognized STAR EXPORT HOUSE by the Government of India for Outstanding Performance in Exports.

With a strong presence in over 40 countries; we touch millions of human lives with care and passion to make "Made in India" World Class Quality Medicines available across the Globe.

Ashok Kumar Bhargava
Managing Director

Rahul Bhargava
Director

XL
LABORATORIES PRIVATE LIMITED
An EU-GMP, TGA (Clearance), PIC/S Certified Pharma Manufacturing Company

Regd. Office : 430 DLF Tower, Shivaji Marg, New Delhi-110015 (India)
Tel. : +91 11 49321000
E-mail : admin@xllaboratories.com

Unit-I : E-1223 Phase-I Extn. (Ghatal), RIICO Industrial Area, Bhiwadi-301019, Distt. Alwar, Rajasthan (India)

Unit-II : A-141, EPIP, RIICO Industrial Area, Neemrana-301705, Distt. Alwar, Rajasthan (India)

Follow us :
www.xlrem.com